RNI : JHAHIN/2014/54374

PRESS राष्ट्रीय मुख्यधारा PRINT | WEB | VIDEO

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

बोकारो, शुक्रवार

6.2.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 108

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

कांग्रेस सांसद पीएम मोदी पर कर सकते थे हमला इसलिए मैंने उन्हें लोकसभा आने से रोका : बिरला

लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में लगातार हो रहे हंगामे के बीच गुरुवार को एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दावा किया कि उन्होंने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में आने से रोका था। स्पीकर का कहना था, कि उन्हें आशंका थी कि कांग्रेस के कुछ सांसद प्रधानमंत्री पर शारीरिक हमला कर सकते हैं, जिससे लोकतंत्र की मर्यादा को गंभीर ठेस पहुंचती। स्पीकर बिरला ने कहा कि बुधवार को लोकसभा में हालात बेहद अप्रत्याशित और चिंताजनक हो गए थे। उन्होंने बताया कि यदि प्रधानमंत्री उस दिन सदन में आते और कोई अप्रिय घटना हो जाती, तो यह संसद और लोकतंत्र दोनों के लिए शर्मनाक स्थिति होती। इसी कारण उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे सदन में न आएं। अंततः प्रधानमंत्री मोदी के जवाबी भाषण के बिना ही राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। स्पीकर बिरला ने यह भी कहा, कि विपक्ष के कुछ सांसदों का आचरण लोकसभा के इतिहास में काले धब्बे के रूप में दर्ज हो गया है। उन्होंने

आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ सांसद किसी गलत हरकत की योजना बना रहे थे। इसी वजह से प्रधानमंत्री के भाषण को टालना पड़ा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 के बाद यह पहला मौका है जब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री नहीं दे सके और बिना उनके भाषण के ही धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया।

अपराजिता ने किया समर्थन : भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने भी स्पीकर बिरला के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा को लेकर वास्तविक खतरा था और लोकसभा स्पीकर ने समय रहते सही निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रधानमंत्री और देश की जनता को स्पीकर का आभार व्यक्त करना चाहिए।

विपक्ष ने आरोपों को खारिज किया : हालांकि विपक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने स्पीकर के दावे को गलत बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह निराधार है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर तीन महिला सांसद प्रधानमंत्री के पास जाकर खड़ी हो गईं तो क्या इससे उनकी सुरक्षा को खतरा हो गया? प्रियंका गांधी ने मीडिया से सवाल किया कि वे सरकार से यह क्यों नहीं पूछते कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने क्यों नहीं दिया गया और इसके पीछे क्या आधार था।

लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित : इस पूरे घटनाक्रम के बीच हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आखिर विपक्ष चाहता क्या है, प्रधानमंत्री का रास्ता रोकना, उन्हें घेर लेना? उन्होंने कहा कि संसद को जिस स्तर तक गिराया जा रहा है, उससे हर लोकतांत्रिक सोच रखने वाला व्यक्ति दुखी है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव बिना जवाब के ही ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों के आठ सदस्यों के निलंबन और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की मांग पर हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और फिर 02 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। इस दौरान हंगामे के बीच सदन ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को बिना जवाब के ही ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि उन्हें कई स्थगन प्रस्तावों की सूचना मिली है, लेकिन किसी को अनुमति नहीं दी गई। इस दौरान नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद यशो नाईक, सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने अपने-अपने मंत्रालयों से जुड़े दस्तावेज सदन के पटल पर रखे। कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य हाथों में बैनर, पोस्टर और तख्तियां लेकर सदन के बीचोंबीच पहुंच गए और सरकार विरोधी नारे लगाने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों को चेतावनी दी कि हाथों में तख्तियां लेकर आने पर उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। इसके बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अनेक संशोधन प्रस्तुत किए गए, जिन्हें मतदान के बाद अस्वीकृत कर दिया गया। इस दौरान हंगामे के बीच ही धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि वे सदन को चलने दें और सभी को बजट पर बोलने का अवसर दें। उन्होंने कहा कि लगातार हंगामा करना सदन का अपमान है लेकिन विपक्षी सदस्यों के विरोध के चलते कार्यवाही को 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। गौरतलब है कि बुधवार को विपक्ष की महिला सदस्य बैनर लेकर प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंच गई थीं, जिसके चलते कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी थी।

राज्यसभा में सत्तापक्ष-विपक्ष में तीखी नोकझोंक

नड्डा बोले- कांग्रेस को 'अबोध बालक' ने बनाया बंधक

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को शुरू होते ही सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। सभा की शुरुआत में जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लोकसभा में बोलने से रोका जा रहा है। इस पर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालना नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि लोकसभा से जुड़े मामलों पर राज्यसभा में चर्चा नहीं की जा सकती। रिजिजू ने विपक्षी सदस्यों से सदन के नियमों और परंपराओं का पालन करने की अपील की। रिजिजू ने कहा, "सदन के सभी सदस्य प्रधानमंत्री का भाषण सुनने के लिए इंतज़ार कर रहे हैं। अगर कांग्रेस सदस्य उनका भाषण नहीं सुनना चाहते, तो यह उनका निर्णय है, लेकिन वे दूसरों को सुनने से नहीं रोक सकते।" उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सदन के नियमों का पालन नहीं करते। इसके बाद सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि "राज्यसभा में विपक्ष के नेता को यह समझना चाहिए कि लोकसभा की कार्यवाही पर राज्यसभा में चर्चा नहीं की जा सकती। इस संबंध में पूर्व सभापतियों द्वारा फैसले दिए जा चुके हैं। अगर उन्हें चर्चा करनी है तो वे अपनी पार्टी के सदस्यों से लोकसभा में इस पर चर्चा करने को कहें। मैं कांग्रेस और देश को यह संदेश देना चाहता हूं कि मोदी सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "लोकसभा में उठाए गए सवालों का जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह तैयार थे, लेकिन आपने सदन को चलने नहीं दिया। आपने भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर बयान की मांग की थी, जिस पर पीयूष गोयल ने बयान दिया। विपक्ष के नेता ने तय समय से 20 मिनट अधिक बोला, फिर भी हमने कहा कि आप और बोल सकते हैं। लोकतंत्र खतरे में है, ऐसा कहना गलत है और मैं इसकी निंदा करता हूं। एक मासूम बच्चे को बंधक बनाकर अपनी पार्टी को बंधक मत बनाइए। इस पर खरगे ने कहा कि संसद लोकसभा और राज्यसभा से मिलकर बनती है। हमारे संविधान के अनुसार दो सदन हैं लेकिन लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। वे देशहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना चाहते थे। विपक्ष सदन को बाधित नहीं करना चाहता है लेकिन पिछले चार दिनों से सदन इसलिए नहीं चल पा रहा है क्योंकि विपक्ष के नेता को बोलने नहीं दिया जा रहा। आप अपनी गलतियों को छिपाने के लिए एक सदन को पंगु नहीं बना सकते। आपने देश के साथ विश्वासघात किया है और राष्ट्र का अपमान किया है। जब राहुल इस बारे में बात करते हैं तो 'आपको खुजली उठती है'। आपकी पार्टी भी नरेन्द्र मोदी का बंधक बनी हुई है। इस बहस में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वह विपक्ष का सम्मान करती हैं लेकिन वह खरगे के भाषण से "लिंचिंग" शब्द हटाए जाने की मांग करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा में हंगामें के बीच विपक्षी नेताओं की अहम बैठक, निलंबित सांसदों का धरना, शिवराज और चिराग ने की राहुल की आलोचना

नई दिल्ली। लोकसभा में 8 विपक्षी सांसदों के निलंबन और लगातार हंगामें के बीच गुरुवार को संसद भवन में विपक्षी दलों के फ्लोर नेताओं की अहम बैठक हुई। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यालय में आयोजित इस बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहे। इसी दौरान निलंबित सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर दिए जाने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। सांसदों ने कहा कि जब तक नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जाएगा, उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इस दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवीनीत सिंह बिट्टू को 'गद्दार दोस्त' कहा, जबकि बिट्टू का परिवार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबकुछ न्यौछावर कर चुका है। पार्टी का विरोध करते-करते राहुल गांधी अब देश का विरोध करने लगे हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि कुछ नेता केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए बयान देते हैं और विभाजनकारी राजनीति करते हैं।

ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता, वेनेजुएला समेत किसी भी नए विकल्पों के मूल्यांकन के लिए तैयारः भारत

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा है। वह वेनेजुएला समेत किसी भी नए आपूर्ति विकल्प के वाणिज्यिक लाभों का मूल्यांकन करने के लिए तैयार है। भारत ने दोहराया कि वह ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक बार फिर ऊर्जा जरूरतों और लाभकारी मूल्यों को निर्णय का आधार बताया।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बोले शिवराज किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर विपक्ष के आरोपों पर कड़ा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता कूटनीति, विकास और राष्ट्रीय गरिमा का नया उदाहरण है और इसमें भारतीय किसानों के हितों से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया गया है। चौहान ने साफ शब्दों में कहा कि विपक्ष भ्रम फैलाने का काम कर रहा है और "झूठ की मशीन" बन चुका है। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत रह गया है, जिससे भारतीय निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि भले ही अमेरिका की ओर से अधिक कृषि उत्पाद निर्यात की बात कही जा रही हो, लेकिन भारत ने अपने किसानों के हितों की पूरी तरह रक्षा की है। प्रमुख अनाज, फल, मोटे अनाज (बाजरा) और डेयरी क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित रखे गए हैं। एक बातचीत के दौरान कृषि मंत्री शिवराज ने कहा कि यह समझौता संघर्ष नहीं, बल्कि संतुलित और सशक्त संवाद का परिणाम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसान हमारे लिए केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि जीवनदाता हैं। किसानों के हित राष्ट्रहित हैं और उनकी रक्षा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों की सेवा करना हमारे लिए ईश्वर की सेवा के समान है।

एचएएल ने वायु सेना को समय पर एलसीए मार्क-1ए की आपूर्ति करने का भरोसा दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

फायरिंग और मिसाइल ट्रायल्स के बाद आपूर्ति के लिए पांच तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान तैयार

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने वायु सेना को समय पर एलसीए मार्क-1ए की आपूर्ति करने का गुरुवार को भरोसा दिया है। आपूर्ति के लिए पांच तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान तैयार कर हैं, जिनके फायरिंग और मिसाइल ट्रायल्स पूरे हो चुके हैं। वायु सेना इन फाइटर जेट की आपूर्ति स्वीकार करने से पहले इस साल मई में 'कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट' की समीक्षा करेगी। भारतीय वायु सेना ने एचएएल को दो किश्तों में 180 तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान के ऑर्डर दिए हैं। पहला ऑर्डर फरवरी 2021 में 83 लड़ाकू

विमानों के लिए और दूसरा ऑर्डर पिछले साल सितंबर में 97 विमानों के लिए दिया गया था। एचएएल से दोनों सौदों के तहत वायु सेना को 141 लड़ाकू और 39 ट्रेनर विमान मिलने हैं। अभी तक एक भी विमान की आपूर्ति न होने पर वायु सेना प्रमुख कई मौकों पर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। इस बीच मई में पाकिस्तान के साथ ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भी स्वदेशी लड़ाकू विमान की जरूरत महसूस की गई थी। दरअसल, एचएएल से वायु सेना को पहले बैच की आपूर्ति मार्च 2025 तक होनी थी, लेकिन बाद में इस टाइमलाइन को बदलकर मार्च 2026 कर दिया गया। अब तक कोई अपडेट न मिलने से 31 मार्च की अंतिम समय सीमा तक आपूर्ति पर सवालिया निशान मंडरा रहा है, क्योंकि इसे अभी अपनी पहली उड़ान भरनी बाकी है। इस बीच एचएएल ने आज वायु सेना को भरोसा दिया है कि पांच एयरक्राफ्ट आपूर्ति के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें तय मानकों के अनुसार प्रमुख अनुबंधित क्षमताएं होंगी। एचएएल ने कहा कि नौ और एयरक्राफ्ट पहले ही बनाए और उड़ाए जा चुके हैं। अमेरिकी कंपनी जीई से इंजन मिलने पर इन एयरक्राफ्ट को भी आपूर्ति के लिए तैयार कर दिया जाएगा। एचएएल की ओर से बताया गया है कि विमानों की सभी डिजाइन और विकास के मुद्दे का तेजी से निराकरण किया जा रहा है। जल्द से जल्द विमान आपूर्ति के लिए वायु सेना के साथ बातचीत किये जाने की तैयारी है। एचएएल को आज तक अमेरिकी कंपनी से पांच इंजन मिल चुके हैं और आगे भी इंजन की आपूर्ति जल्द से होने की उम्मीद है, इसलिए एचएएल ने भरोसा दिलाया है कि वह चालू वित्त वर्ष में विमानों की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

अमेरिका खत्म करना चाहता है चीन का दबदबा भारत सहित 50 देशों को कर रहा एकजुट

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के नेतृत्व में वैश्विक अर्थव्यवस्था और भविष्य की तकनीक को सुरक्षित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक रणनीतिक कदम उठाया गया है। चीन के वर्चस्व को चुनौती देते हुए अमेरिका ने करीब 50 देशों के एक शक्तिशाली ट्रेडिंग ब्लॉक का प्रस्ताव रखा है। इस वैश्विक गठबंधन का मुख्य उद्देश्य क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) के उत्पादन, प्रोसेसिंग और कीमतों को स्थिर रखना है ताकि अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला किसी एक देश के नियंत्रण में न रहे। 4 फरवरी, 2026 को वाशिंगटन में आयोजित क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल के दौरान इस बड़े रोडमैप की घोषणा की गई, जिसे भविष्य की तकनीक पर नियंत्रण सुरक्षित करने की एक निर्णायक वैश्विक रणनीति माना जा रहा है। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और उसके सहयोगियों को एक ऐसा मजबूत ढांचा तैयार करना होगा, जिसमें टैरिफ और न्यूनतम कीमतों (फ्लोर प्राइस) के माध्यम से घरेलू और मित्र देशों के उत्पादकों की रक्षा की जा सके। वेंस ने कहा कि अमेरिका रेयर अर्थ और अन्य क्रिटिकल मिनरल्स के लिए बेसलाइन कीमतें तय करने पर विचार कर रहा है ताकि चीन जैसे देश कीमतों को कृत्रिम रूप से गिराकर प्रतिस्पर्धियों को बाजार से बाहर न कर सकें। उन्होंने इस ब्लॉक को साथी और सहयोगियों के बीच एक सुरक्षित जोन करार दिया, जिसका लक्ष्य किसी तीसरे पक्ष पर निर्भरता को पूरी तरह खत्म करना और मित्र देशों के बीच संयुक्त उत्पादन को बढ़ावा देना है। इस पहल का मुख्य केंद्र लिथियम, कोबाल्ट, निकेल और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसी उन धातुओं को चीन के प्रभाव से मुक्त करना है, जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), सेमीकंडक्टर और मिसाइल गाइडेंस सिस्टम के लिए अनिवार्य हैं। वर्तमान में चीन दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत रेयर अर्थ खनन और 90% प्रोसेसिंग पर नियंत्रण रखता है और अक्सर कूटनीतिक विवादों के दौरान इनके निर्यात को हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है।

पीएम ने संस्कृत में सुभाषित साझा कर अनुशासित सोच और कर्म का बताया महत्व

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीवन में स्पष्ट सोच और ठोस फैसलों का महत्व बताते हुए कहा कि लगातार दुविधा में रहना और निर्णय न ले पाना मन को कमजोर करता है और व्यक्ति अपने उद्देश्य से भटकने लगता है।

नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर संस्कृत का एक सुभाषित साझा करते हुए लिखा कि जब व्यक्ति केवल विकल्पों में उलझा रहता है, तो उसकी सोच विकृत हो जाती है लेकिन एक बार मूल कार्य शुरू हो जाए, तो आगे की राह और भी कठिन हो जाती है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि ऐसे समय में अनुशासन, एकजुटता और अटल संकल्प सबसे ज्यादा जरूरी होते हैं।

चुनाव आयोग ने पर्यवेक्षकों से कहा- पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करें

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों में केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किए जाने वाले सामान्य, पुलिस तथा व्यय पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की। यहां के भारतीय निर्वाचन प्रबंधन संस्थान में गुरुवार से शुरू यह दो दिवसीय बैठक तीन चरणों में होगी। आयोग के अनुसार कुल 1,444 अधिकारियों को ब्रीफिंग के लिए बुलाया गया है, जिनमें 714 सामान्य पर्यवेक्षक, 233 पुलिस पर्यवेक्षक और 497 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों को संबोधित किया। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पर्यवेक्षकों को आयोग के मार्गदर्शक दीप के रूप में चुना गया है। पर्यवेक्षकों की मौजूदगी 824 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावी मशीनरी को ऊर्जा प्रदान करेगी और वे स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करें।

श्रीलंका में पवित्र देवनीमोरी अवशेषों की प्रदर्शनी, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया आभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को कोलंबो स्थित पवित्र गंगारामय मंदिर में भगवान बुद्ध के पवित्र देवनीमोरी अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलग-अलग पोस्ट में कहा कि अप्रैल 2025 में अपनी श्रीलंका यात्रा के दौरान यह निर्णय लिया गया था कि इन पूजनीय अवशेषों को श्रीलंका लाया जाएगा, ताकि वहां के लोग उन्हें नजदीक से देख सकें और श्रद्धा अर्पित कर सकें। यह कदम भारत और श्रीलंका के बीच गहरे सभ्यतागत और आध्यात्मिक संबंधों का प्रतीक है, जो सदियों से साझा विरासत और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से पोषित होते आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पवित्र देवनीमोरी अवशेषों का श्रीलंका आगमन दोनों देशों के बीच स्थायी आध्यात्मिक बंधन का प्रमाण है। भगवान बुद्ध का शाश्वत संदेशकरुणा, शांति और सद्भाव मानवता को मार्गदर्शन देता रहेगा और सीमाओं से परे एकता और समझ को बढ़ावा देगा।

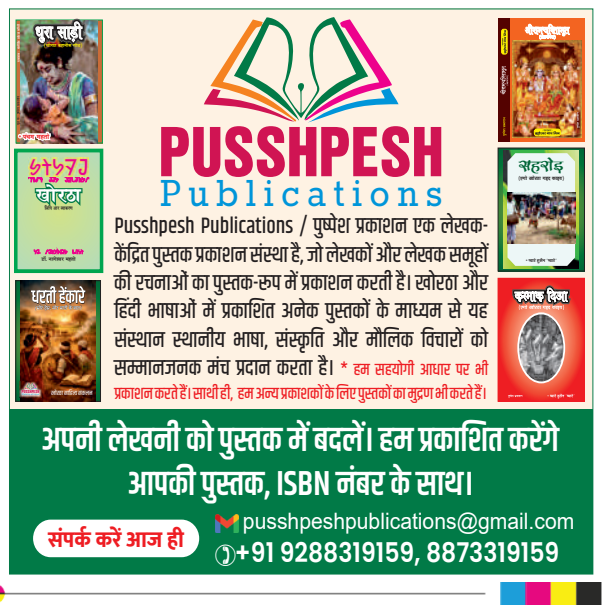

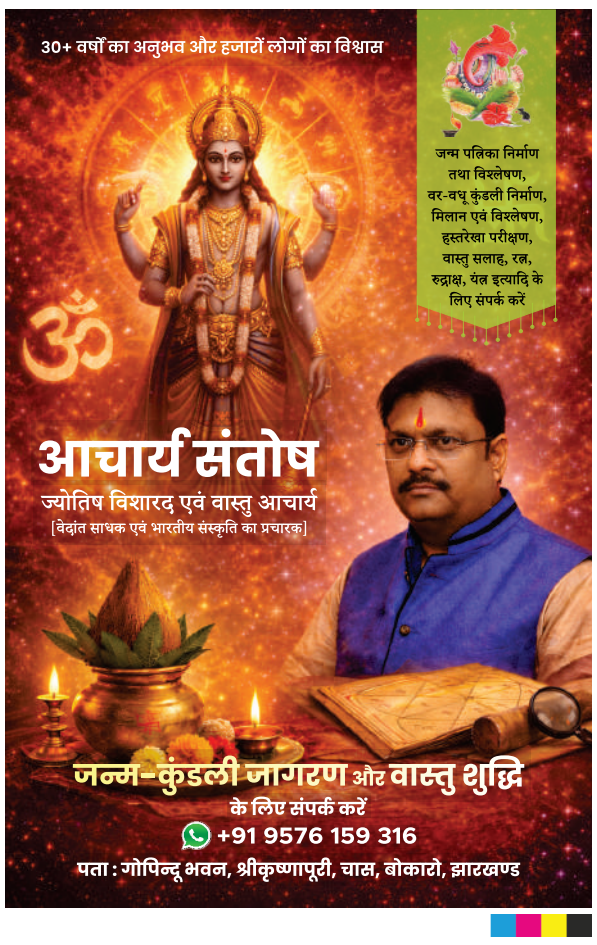

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

चारदीवारी निर्माण में 'वसूली का खेल'? कपाली ओपी प्रभारी पर दबाव और अवैध मांग के संगीन आरोप

» डीसी से निष्पक्ष जांच की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला-खरसावां : जिले के चांडिल अंचल अंतर्गत कपाली ओपी क्षेत्र के मौजा रुगड़ी में जमीन विवाद अब सीधे पुलिसिया भूमिका पर सवाल खड़े कर रहा है। पीड़ित पक्ष ने कपाली ओपी प्रभारी पर कानून के भय का इस्तेमाल कर अवैध वसूली की कोशिश करने और रकम नहीं मिलने पर प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले से क्षुब्ध पीड़ितों ने उपायुक्त से न्याय की गुहार लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की है।

उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां को सौंपे गए लिखित आवेदन

में पीड़ितों ने बताया है कि मौजा रुगड़ी स्थित खाता संख्या 219, प्लॉट संख्या 125, रकबा लगभग 1.60 एकड़ भूमि पर उनका वर्षों पुराना वैध पारिवारिक स्वामित्व है। आपसी हिस्सेदारी के आधार पर उक्त भूमि पर चारदीवारी निर्माण कार्य कराया जा रहा था, जो पूरी तरह कानूनी बताया गया है।

आरोप है कि इसी दौरान कपाली ओपी प्रभारी पुलिस बल के साथ अचानक निर्माण स्थल पर पहुंचे और बिना किसी वैध आदेश के कार्य पर आपत्ति जताई। पीड़ितों का कहना है कि निर्माण कार्य जारी रखने के एवज में ओपी प्रभारी द्वारा धन की मांग की गई। बबलू तोड़ा नामक व्यक्ति द्वारा इस कथित अवैध मांग को ठुकराए जाने के बाद मामला और बिगड़ गया।

पीड़ितों का आरोप है कि धनराशि नहीं मिलने पर दबाव बनाने की नीयत से अनुमंडल कार्यालय से निर्माण कार्य पर रोक संबंधी सूचना जारी करवा दी गई। इस कार्रवाई से न केवल निर्माण कार्य ठप हो गया, बल्कि पीड़ित परिवार को मानसिक प्रताड़ना, सामाजिक बदनामी और आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ रहा है।

आवेदन में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित भूमि को लेकर न तो किसी न्यायालय में कोई मामला लंबित है और न ही किसी प्रशासनिक स्तर पर कोई विवाद विचाराधीन है। इसके बावजूद पुलिस द्वारा इस तरह का हस्तक्षेप न सिर्फ अधिकारों का हनन है, बल्कि कानून-व्यवस्था की निष्पक्षता और पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

पीड़ितों ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर कई बार गुहार लगाने के बावजूद उनकी बात नहीं सुनी गई, जिसके बाद मजबूरी में उन्हें जिला प्रशासन की शरण लेनी पड़ी। उन्होंने मांग की है कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा आरोप सही पाए जाने पर संबंधित पुलिस पदाधिकारी के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

फिलहाल यह मामला इलाके में चर्चा और आक्रोश का विषय बना हुआ है। अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं—क्या इन गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी या मामला फाइलों में ही दबकर रह जाएगा। पीड़ितों को न्याय कब और कैसे मिलेगा, यह आने वाले दिनों में तय होगा।

संक्षिप्त समाचार

गोड्डा में नकली शराब फैक्ट्री का पर्दाफाश

40 किलो गांजा व 8,600 से अधिक बोतलें बरामद, सात गिरफ्तार

गोड्डा। नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गोड्डा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। देवदाड़ थाना क्षेत्र के सियरकटिया गांव में बंद पड़ी खदान के पास संचालित नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में नकली शराब, गांजा और फैक्ट्री में प्रयुक्त उपकरण जब्त किए गए हैं।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पुराने खदान के समीप एक मकान में नकली विदेशी शराब का निर्माण किया जा रहा है और वहीं से गांजा की खरीद-बिक्री भी हो रही है। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में देवदाड़, पोडैयाहाट, सुंदरपहाड़ी, मुफस्सिल और गोड्डा नगर थाना की संयुक्त टीम गठित कर छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान मकान से करीब 40 किलो गांजा, 90 बोरियों में पैक 8,640 बोतल नकली विदेशी शराब (180 एमएल), दो जार में भरी करीब 40 लीटर नकली शराब, शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले मिक्सर, मोटर, सीलर मशीन, होलोग्राम, नामी कंपनियों के लेबल, हजारों खाली बोतलें, ढक्कन, ड्रम और रसायन बरामद किए गए। इसके अलावा एक आल्टो कार, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

पुलिस ने मौके से सात लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ देवदाड़ थाना में कांड संख्या 04/2026 दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जिले में आगे भी सघन अभियान चलाया जाएगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

दुमकाः जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ईवीएम वेयरहाउस में लागू विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधों की विस्तार से समीक्षा की।इस क्रम में उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लेते हुए सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल रूम एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों की कार्यशीलता और रखरखाव की स्थिति का जायजा लिया। उपायुक्त ने परिसर का भ्रमण कर विद्युत व्यवस्था, अग्निशमन यंत्रों, तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।निरीक्षण के क्रम में उन्होंने वेयरहाउस में प्रतिनियुक्त सुरक्षा बलों को अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क एवं सक्रिय रहते हुए सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करने का निर्देश दिया।

लोक भवन के उद्यान का 37 हजार 976 लोगों ने किया दीदार

रांची। लोकभवन खुलने के चौथे दिन गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और वहां का दीदार किया। बच्चे, बुर्जग, युवक, युवतियां और महिलाएं सभी लोकभवन के आकर्षक गुलाब, झूले, फाउंटेन, झरना और फलदार वृक्ष और औषधीय पेड़-पौधे के साथ मोबाइल से सेल्फी और तस्वीर लेते देखे गये।

शहर के प्रमुख स्थलों में शामिल लोक भवन उद्यान इन दिनों पर्यटकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। हरियाली, खुला माहौल और सुसज्जित परिसर की वजह से बड़ी संख्या में लोग यहां घूमने और अवलोकन के लिए पहुंच रहे हैं।

गुरुवार को लोक भवन उद्यान में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली, जब एक ही दिन में करीब 37,976 सैलानी यहां पहुंचे।

सुबह से ही लोक भवन परिसर में चहल-पहल शुरू हो गई थी। परिवारों के साथ आए लोग, बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी उद्यान की हरियाली और शांत वातावरण का आनंद लेते नजर आए। लोक भवन उद्यान आम लोगों के लिए सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक खुला है, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के तहत दोपहर एक बजे तक प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। प्रवेश गेट संख्या-दो से कराया जा रहा है, यहां सुरक्षा जांच के बाद लोगों को अंदर जाने दिया जा रहा है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के इंतजाम भी किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि दो फरवरी से आठ फरवरी तक लोकभवन का द्वार आमलोगों के लिए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के आदेश पर खोल दिया गया। लोकभवन का पहले दिन 2559 लोगों, दूसरे दिन 4813, तीसरे दिन 12711 लोगों ने भ्रमण किया था।

पविया मंडल कार्यालय में बीएलए-2 गठन को लेकर बैठक, 366 बूथों पर संगठन मजबूती पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : नारायणपुर प्रखंड अंतर्गत पविया मंडल कार्यालय में बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट-2) के गठन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह बीएलए-1 हरिमोहन मिश्रा ने की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में बीएलए-2 के गठन की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा हुई और संगठन को बूथ से जिला स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। हरिमोहन मिश्रा ने बताया कि जामताड़ा जिले के सभी 366 बूथों पर बीएलए-2 का गठन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बीएलए-2

ईमानदार, निष्ठावान और कर्मठ कार्यकर्ता होना चाहिए, जो संगठन हित में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएलए-2 का चयन मंडल अध्यक्ष, कार्यसमिति सदस्य और बूथ अध्यक्ष के माध्यम से किया जाएगा। बीएलए-2 बीएलओ के साथ समन्वय कर मतदाता सूची की गहन समीक्षा करेगा, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि समय रहते सुधारी जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बीएलए-2 को जिला से प्रदेश स्तर तक नेतृत्व का पूरा सहयोग मिलेगा।

हरिमोहन मिश्रा ने कहा कि लक्ष्य है जिले के सभी बूथों पर भाजपा का मजबूत और सजग प्रतिनिधि खड़ा करना, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिले।

बैठक में मंडल अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद सिंह, दुबराज सिंह, निमाई सेन, ताकेश सिंह, मोहन मंडल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिफ्ट प्रबंधकों की परिचालन और रणनीतिक दक्षता बढ़ाने को ले प्रशिक्षण शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः बोकारो इस्पात संयंत्र के शॉप फ्लोर पर परिचालन की कमान संभालने वाले शिफ्ट प्रबंधकों की क्षमता संवर्द्धन के लिए एक नई पहल की शुरुआत की गई है। ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र द्वारा परिचालन 2.0 शीर्षक से दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम चरण गुरुवार को शुरू हुआ। दोदिवसीय इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अग्रिम पंक्ति में कार्यरत शिफ्ट प्रबंधकों को परिचालन, तकनीकी, वाणिज्यिक, डिजिटल, गुणवत्ता और ईएसजी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में और अधिक निपुण बनाना है। इस रणनीतिक कार्यक्रम का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक एवं कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) अजय कुमार और मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन–एल एंड डी) नीता बा सहित कई वरिष्ठ

अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में नीता बा ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि कैसे यह प्रशिक्षण शिफ्ट प्रबंधकों की रणनीतिक सोच को धरातल पर उतारने में मददगार साबित होगा।

अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने अपने संबोधन में भविष्य की औद्योगिक चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए सतत सीखने और कौशल उन्नयन को अनिवार्य बताया। वहीं, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) अजय कुमार ने रेखांकित किया कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में इस तरह की पहल प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाती है। उन्होंने कहा कि शिफ्ट प्रबंधकों की भूमिका संगठन की रणनीतियों को वास्तविक समय में कार्यरूप देने में सबसे महत्वपूर्ण होती है।

परिचालन 2.0 कार्यक्रम के माध्यम से 19 प्रतिभागियों को शिफ्ट स्तर पर लिए जाने वाले निर्णयों को उत्पादकता वृद्धि, लागत दक्षता, गुणवत्ता उत्कृष्टता और डिजिटल परिवर्तन के साथ समन्वित करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन–एल एंड डी) अमित आनंद कर रहे हैं। प्रशिक्षण के सफल संचालन में अनुभाग अधिकारी श्री ऋषिकेश रंजन और प्रशासनिक सहयोगी सिद्धो चरण मुर्मू का विशेष योगदान रहा।

हो समाज की आत्मा और अस्मिता का महापर्व मागे परब

» 8 फरवरी को सेक्टर-8ए सरना स्थल में होगा भव्य आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। हो समाज की संस्कृति, परंपरा और सामूहिक चेतना का प्रतीक मागे परब आगामी रविवार 8 फरवरी को सेक्टर-8ए स्थित सरना स्थल में बोकारो हो समाज समिति के तत्वावधान में श्रद्धा, गर्व और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को ऐतिहासिक और यादगार बनाने को लेकर गुरुवार को आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता समिति अध्यक्ष मुनेश बारी ने की। बैठक में पर्व को सफल, सुव्यवस्थित और हर्षोल्लासपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान अध्यक्ष मुनेश बारी ने कहा कि मागे परब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हो समाज की जड़ों, भाषा और पूर्वजों के सपनों से जुड़ने का जीवंत माध्यम है। यह पर्व हमें प्रकृति, सिंगबोंगा और समाज के साथ सामंजस्य में जीवन जीने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में जब सांस्कृतिक पहचान पर संकट है, तब मागे परब हमें अपनी विरासत को संजोने और आत्मसम्मान के साथ

आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। अध्यक्ष ने विशेष रूप से समाज के युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि युवाओं की सक्रिय सहभागिता ही हमारी संस्कृति का भविष्य है। उन्होंने कहा कि आइए, मागे परब को केवल उत्सव नहीं, बल्कि पहचान बचाने और विरासत सहेजने का आंदोलन बनाएं।समिति के संरक्षक ललित पूर्ति ने मागे परब के दार्शनिक और आध्यात्मिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ईश्वर (षिञवोङ्गा) की इच्छा से प्रथम माता-पिता लुकु- लुकमि की द्वैत शक्ति द्वारा सृष्टि के उद्देश्य को आगे बढ़ाने की भावना ही मागे परब का मूल सार है। आयोजन समिति ने सभी समाजबंधुओं से अपील की है कि वे कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाएं और अपनी सांस्कृतिक पहचान को सशक्त रूप से प्रस्तुत करें। मौके पर समिति के सचिव अनु बिरुली, कोषाध्यक्ष सुखसेन देवगाम, उप कोषाध्यक्ष ब्रजमोहन तुबिद, संरक्षक ललित पूर्ति, संजय पूर्ति, निरंजन कुंकल, कृष्णा गगराई, तिरला चांपिया, दीपक मेलगांडी समेत कई सदस्य उपस्थित रहे। पर्व को सफल बनाने में कार्यकारिणी सदस्य दिकू, माणिक, बीरेंद्र, सीडीयू, बिशु, राजीव, कमल, जगत, सुनीता, लक्ष्मण, सिकन्दर, नाबानंदनेश्वर, रमेश, मिरन सहित कई अन्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

मोहनपुर के समीप बाईक सवार हुआ अनियंत्रित,बाइक सवार की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : रामगढ़ हंसडीहा सड़क मार्ग एवं रामगढ़ थाना क्षेत्र के मोहनपुर पावर हाउस के समीप गुरुवार संध्या करीब चार बजे रामगढ़ की ओर से हंसडीहा की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार से एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ी के पास बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं सुचना पर रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची तथा गंभीर रूप से घायल बाइक सवार को रामगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां चिकित्सक ने बाईक सवार को मृत घोषित कर दिया।

मृतक का नाम रायसीन मुर्मू उर्फ मटरू मुर्मू (55) है जो रामगढ़ थाना क्षेत्र के भालसुमर गांव का रहने वाला बताया जा रहा है।जानकारी के अनुसार मृतक रायसीन उर्फ मटरू मुर्मू गुरुवार को साप्ताहिक हाट रामगढ़ से समान की खरीदारी के बाद बाईक से अपना घर भालसुमर जा रहा था तभी वह हादसा का शिकार हो गया। वहीं इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। खबर लिखे जाने तक पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु दुमका भेजने की तैयारी में जुट गई है।

बोकारो इस्पात संयंत्र में दक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आगाज़

» सेल की विभिन्न इकाइयों के इंजीनियर सीख रहे पीएलसी एस7-400 की बारीकियां

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः वर्किंग टुगेदर ऐज वन सेल पहल को मजबूती देते हुए बोकारो इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम दक्ष की शुरुआत हुई। 05 से 07 फरवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम का मुख्य विषय पीएलसी एस7-400 बेसिक है। इस प्रशिक्षण में भिलाई, दुर्गापुर, इस्को और बोकारो इस्पात संयंत्रों के कुल 20 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिसका उद्देश्य सेल की विभिन्न इकाइयों के तकनीकी कौशल में एकरूपता और दक्षता लाना है। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी और कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) अजय

कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) सुश्री नीता बा और महाप्रबंधक (ईटीएल) श्री हरिहर राउत भी उपस्थित रहे। स्वागत संबोधन के दौरान नीता बा ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस कोर्स को व्यावहारिक बनाने के लिए सिम्युलेटर के माध्यम से 'हैंड्स-ऑन' अभ्यास पर विशेष बल दिया गया है, ताकि प्रतिभागी कार्यस्थल की वास्तविक चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।

अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने अपने संबोधन में परिणाम-आधारित प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण केवल सीखने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका अनुप्रयोग कार्यक्षेत्र में दिखना चाहिए। उन्होंने इसे एक निवेश करार दिया और प्रतिभागियों को सलाह दी कि वे प्रशिक्षण के अंत में स्पष्ट लर्निंग पॉइंट्स तैयार करें, ताकि वे यह पहचान सकें कि उन्होंने क्या सीखा है और उसे संयंत्र के संचालन में कैसे लागू करेंगे। कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) अजय कुमार ने तकनीकी कौशल उन्नयन की निरंतरता पर जोर देते हुए कहा कि ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में इस तरह के तकनीकी सत्र नियमित रूप से आयोजित होने चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि निरंतर सीखने की यह प्रक्रिया संयंत्र के प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का कुशल समन्वय प्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) जय नारायण यादव द्वारा किया जा रहा है।

बैठक मे निर्वाचन की तैयारियों को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करने पर दिया बल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः समाहरणालय सभागार में नगरपालिका (आम) निर्वाचन–2026 के सुचारू, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य निर्वाचन आयोग, झारखंड, रांची द्वारा दुमका नगर परिषद (वर्ग–ख) एवं बासुकीनाथ नगर पंचायत के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक धीरेन्द्र कुमार सिंह एवं रोशन कुमार साह द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन–2026 हेतु गठित विभिन्न कोषांगों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान सामान्य प्रेक्षकों ने कोषांगों द्वारा अब तक किए गए

कार्यों की क्रमवार समीक्षा की

एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी कोषांगों के कार्यों की एक-एक कर समीक्षा करते हुए निर्वाचन की तैयारियों को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करने पर बल दिया।

सामान्य प्रेक्षकों ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त सभी आदेशों एवं निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए,

ताकि नगरपालिका निर्वाचन–2026 का संचालन पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

स्वदेशी से ही भारत बनेगा विश्व की आर्थिक महाशक्ति : मनोज

बोकारो में 10 दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी मेला का भव्य समापन

बोकारोः सेक्टर चार स्थित मजदूर मैदान में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित 10 दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी मेला का गुरुवार को विधिवत समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मंच के राष्ट्रीय परिषद सदस्य मनोज कुमार सिंह ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि स्वदेशी के आधार पर ही भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। उन्होंने कहा कि मंच अपनी स्थापना के समय से ही देश के आर्थिक रोजगार और सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि के लिए कार्य कर रहा है। आज जब विकसित देश विकासशील देशों के संसाधनों पर कब्जा कर रोजगार छीन रहे हैं, ऐसे में यह मेला स्वदेशी आंदोलन के उद्घोष का एक सशक्त माध्यम बना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं अखिल भारतीय पर्यावरण प्रमुख वंदे शंकर सिंह ने स्वदेशी आंदोलन के विस्तार पर चर्चा की, वहीं क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र कुमार सिंह ने बोकारो इस्पात प्रबंधन से अपेक्षित सहयोग न मिल पाने पर अपनी कसक साझा की। समारोह की अध्यक्षता मेला संयोजक अनिल गोयल ने की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा भारत माता, बाबू गेनू, दत्तोपंत ठेंगड़ी और बिरसा मुंडा की तस्वीरों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। इसके उपरांत मेले के दौरान आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में महिला शक्ति की अहम भूमिका रही, जिनमें अनुजा सिंह, अनीता सिंह, मनोरमा चौधरी, पूनम सिन्हा सहित कई अन्य शामिल रहीं। साथ ही जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, कुमार संजय, अजय चौधरी दीपक, अजय कुमार सिंह और दिलीप वर्मा सहित पूरी टीम ने आयोजन के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मंच के पदाधिकारियों ने अंत में संकल्प लिया कि स्वदेशी का यह अभियान केवल मेले तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे जन-जन तक पहुँचाया जाएगा।

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 : बोकारो में सामान्य-व्यय प्रेक्षकों की तैनाती

- **निर्धारित समय पर परिसदन बोकारो में आम नागरिक एवं प्रत्याशी कर सकेंगे मुलाकात**

बोकारो : राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के अंतर्गत चास नगर निगम एवं फुसरो नगर परिषद निर्वाचन क्षेत्रों के लिए सामान्य-व्यय प्रेक्षकों की नियुक्ति की गई है। दोनों सामान्य-व्यय प्रेक्षक बोकारो जिला में आगमन कर चुके हैं तथा उन्होंने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है। निर्वाचन से संबंधित शिकायत, सुझाव अथवा अभ्यावेदन के लिए आम नागरिक, निर्वाचन लड़ रहे प्रत्याशी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि निर्धारित समय पर सामान्य-व्यय प्रेक्षकों से मुलाकात कर सकते हैं।

चास नगर निगम (वर्ग–ख) के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्याम नारायण राम बोकारो परिसदन, नया भवन, कमरा संख्या–02, बी.एस. सिटी में आवासित हैं। उनसे अपराह्न 3:30 बजे से 4:30 बजे तक भेंट की जा सकती है। उनका मोबाइल नंबर 6203110744 है।

फुसरो नगर परिषद (वर्ग–ख) के सामान्य प्रेक्षक सादात अनवर बोकारो परिसदन, नया भवन, कमरा संख्या–03, बी.एस. सिटी में ठहरे हुए हैं। उनसे भी अपराह्न 3:30 बजे से 4:30 बजे तक संपर्क किया जा सकता है। उनका मोबाइल नंबर 6201835825 है।

वहीं, चास नगर निगम (वर्ग–ख) एवं फुसरो नगर परिषद (वर्ग–ख) निर्वाचन क्षेत्र हेतु व्यय प्रेक्षकों की भी नियुक्ति की गई है।

चास नगर निगम (वर्ग–ख) के लिए सुदामा कुमार को व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। वे बोकारो परिसदन, नया भवन, कमरा संख्या–06, बी.एस. सिटी में आवासित हैं। उनसे मिलने का समय अपराह्न 3:30 बजे से 4:30 बजे तक निर्धारित है। उनका मोबाइल नंबर 9931462162 है।

फुसरो नगर परिषद (वर्ग–ख) के लिए विजय कुमार प्रधान को व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। वे बोकारो परिसदन, नया भवन, कमरा संख्या–01, बी.एस. सिटी में ठहरे हुए हैं। उनसे भी अपराह्न 3:30 बजे से 4:30 बजे तक मुलाकात की जा सकती है। उनका मोबाइल नंबर 9931126235 है।

बोकारो थर्मल में 8 को मनाया जाएगा महाशिवरात्रि पर्व

बोकारो थर्मलः प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थानीय शाखा में परमात्मा शिव के दिव्य अवतरण और उनके दिव्य कर्मों की स्मृति में महाशिवरात्रि का पर्व आगामी 8 फरवरी को अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस विशेष धार्मिक आयोजन की जानकारी केंद्र की वरिष्ठ सदस्य डॉ. संगीता रानी और सर्वदेव सिंह ने संयुक्त रूप से साझा की है। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर संस्थान द्वारा आध्यात्मिक प्रवचन, शिव ध्वजारोहण और परमात्मा शिव की महिमा पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। केंद्र के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह पर्व न केवल शिव के अवतरण का प्रतीक है, बल्कि यह स्वयं के भीतर के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाने का संदेश भी देता है। कार्यक्रम में स्थानीय श्रद्धालुओं और संस्थान से जुड़े भाई-बहनों के बड़ी संख्या में शामिल होने की उम्मीद है। प्रशासन और आयोजन समिति की ओर से इस उत्सव को गरिमामय तरीके से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

साहित्य व कला-संस्कृति के क्षेत्र में बोकारो की विशिष्ट पहचानः मणिकांत धान

- **राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में लब्ध-प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने बांधा समां**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः सेक्टर 4 मजदूर मैदान में स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित 24वें इस्पातांचल स्वदेशी मेला के प्रांगण में बुधवार की शाम राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। रश्मिपुंज साहित्यिक संस्थान के तत्वावधान में कलिका क्रियेशन्स द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में तीन राज्यों के कविगण आमंत्रित थे। बोकारो के कवि अरुण पाठक की अध्यक्षता व रायबरेली से पधारे रश्मिपुंज साहित्यिक संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गोविन्द गजब के कुशल संचालन में आयोजित इस कवि सम्मेलन में कवि-कवयित्रियों ने प्रेम, उल्लास, ओज व मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत कविताएं, गीत-गजल सुनाकर श्रोताओं को घंटों बांधे रखा। कवि सम्मेलन की शुरुआत मुख्य अतिथि बोकारो इस्पात संयंत्र के संचार प्रमुख मणिकांत धान, विशिष्ट अतिथि बीएसएल के उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन/राजभाषा) आलोक कुमार व आमंत्रित कवि-कवयित्रियों द्वारा संयुक्तरुप से दीप प्रज्जवलित कर की गई। इस अवसर पर अतिथियों व कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवि-कवयित्रियों को शॉल व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान ने अपने संबोधन में इस आयोजन की सराहना की और कहा कि शिक्षा, साहित्य व कला-संस्कृति के क्षेत्र में बोकारो की विशिष्ट पहचान है। बीएसएल भी साहित्य व कला-संस्कृति के संवर्द्धन में अपना योगदान देता रहा है। विशिष्ट अतिथि आलोक कुमार ने भी साहित्य व कला क्षेत्र की प्रतिभाओं की चर्चा की और इस आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

काव्यपाठ की शुरुआत कवयित्री करुणा कलिका द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई। नालंदा से आयी अनमोल कुमारी ने चूड़ी, कंगन और महावर, बिंदिया कब तक गाऊंगी, नवादा से आये ओंकार कश्यप ने राष्ट्रद्रोहियों गद्दारों का शीश काटना पाप नहीं है, जमशेदपुर से आयी अंकिता सिन्हा ने फिर भी कोई सच कहने की हिम्मत नहीं करता, साहेबगंज से आये मेजर कुमार संजय ने जाने क्यों लोग पी एम बनतें हैं, बोकारो के अभिनव शंकर अनिकुल ने कविता मन के भाव, राँची से आये चंदन प्रजापति ने मौत ने मेरा दिल निकाला और जिंदा छोड़ दिया, पटना से आये रविकिशन ने चुपचाप तड़पने का हुनर सीख रहा हूं, रायबरेली से आये डॉ गोविन्द गजब ने मैं हर रात सुहागन होती, रोज सुबह विधवा हो जाती, करुणा कलिका ने संघर्षो से यारी हमने कर ली है तो कर ली है व कार्यक्रम अध्यक्ष अरुण पाठक ने अपनी रचना मैथिली में होली गीत होली पावनि अछि मनभावन एकरा सभ मिलि संग मनाउ सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही ली। धन्यवाद ज्ञापन स्वदेशी जागरण मंच के कुमार संजय ने किया। कार्यक्रम का संयोजन कलिका क्रियेशन्स की ओनर तथा रश्मिपुंज साहित्यिक संस्थान की महासचिव करुणा कलिका ने तथा सह संयोजन अरुण पाठक ने किया। इस अवसर पर श्रोताओ में प्रभात कुमार, रवि सिन्हा, काजल भलोटिया, समीर स्वरूप गर्ग, पं बच्चनजी महाराज, मनोज उपाध्याय उर्फ सुमनजी, कस्तूरी सिन्हा, नीलिमा प्रसाद, माला, सोनी, पूनम झा, पम्मी, जयंती पाठक, आरफा, समरेश सिंह, बादल महता, चंद्रकान्त मिश्र, नीरज सिंह, रमण चौधरी, अनंत शेखर प्रसाद सिन्हा, प्रमोद कुमार सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंदिर की 12वीं वर्षगांठ पर निकली भव्य कलश यात्रा, अखंड कीर्तन से गूंजा इलाका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मलः स्थानीय निशन हाट स्थित हनुमान-राम-जानकी मंदिर की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर गुरुवार को पूरा क्षेत्र भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। इस खास उपलक्ष्य पर मंदिर कमेटी द्वारा धार्मिक अनुष्ठान, भव्य कलश यात्रा और अखंड कीर्तन का विशेष आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुवार सुबह स्थानीय कोनार नदी से हुई, जहां से सैकड़ों की संख्या में महिलाओं और युवतियों ने पवित्र कलश में जल भरकर अपनी यात्रा शुरू की।

यह कलश यात्रा बोकारो थर्मल की मुख्य सड़कों से गुजरी, जिसमें श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। रास्ते में पंच मंदिर, रेलवे स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर और महावीर मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद यह यात्रा वापस निशन हाट स्थित मुख्य मंदिर पहुंची। कलश यात्रा के समापन के तुरंत बाद मंदिर परिसर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन प्रारंभ कर दिया गया, जिसके सुमधुर भजनों से आसपास का वातावरण आध्यात्मिक हो उठा है।

मंदिर के पुजारी बिजेंद्र मिश्रा ने बताया कि इस धार्मिक अनुष्ठान का समापन शुक्रवार, 6 फरवरी को होगा। इस दिन विशेष हवन-पूजन, पूर्णाहुति और अंत में महाभोग के वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा।

आयोजन को सफल बनाने में मुख्य यजमान राजू सिंह के साथ मंदिर कमेटी के अध्यक्ष संजीत कुमार, सचिव अंजनी दीक्षित, उपाध्या सिंह, अनिल ठाकुर, विजय राय, गणेश राम, सुरेश शर्मा, सोनू और सनातन रक्षा संघ के भूपेन भारत व धीरज शर्मा सहित कई अन्य श्रद्धालु सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

डीएवी सेक्टर-4 में हवन के पावन वातावरण में दसवीं के परीक्षार्थियों का आशीर्वाद समारोह

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : डीएवी सेक्टर-4 के प्रांगण में यज्ञ-हवन की वेदध्वनि और सुवासित वातावरण के बीच दसवीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद एवं शुभाशीष समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक भाव से परिपूर्ण नजर आया।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी अतुल कुमार चौबे तथा कैरियर काउंसलर एवं साइकोग्राफिक समिति रांची के निदेशक विकास कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने परीक्षार्थियों से सीधे संवाद करते हुए परीक्षा के दौरान होने वाले तनाव, शैक्षणिक जिज्ञासाओं और कैरियर से जुड़े प्रश्नों का प्रेरक एवं संतोषजनक समाधान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक और शारीरिक संतुलन बनाए रखने के लिए उपयोगी परामर्श भी दिए।

अतिथियों ने परीक्षार्थियों को आत्मविश्वास, समय प्रबंधन और योजनाबद्ध तैयारी के साथ प्रश्नपत्र हल करने की सलाह दी। इस दौरान डीएवी-4 की पूर्व सत्र की स्टेट टॉपर सुमेधा माहेश्वरी से मिलकर उन्होंने हर्ष व्यक्त किया और अन्य विद्यार्थियों को उससे प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

विद्यालय के प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए धैर्य, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कक्षा दसवीं के सभी विषय शिक्षकों ने भी परीक्षार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बोकारो के गोमिया में हाथियों का खूनी तांडव

- **एक ही परिवार के तीन लोगों को कुचलकर मार डाला, इलाके में दहशत का माहौल**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत बड़की पुन्नू गांव में गुरुवार तड़के हाथियों के एक झुंड ने भीषण तबाही मचाई। पांच हाथियों के इस झुंड ने एक ही परिवार के तीन सदस्यों को बेरहमी से कुचलकर मार डाला, जिनमें पति-पत्नी भी शामिल हैं। इस दर्दनाक हादसे में परिवार का एक अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोमिया ब्लॉक में पिछले एक महीने के भीतर हाथियों के हमले की यह तीसरी बड़ी घटना है, जिससे अब तक कुल पांच लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। ग्रामीणों के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना सुबह करीब 3 बजे की है। पांच हाथियों का झुंड भोजन की तलाश में जंगल से निकलकर बड़की पुन्नू गांव में दाखिल हुआ। चूंकि पीड़ितों का घर जंगल के बिल्कुल मुहाने पर स्थित है, इसलिए हाथियों ने सबसे पहले वहीं धावा बोला। तबाही की आहट सुनकर जब गंगवा करमाली अपनी जान बचाने के लिए घर से बाहर भागने की कोशिश करने लगे, तभी हाथियों ने उन्हें अपनी सूंड में लपेटकर जमीन पर पटक दिया, जिससे उनकी तत्काल मौत हो गई।

पति की चीखें सुनकर जब पत्नी कमली देवी उन्हें बचाने के लिए बाहर निकलीं, तो हाथियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और कुचलकर मार डाला। इसी बीच घर की एक अन्य महिला और गंगवा करमाली की भाभी, भगिया देवी ने भी भागकर जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन एक हाथी ने उन्हें भी अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर ही तीनों के प्राण पखेरू उड़ गए। इस हमले में घर के एक अन्य सदस्य को भी गंभीर चोटें आई हैं।

वन विभाग ने शुरू की मुआवजे की प्रक्रिया, बुलाए जा रहे एक्सपर्ट–घटना की सूचना मिलते ही आईएफएस अधिकारी संदीप शिंदे और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि झुंड में पांच हाथी शामिल हैं, जो पिछले कई दिनों से इस इलाके में डेरा डाले हुए हैं। उन्होंने कहा कि झुंड की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और हाथियों को सुरक्षित तरीके से जंगल में खदेड़ने के लिए बाहर से विशेषज्ञों की एक विशेष टीम बुलाई जा रही है। वन विभाग ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए सरकारी प्रावधानों के तहत मुआवजे की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर दी है। ग्रामीणों में भारी आक्रोश और भय इस घटना के बाद से पूरे बड़की पुन्नू और आसपास के गांवों में भारी दहशत व्याप्त है। ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मांग की है कि हाथियों को स्थाई रूप से घने जंगलों की ओर भेजा जाए और पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

एक फोन पर करें चुनाव में गड़बड़ी की शिकायत, होगी कार्रवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को पूरी तरह स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। इसी कड़ी में जिला स्तर पर एक अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) की स्थापना की गई है, जो वर्तमान में पूरी तरह सक्रिय है। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकना और आदर्श आचार संहिता का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करना है। निर्वाचन की अवधि के दौरान यदि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता है या निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी कोई अन्य समस्या सामने आती है, तो आम नागरिक, चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि अपनी शिकायतें सीधे जिला नियंत्रण कक्ष में दर्ज करा सकते हैं। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि नियंत्रण कक्ष में प्राप्त होने वाली हर छोटी-बड़ी शिकायत पर त्वरित और विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। नागरिकों की सुविधा के लिए प्रशासन ने कई संपर्क नंबर जारी किए हैं। शिकायत दर्ज कराने हेतु जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 8986660333, 06542-242409 और 06542-241000 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति होने पर डायल 112 की सेवा भी ली जा सकती है। जिला प्रशासन ने बोकारो के समस्त मतदाताओं और नागरिकों से अपील की है कि वे लोकतंत्र के इस पर्व को शांतिपूर्ण और पारदर्शी बनाए रखने में अपना बहुमूल्य सहयोग दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अनियमितता की सूचना तत्काल नियंत्रण कक्ष को प्रदान करें।

नगरपालिका को ले डीसी ने किया जिला नियंत्रण कक्ष का औचक निरीक्षण

- **शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई का दिया सख्त निर्देश**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 को पूरी शुचिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने समाहरणालय परिसर में स्थापित जिला नियंत्रण कक्ष का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली का जायजा लिया और इसे निर्वाचन प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए इसके प्रभावी संचालन पर विशेष बल दिया।

उपायुक्त ने मौके पर मौजूद अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी को निर्देश दिया कि समाहरणालय परिसर स्थित इस समेकित नियंत्रण कक्ष को और भी सुव्यवस्थित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन से संबंधित सभी सूचनाओं, शिकायतों और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के कार्यों का निष्पादन बिना किसी देरी के होना चाहिए। डीसी ने नियंत्रण कक्ष में तैनात दंडाधिकारियों और कर्मियों से अब तक प्राप्त शिकायतों के बारे में विस्तार से पूछा और उनके समाधान की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने भविष्य के लिए भी शिकायतों के त्वरित निष्पादन, सही तरीके से अभिलेख संधारण और नियमित मॉनिटरिंग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की बात दोहराते हुए उपायुक्त ने चेतावनी दी कि चुनाव कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों, प्रत्याशियों या राजनीतिक दलों द्वारा जो भी शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं, उन पर त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई करना जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जहां निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और पारदर्शी ढंग से पूरी हो सके।

दुःख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है प्रशासन : डीसी

- **हाथियों के हमले में तीन मौतों से मर्माहत सरकारी तंत्र, गांवों में लगेंगी सोलर लाइटें**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः गोमिया प्रखंड के बड़की पुन्नू में हाथियों के झुंड द्वारा एक ही परिवार के तीन सदस्यों को कुचलकर मार डालने की हृदयविदारक घटना पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि जिला प्रशासन दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि पीड़ित परिवार को नियमानुसार देय मुआवजा, पारिवारिक लाभ और अन्य सभी पात्र सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी विलंब के उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें इस गहरे आघात से उबरने में आर्थिक और मानसिक संबल मिल सके।

घटना की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने अपने कार्यालय कक्ष में जिला वन पदाधिकारी के साथ बैठक कर पूरे घटनाक्रम की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान हाथियों के पारंपरिक विचरण मार्ग, उनकी हालिया गतिविधियों और मानव-हाथी संघर्ष के कारणों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने हाथी प्रभावित पंचायत क्षेत्रों जैसे बड़की पुन्नू, गोपो, कंडेर, ललपनिया और रहावन आदि में सोलर लाइट अधिष्ठापन हेतु तत्काल सर्वे कराकर प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया है। रात के समय रोशनी रहने से ग्रामीणों की आवाजाही सुरक्षित होगी और हाथियों की गतिविधियों की समय रहते पहचान संभव हो सकेगी।

बचाव दल गठित करने सहित कई निर्देश–इसके अतिरिक्त, वन विभाग को विशेष रूप से हाथी बचाव दल गठित करने और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उपायुक्त ने ग्रामीणों को सतर्क करने के लिए एक प्रभावी सूचना प्रणाली विकसित करने और पतझड़ के मौसम में अनाज के सुरक्षित भंडारण पर बल दिया, ताकि हाथियों को गांवों की ओर आकर्षित होने से रोका जा सके। साथ ही जंगल क्षेत्र में हाथियों के लिए प्राकृतिक भोजन की उपलब्धता बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, वन पदाधिकारी संदीप शिंदे और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह उपस्थित थे। उपायुक्त ने अंत में जोर देकर कहा कि जिला प्रशासन, पुलिस और वन विभाग आपसी तालमेल के साथ इस चुनौती का संवेदनशील और दीर्घकालिक समाधान निकालेंगे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

ऊप विकास आयुक्त ने गोविंदपुर आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

धनबादः गुरुवार को गोविंदपुर आंगनबाड़ी केंद्र का उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही इसे मॉडल आंगनवाड़ी के अनुरूप विकसित करने के लिए आवश्यक बिंदुओं की जानकारी ली।

इस दौरान उन्होंने केंद्र में आए बच्चों का अपने सामने वजन कराया। मोबाइल ऐप एवं रजिस्टर में बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं की प्रविष्टियां देखी।

डीवीसी चेयरमैन 27 को करेंगे 134 करोड़ रु. के ओवरब्रिज का उद्घाटन

बोकारो थर्मल को वर्षों के सड़क जाम से मिलेगा स्थाई छुटकारा

बोकारो थर्मलः स्थानीय निवासियों और डीवीसी कामगारों का करीब नौ वर्षों का लंबा इंतजार अब खत्म होने वाला है। बोकारो थर्मल में डीवीसी द्वारा 134 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से निर्मित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का उद्घाटन आगामी 27 फरवरी को डीवीसी के चेयरमैन एस सुरेश कुमार के हाथों किया जाएगा। इस ओवरब्रिज के चालू होते ही प्लांट के कामगारों और आम लोगों को रेलवे फाटक पर लगने वाले घंटों के जाम और बंद फाटक की समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी।

प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति की बात करें तो आरओबी के सभी चार स्पैन की ढलाई का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। अब अंतिम चरण के कार्यों को कंस्ट्रक्शन हेड सह वरीय प्रबंधक (मैकेनिकल) देव प्रसाद खां और प्रबंधक विकास सिंह के नेतृत्व में युद्धस्तर पर संपन्न किया जा रहा है। एक लंबे समय से लंबित इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को पूरा करने का श्रेय एचओपी सुशील कुमार अरजरिया और कंस्ट्रक्शन हेड देव प्रसाद खां की टीम को जाता है, जिन्होंने चेयरमैन के निर्देशों का पालन करते हुए अधूरे कार्यों को गति दी। एचओपी ने स्वयं पिछले कई दिनों से कार्यस्थल पर जाकर प्रगति का नियमित निरीक्षण किया है।

गौरतलब है कि पिछले महज डेढ़ महीने के भीतर रेल लाइन के ऊपर के चार स्पैन पर 20 गार्डर चढ़ाने जैसे चुनौतीपूर्ण कार्य को अंजाम दिया गया। अब साइड वॉल और फिनिशिंग का कार्य अंतिम दौर में है। ओवरब्रिज के शुरू होते ही संध्याकालीन डिग्री कॉलेज के समीप से सड़क को डाइवर्ट कर दिया जाएगा, जिससे यातायात सुगम हो जाएगा। फिलहाल आरओबी अधूरा होने के कारण पावर प्लांट जाने वाले कर्मियों और स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी असुविधा होती थी, लेकिन अब 27 फरवरी से यह मार्ग पूरी तरह आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

दो माह से वेतन को तरस रहे संविदा शिक्षक, विभाग के चक्कर काटने को मजबूर

बोकारो थर्मलः डीवीसी संचालित प्लस टू उच्च विद्यालय और मध्य विद्यालय के 12 संविदा शिक्षकों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। पिछले दो महीनों (दिसंबर और जनवरी) से वेतन का भुगतान नहीं होने के कारण इन शिक्षकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अपनी मांगों को लेकर शिक्षक लगातार एडीएम बिल्डिंग स्थित एचआर विभाग की दौड़ लगा रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है।

वेतन भुगतान की मांग को लेकर शिक्षक एसके झा, ईशा कुमारी, बीडी मिश्रा, कुमारी शोभा पांडेय, विभा सिन्हा, एचके सिंह सहित अन्य सभी 12 शिक्षकों ने संयुक्त हस्ताक्षर युक्त एक मांग पत्र महाप्रबंधक (एचआर) को सौंपा है। शिक्षकों का कहना है कि वर्ष 2023 तक उनके वेतन भुगतान की प्रक्रिया नियमित थी, लेकिन 2024 की शुरुआत से ही व्यवस्था में बदलाव कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि उनका वेतन पेरोल प्रणाली के माध्यम से संसाधित किया जाए ताकि हर महीने समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके।

इसके अलावा, शिक्षकों ने एक महत्वपूर्ण तकनीकी मुद्दे की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने आग्रह किया है कि केवल ग्रीष्मकालीन अवकाश और दुर्गा पूजा की छुट्टियों को ही आधिकारिक अवकाश माना जाए और शेष महीनों के लिए उन्हें पूरे महीने का वेतन दिया जाए। शिक्षकों के अनुसार, यह मांग डीवीसी के विभागीय नियमों और पुराने परिपत्रों के अनुरूप ही है, जिसका पालन पहले होता आ रहा था।

इस पूरे मामले पर स्कूल के प्राचार्य धनंजय कुमार ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा कि स्कूल स्तर से सभी शिक्षकों की उपस्थिति रिपोर्ट समय पर एचआर विभाग को भेज दी जाती है, आगे की कार्रवाई वहीं से लंबित है।

दूसरी ओर, जीएम एचआर एए कुजूर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कहा है कि वेतन रुकने के कारणों की जांच की जा रही है और जल्द ही भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने का प्रयास किया जाएगा।

बीसीसीएल सहित चार कोयला कंपनियों को 183.85 अरब रुपए जमा करने की नोटिस

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः जिला खनन विभाग ने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) मुगमा, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) चासनाला व टाटा स्टील लिमिटेड झरिया डिवीजन को राजस्व वसूली के लिए 183.85 अरब रुपए जमा करने का नोटिस भेजा है। नोटिस की तिथि से 15 दिन के अंदर रकम जमा करने का निर्देश दिया गया है। राशि जमा नहीं करने पर कंपनियों के विरुद्ध सर्टिफिकेट केस दायर किया जाएगा।

इसकी जानकारी देते हुए जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा ने बताया कि उपरोक्त खनन कंपनियों ने निर्धारित अनुमति से अधिक जगह से वर्ष 2000 से 2010 के बीच कोयले का उत्खनन किया। इसमें भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की 46, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल मुगमा) की 8, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) चासनाला की 2 व टाटा स्टील लिमिटेड झरिया डिवीजन की 3 कोलियरियां शामिल हैं।

बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के आलोक में इन कोयला कंपनियों से करीब 183.85 अरब रुपए की वसूली की जाएगी। इसमें बीसीसीएल को चांच विक्टोरिया, गोविंदपुर एरिया, कतरास एरिया, सिजुआ एरिया, बरोरा एरिया, ब्लाक टू एरिया, कुसुंडा एरिया, पीबी एरिया, बस्ताकोला एरिया, लोदना एरिया, ईस्टर्न झरिया तथा वेस्टर्न झरिया की कोलियरी के लिए 17,337.87 करोड़ रुपये का भुगतान करना है। टाटा स्टील लिमिटेड झरिया डिवीजन को 385.19 करोड़ रुपए, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुगमा एरिया को 328.77 करोड़ रुपए तथा स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) चासनाला को 333.42 करोड़ रुपए का भुगतान करना है।

राज्य सरकार ने आदेश जारी कर कोयला कंपनियों से रकम वसूली के लिए जिला खनन पदाधिकारी व सहायक खनन पदाधिकारी को अधिकृत किया है। वहीं खान व भूतत्व विभाग के सचिव अरवा राजकमल ने इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की है। कोयला कंपनियों का पक्ष भी सुना है। दिसंबर तक सुनवाई के बाद अब नोटिस देकर आगे की कार्रवाई की तैयारीयां है।

नगर निकाय चुनावः पीठासीन व मतदान पदाधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के आलोक में धनबाद नगर निगम के 55 वार्ड तथा चिरकुंडा नगर परिषद के 21 वार्ड में होने वाले निर्वाचन के आलोक में आज पीठासीन तथा मतदान पदाधिकारियों को श्रीश्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट (एसएसएलएनटी) महिला महाविद्यालय में प्रशिक्षण दिया गया।

इस दौरान उन्हें मतदान के एक दिन पूर्व तथा मतदान के दिन किए जाने वाले कार्य को विस्तारपूर्वक समझाया गया। मुख्य प्रशिक्षक दिलीप कुमार कर्ण ने बताया कि इस बार मतपत्र तथा मतपेटिका के माध्यम से दो पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। मतदान दल में एक पीठासीन तथा 4 मतदान पदाधिकारी रहेंगे। मतपत्रों में महापौर व अध्यक्ष के किए गुलाबी रंग तथा वार्ड पार्षद व वार्ड सदस्य के लिए सफेद रंग होगा।

वहीं अन्य मास्टर ट्रेनर राज कुमार वर्मा ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान केंद्र की पहचान करने के लिए मतपेटिका पर प्रपत्र 35 अवश्य लगाएं। मतदान समाप्ति के पश्चात सभी मतदान सामग्रियों को संबंधित लिफाफे में ही रखकर कलेक्शन सेंटर पर जमा कराएं।

अन्य मुख्य मास्टर ट्रेनर संजय कुमार, कुमार वंदन, उमेश लाल, बृजभूषण पाण्डेय, देवेश त्रिवेदी, ब्रज किशोर चौबे, संतोष कुमार, उज्ज्वल तिवारी आदि ने विभिन्न कमरों में प्रशिक्षण दिया।

हर गुरुवार पंचायतों में मनाया जा रहा 'महात्मा गांधी नरेगा रोजगार दिवस'

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत प्रत्येक गुरुवार को सभी पंचायतों में "नरेगा रोजगार दिवस" का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, गांवों से हो रहे पलायन को रोकना तथा योजना में पारदर्शिता लाना है। इसके तहत पंचायत स्तर पर रचनात्मक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को योजना की जानकारी दी जा रही है।

कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार के अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है और योजना की उपलब्धियों पर चर्चा की जा रही है। प्रशासन द्वारा प्रत्येक पात्र परिवार को वर्ष में न्यूनतम 100 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, इच्छुक परिवारों को मांग के अनुरूप 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

नरेगा रोजगार दिवस के अवसर पर सक्रिय मजदूरों की पहचान कर उनका आधार लिंक e-KYC कराया जा रहा है, जिससे भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी और सुचारु बनाया जा सके। इसके अलावा महिलाओं एवं वंचित वर्ग के परिवारों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि उन्हें भी आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

कार्यक्रम के तहत 100 दिन कार्य करने वाले उत्कृष्ट श्रमिकों को सम्मानित किया जाता है, जिससे अन्य मजदूरों को भी प्रेरणा मिल सके। प्रशासन का कहना है कि इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं, लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है और पलायन में लगातार कमी आ रही है।

'धनबाद जनमत-नागरिक घोषणापत्र' अभियान की रवि बुंदेला ने की शुरुआत, जनता से सीधे सुझाव देने की अपील

» चुनाव केवल वोट मांगने का अवसर नहीं, बल्कि जनता की बात सुनने और उनके विश्वास को समझने का समय होता हैः रवि बुंदेला

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद नगर निगम के मेयर प्रत्याशी रवि बुंदेला ने शहर के समग्र और जन-केंद्रित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'धनबाद जनमत-नागरिक घोषणापत्र' अभियान की शुरुआत की है।

इस पहल का उद्देश्य धनबाद की जनता को सीधे तौर पर विकास की प्रक्रिया में भागीदार बनाना है, ताकि शहर की नीतियाँ और योजनाएँ आम नागरिकों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप तैयार की जा सकें।

इस अभियान के तहत शहर के विभिन्न वार्डों, मोहल्लों और बस्तियों में रहने वाले नागरिक अपनी समस्याएँ, सुझाव और अनुभव खुलकर साझा कर सकेंगे।

अभियान के माध्यम से पानी, सड़क, सफाई, सुरक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सहित शहर से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को चिन्हित कर एक जन-आधारित घोषणापत्र तैयार किया जाएगा।

इस अवसर पर रवि बुंदेला ने कहा कि चुनाव केवल वोट मांगने का अवसर नहीं, बल्कि जनता की बात सुनने और उनके विश्वास को समझने का समय होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र किसी एक व्यक्ति या समूह का नहीं, बल्कि धनबाद की जनता का घोषणापत्र होगा, जो शहर के भविष्य की दिशा तय करेगा।

रवि बुंदेला ने धनबाद के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे इस जन-अभियान से जुड़ें और अपने क्षेत्र की समस्याओं एवं सुझावों को साझा कर बदलाव की इस मुहिम को मजबूत बनाएं। उन्होंने बताया कि नागरिकों के सुझाव ऑनलाइन माध्यम और व्हाट्सएप के जरिए भी प्राप्त किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने विश्वास जताया कि जब जनता स्वयं विकास की रूपरेखा तैयार करेगी, तभी धनबाद को स्वच्छ, सुरक्षित, आधुनिक और समृद्ध शहर बनाया जा सकेगा।

रवि बुंदेला ने कहा कि यह अभियान केवल एक राजनीतिक पहल नहीं, बल्कि धनबाद के भविष्य को जनता के हाथों से लिखने का एक प्रयास है। उन्होंने शहरवासियों से इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनने और बदलाव की इस यात्रा में सहभागी बनने की अपील की।

तालाबों के सौंदर्यीकरण कार्य का डीडीसी ने लिया जायजा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने गुरुवार को गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में डीएमएफटी मद से संचालित दो तालाबों के सौंदर्यीकरण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान रिजलीबंध में कार्य की प्रगति धीमी पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराज़गी व्यक्त की। संबंधित एजेंसी को कार्य में तेजी लाकर शीघ्र पूर्ण करने के आवश्यक निर्देश दिए।

इसके साथ ही उप विकास आयुक्त ने बरवाटांड़ पंचायत में निर्माणाधीन तालाब कार्य का निरीक्षण किया। स्वीकृत प्रावधानों के अनुरूप कार्य को शीघ्र पूर्ण कर हस्तांतरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

भ्रमण के अगले चरण में नवाटांड़ पंचायत में प्रस्तावित मॉडल स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी सेविका को पोषण ट्रैकर नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश दिए। वहीं विद्यालय परिसर में साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा प्रभारी प्रधानाचार्य से विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की।

इसके अतिरिक्त उन्होंने गोरटोपा पंचायत स्थित गोविंदपुर किसान साथी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का भ्रमण कर किसानों को हरसंभव सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिया।

नगर निकाय चुनावः महापौर पद के तीन प्रत्याशियों का स्क्रुटनी के बाद नामांकन रद्द

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः बृहस्पतिवार को नगर निकाय चुनाव में धनबाद नगर निगम के महापौर के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की स्क्रुटनी निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार, सहायक निर्वाची पदाधिकारी बाल किशोर महतो तथा सहायक निर्वाची पदाधिकारी विशाल कुमार पांडेय ने सामान्य प्रेक्षक रोबिन टोप्पो के नेतृत्व में की।

स्क्रुटनी के बाद अखिलेश्वर महतो, डॉ.सुशील कुमार एवं पुष्पा कुमारी का नामांकन रद्द किया गया।

महापौर के लिए 33 प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। स्क्रुटनी के बाद अमित कुमार अग्रवाल, आकाश दुसाध, इंदु देवी, उमेश पासवान, कुसुम देवी, चंद्रशेखर अग्रवाल, जावेद इकबाल, दिलीप कुमार, दीनानाथ ठाकुर, नवल किशोर पासवान, नीलम मिश्रा, मो.परवेज खान, प्रकाश कुमार, बिनोद कुमार सिंह, भृगु नाथ भगत, मुकेश कुमार पांडेय, योगेंद्र प्रधान, रवि चौधरी, रवि बुंदेला, राजकुमार कनौजिया, राम विनय सिंह, राहुल कुमार चौहान, मो.रुस्तम अंसारी, लक्ष्मी देवी, शमशेर आलम अंसारी, शांतनु कुमार चंद्रा, शिल्पी शर्मा, संजीव कुमार, संजीव सिंह तथा केसी सिंहराज सहित 30 प्रत्याशियों का नामांकन पत्र सही पाया गया।

शुक्रवार दिनांक 6 फरवरी 2026 को नाम वापस लेने की तिथि तथा 7 फरवरी को प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रतीक आवंटित किया जाएगा। वहीं 23 फरवरी को सुबह 7:00 बजे से संध्या 5:00 बजे तक मतदान होगा तथा 27 फरवरी 2026 को सुबह 8:00 बजे से मतों की गिनती की जाएगी।

भाजपा कोर कमेटी की हुई बैठक, मेयर प्रत्याशी की जीत की बनाई रणनीति

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः गुरुवार को नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा कोर कमेटी की बैठक जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष श्रवण राय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में चुनाव प्रभारी अमर बाउरी, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, सिंदरी विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहीं तारा देवी तथा चुनाव के संयोजक एवं पूर्व जिला अध्यक्ष हरिप्रकाश लाटा उपस्थित रहे।

बैठक में नगर निगम चुनाव की तैयारियों के निमित्त चुनाव प्रबंधन समिति, सभी विधानसभा स्तरीय बैठक आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई एवं आवश्यक रणनीति बनाई गई। संगठनात्मक मजबूती, चुनावी रणनीति एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी मंडलों एवं मोर्चों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा अधिक से अधिक जनसमर्थन जुटाने का निर्देश दिया गया।

प्रभारी अमर बाउरी ने कहा कि नगर निगम चुनाव को लेकर पार्टी का शीर्ष नेतृत्व पूरी तरह गंभीर है। पार्टी धनबाद नगर निगम में विकास, सुशासन और पारदर्शिता के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी और पूर्ण बहुमत से विजय प्राप्त करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन, समर्पण और एकजुटता के साथ चुनावी अभियान को गति देने का आह्वान किया। शुक्रवार को धनबाद विधानसभा, झरिया विधानसभा, बाघमारा विधानसभा, सिंदरी विधानसभा की बैठक निश्चित की गई है।

भाजपा समर्थित महापौर पद के प्रत्याशी संजीव कुमार ने कहा कि, पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की मेहनत, समर्पण और एकजुटता से हम निश्चित रूप से धनबाद नगर निगम में भाजपा की ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करेंगे और धनबाद को एक आदर्श नगर निगम बनाने की दिशा में ठोस कार्य करेंगे।

मौके पर कोर कमेटी के धर्मजीत सिंह,मानस प्रसून, धनेश्वर महतो, शेखर सिंह, बीरेंद्र हांसदा, जिला मंत्री सह मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, राजकिशोर जैना, नरेंद्र त्रिवेदी, रवि सिन्हा, पुरुषोत्तम रंजन, नित्यानंद मंडल, मनोज मिश्रा, अभिमन्यु कुमार, कपिलदेव पासवान,अजय दास, संजय झा, नितिन भट्ट, मिल्टन पार्थसार्थी आदि उपस्थित थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट की चौखट पर टूटी सालों की दूरी, पिता–पुत्र फिर साथ

पाकुड़ः पाकुड़ व्यवहार न्यायालय स्थित प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय में बुधवार को एक भावुक दृश्य देखने को मिला, जब वर्षों से चले आ रहे पिता–पुत्र के पारिवारिक विवाद का सुखद अंत हुआ। बुजुर्ग पिता हज़ीकुल अब्दुल गनी मियां और उनके पुत्र इसराइल अंसारी ने आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाया और साथ रहने का संकल्प लिया।मामला मूल भरण-पोषण वाद संख्या 297/2025 से संबंधित था। पत्नी के निधन के बाद बुजुर्ग पिता भरण-पोषण और इलाज को लेकर गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे थे। पारिवारिक विवाद के कारण पिता और पुत्र के बीच लंबे समय से दूरी बनी हुई थी।प्रधान न्यायाधीश रजनीकांत पाठक द्वारा की गई लगातार काउंसलिंग, समझाइश और संवेदनशील पहल के बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने का निर्णय लिया। न्यायाधीश ने दोनों को भविष्य में प्रेम, सम्मान और आपसी सहयोग के साथ जीवन बिताने की सीख दी तथा किसी भी प्रकार के विवाद से बचने की अपील की।समझौते के बाद बुजुर्ग पिता को पुनः बेटे का सहारा मिल गया, जिससे न्यायालय परिसर में मौजूद लोग भी भावुक हो उठे। यह मानवीय पहल 'मेडिएशन फॉर द नेशन 2.0' अभियान के तहत नालसा (नई दिल्ली) एवं झालसा (रांची) के निर्देश पर संचालित की जा रही है।अभियान का संचालन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडे के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव रूपा बंदना किरो की देखरेख में किया जा रहा है।

अध्यक्ष पद के नामांकन पत्रों की जांच पूरी, साहिबगंज नगर पालिका चुनाव की तस्वीर साफ

साहिबगंज : नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत साहिबगंज नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए दाखिल किए गए नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी गुरुवार को निर्वाचन कार्यालय में शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। निर्वाचन पदाधिकारी और संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में सभी प्रत्याशियों के दस्तावेजों, शपथ पत्रों और आवश्यक कागजातों की गहन जांच की गई।

स्क्रूटनी प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया गया, ताकि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित किया जा सके। निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों की अंतिम सूची शीघ्र जारी की जाएगी। इसके बाद नाम वापसी की प्रक्रिया होगी, जिससे चुनावी मुकाबले की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

नामांकन जांच पूरी होते ही चुनाव प्रचार में तेजी आने की संभावना है। प्रत्याशी अब वार्डों और मोहल्लों में जनसंपर्क अभियान तेज करेंगे। शहर में चुनाव को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है।

स्थानीय मतदाताओं में भी चुनाव को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। लोग नगर विकास, साफ-सफाई, सड़क, पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के मुद्दे पर प्रत्याशियों से उम्मीदें लगाए बैठे हैं। प्रशासन ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की बात कही है।

एसडीपीओ किशोर तिर्की ने अनुमंडल कार्यालय में की अपराध समीक्षा बैठक, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

साहिबगंज : अनुमंडल क्षेत्र में बढ़ते अपराध पर प्रभावी नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से एसडीपीओ किशोर तिर्की ने अनुमंडल कार्यालय परिसर में एक महत्वपूर्ण अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान एसडीपीओ किशोर तिर्की ने बीते दिनों घटित आपराधिक घटनाओं की विस्तार से समीक्षा की तथा लंबित मामलों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने और फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

एसडीपीओ ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए नियमित गश्ती, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया।

उन्होंने आगामी त्योहारों और चुनावी माहौल को देखते हुए सतर्कता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही आम जनता से बेहतर समन्वय स्थापित कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया।

बैठक में साइबर अपराध, अवैध शराब कारोबार, नशा तस्करी, चोरी एवं लूट जैसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

ग्रेजुएट सबरी, वकालत पढ़ी सीमा और नौवीं पास संपा मैदान में, किसके सिर सजेगा नगर परिषद का ताज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सबरी पाल, उम्मीदवार

सीमा सोनी भगत, उम्मीदवार

संपा साह,उम्मीदवार

मो० काजीरुल शेख : पाकुड़ः नगर परिषद अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर पाकुड़ की सियासत गरमा गई है। इस बार मुकाबला जबरदस्त हो गया है, जहां भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़ रहीं सबरी पाल, वार्ड नंबर 5 की लोकप्रिय पार्षद सीमा सोनी भगत और भाजपा समर्थित एवं निवर्तमान नगर अध्यक्ष संपा शाहा समेत कुल 10 अभ्यर्थी मैदान में हैं। अगर तीनों की बात की जाए तो तीनों महिला उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है।

सबरी पालः मुद्दों पर बेबाक, बदलाव का दावा-वार्ड नंबर 18 की रहने वाली पढ़ी-लिखी ग्रेजुएट महिला सबरी पाल को भाजपा का एक मजबूत दावेदार माना जा रहा था, लेकिन पार्टी ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए निवर्तमान अध्यक्ष पर ही भरोसा जताया। इसके बाद सबरी पाल ने बागी होकर चुनाव लड़ने का फैसला किया।नामांकन के बाद उन्होंने नगर परिषद और निवर्तमान अध्यक्ष पर सीधा हमला बोला। कहा कि पिछले 12 वर्षों से पाकुड़ शहरवासी गंगाजल के लिए तरस रहे हैं, जलापूर्ति योजना मजाक बनकर रह गई है।उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता हर घर नल से जल, शहर को जाम-मुक्त बनाना और स्वच्छ-स्वस्थ पाकुड़ बनाना है। दूसरी प्राथमिकता में गरीबों को आवास, दिव्यांग, विधवा और वृद्धजनों को नियमित पेंशन दिलाना शामिल है।सबरी पाल ने कहा, "जनता मुझ पर एक बार विश्वास करे, मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, यह मेरा वादा है।

सीमा सोनी भगतः विकास के दम पर चुनावी मैदान में-वार्ड नंबर 5 की निवर्तमान पार्षद सीमा सोनी भगत भी नगर अध्यक्ष पद की रेस में हैं। तेज-तर्रार और जुझारू छवि वाली सीमा सोनी भगत रिकॉर्ड मतों से वार्ड पार्षद चुनी गई थीं।वकालत की पढ़ाई पूरी कर चुकी सीमा सोनी भगत को एक कर्मठ महिला के रूप में जाना जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक घरेलू महिला होते हुए भी उन्होंने घर से बिजनेस शुरू किया और सफलता हासिल की।वार्डवासियों का दावा है कि उनके क्षेत्र में साफ-सफाई और विकास के कई ठोस काम हुए हैं, इसी वजह से उन्हें पूरा समर्थन मिल रहा है।

संपा शाहाः अनुभव के सहारे फिर मैदान में-वहीं भाजपा समर्थित उम्मीदवार और निवर्तमान नगर अध्यक्ष संपा शाहा भी इस रेस में हैं। उन्होंने भी नामांकन दाखिल किया है। अपने कार्यकाल को गिनाते हुए संपा शाहा ने कहा कि उन्होंने सड़क, नाली और मूलभूत सुविधाओं को लोगों तक पहुंचाया। गंगाजल योजना को लेकर उन्होंने कहा कि प्रयास अधूरा जरूर है, लेकिन जीत के बाद हर घर नल से जल पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी।साथ ही उन्होंने पाकुड़ को जाम की समस्या से निजात दिलाने का भी दावा किया।नगर अध्यक्ष पद के लिए तीन महिला उम्मीदवारों के मैदान में उतरने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है। अब देखना होगा कि जनता किसे पाकुड़ शहर की कमान सौंपती है।

पातोबांध में बाल विवाह मुक्त ग्राम के लिए विशेष ग्राम सभा, ग्रामीणों ने ली सामूहिक शपथ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : रामगढ़ प्रखंड की लखनपुर पंचायत अंतर्गत पातोबांध गांव में गुरुवार को बाल विवाह मुक्त ग्राम के निर्माण के उद्देश्य से विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा की अध्यक्षता ग्राम प्रधान देवेंद्र हेंब्रम और मुखिया प्रतिनिधि जुगलाल सोरेन ने की। इसमें पंचायत के वार्ड सदस्य, स्वास्थ्य, पोषण व शिक्षा से जुड़े कर्मी, पारंपरिक ग्राम पदाधिकारी, विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

सभा में ANM सबीना टुडू, सहिया सुरुजमुनि मरांडी, पोषण सखी, आंगनबाड़ी सहायिका, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुमित सिन्हा, राम मुर्मू, नेमोहर मड़ैया, सुलेमान हेंब्रम सहित अन्य की सक्रिय भागीदारी रही। पिरामल फाउंडेशन के गांधी फेलो अरुण कुमार ने बाल विवाह से होने वाले सामाजिक, शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों पर जानकारी दी और इसे बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया।

प्रधानाध्यापक सुमित सिन्हा ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के कानूनी प्रावधानों व दंड की जानकारी दी, जबकि सबीना टुडू ने किशोरियों के स्वास्थ्य पर इसके दुष्प्रभावों को रेखांकित किया। ग्राम प्रधान ने स्थानीय भाषा में विषयों को स्पष्ट किया और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी दी।

सभा के अंत में सभी ग्रामीणों ने पातोबांध को बाल विवाह मुक्त ग्राम बनाने की सामूहिक शपथ ली।

नगरपालिका निर्वाचन–2026 को लेकर गठित विभिन्न कोषांगों के साथ बैठक आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में नगरपालिका (आम) निर्वाचन–2026 को लेकर गठित विभिन्न कोषांगों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त ने सभी कोषांगों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त ने कहा कि यदि किसी भी कोषांग को अतिरिक्त मानव संसाधन की आवश्यकता हो तो उसकी मांग समय पर सुनिश्चित करें। उन्होंने मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रशिक्षण में अनुपस्थित पाए जाने वाले कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाए।साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मतपेटिका खोलने एवं बंद करने की प्रक्रिया की समुचित जानकारी देने का भी निर्देश दिया गया।बैठक में जानकारी दी गई कि नगरपालिका निर्वाचन–2026 के तहत पहला रेंडमाइजेशन 9 फरवरी, दूसरा रेंडमाइजेशन 11 फरवरी तथा तीसरा रेंडमाइजेशन 21 फरवरी 2026 को निर्धारित है।

बताया कि एसएसटी (Static Surveillance Team) कार्यरत है।सभी संबंधित कोषांगों को निर्देश दिया गया कि आवश्यक सामग्री की मांग समय रहते कर लें। वाहन कोषांग वाहनों की आवश्यकता का आकलन करने का निर्देश दिया गया।उन्होंने संबंधित कोषांगों को प्रत्याशियों के चुनावी खर्च पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। वहीं मीडिया सेल को पेड न्यूज एवं अन्य प्रचार-प्रसार पर होने वाले खर्च की निगरानी करने को कहा गया।बैठक में यह भी बताया गया कि दुमका जिले में नगरपालिका निर्वाचन–2026 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर आदर्श आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। इस क्रम में आम नागरिकों को सूचित किया गया कि चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन अथवा अन्य चुनावी अनियमितताओं की जानकारी जिला नियंत्रण कक्ष को दी जा सकती है।आम नागरिकों की सुविधा हेतु जिला नियंत्रण कक्ष में हेल्पलाइन, जनशिकायत एवं नियंत्रण कोषांग की स्थापना की गई है। नागरिक चुनाव से संबंधित अपनी शिकायतें अथवा सूचनाएं 9508250080 हेल्पलाइन नंबर पर दर्ज करा सकते हैं।

दीप प्रज्वलन के साथ संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ, उपायुक्त ने दिलाई कार्य-प्रतिबद्धता की शपथ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः समाहरणालय सभागार में दीप प्रज्वलन के साथ संपूर्णता अभियान 2.0 का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत बेहतर, प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी ढंग से कार्य करने की शपथ दिलाई।शपथ के माध्यम से सभी विभागों ने यह संकल्प लिया कि अभियान के अंतर्गत निर्धारित सभी इंडिकेटरों को प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समन्वय के साथ कार्य किया जाएगा।शपथ कार्यक्रम के उपरांत उपायुक्त ने हस्ताक्षर अभियान की विधिवत शुरुआत की तथा अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए सेल्फी लेकर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों का उत्साहवर्धन किया।उपायुक्त ने कहा कि संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत रामगढ़ एवं जरमुंडी प्रखंड को आकांक्षी प्रखंड के रूप में चयनित किया गया है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि अभियान के अंतर्गत निर्धारित सभी इंडिकेटरों पर अपने-अपने स्तर से गंभीरता से कार्य करते हुए लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करें।स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े इंडिकेटर 'जीवित जन्म लेने वाले शिशुओं का जन्म के समय वजन किए जाने का अनुपात' पर विशेष बल देते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले में जन्म लेने वाले प्रत्येक जीवित शिशु का जन्म के तुरंत बाद अनिवार्य रूप से वजन किया जाए तथा उसका विवरण एमसीपी कार्ड, रजिस्टर एवं पोर्टल पर दर्ज किया जाए, ताकि कम जन्म वजन वाले शिशुओं की समय पर पहचान सुनिश्चित हो सके।इसके साथ ही इंडिकेटरों के तहत पशु टीकाकरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने रामगढ़ एवं जरमुंडी आकांक्षी प्रखंड के लिए स्पष्ट एक्शन प्लान तैयार कर कार्य करने का निर्देश दिया तथा जिले के सभी 10 प्रखंडों में मिशन मोड में टीकाकरण अभियान संचालित करने को कहा।उन्होंने 1962 मोबाइल वैन के प्रभावी संचालन हेतु रोड मैप तैयार कर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने, VHND (Village Health and Nutrition Day) का 100 प्रतिशत आयोजन करने तथा ADP एवं ABP के अंतर्गत सभी इंडिकेटर को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए संपूर्णता अभियान 2.0 को सफल बनाने और इसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का आह्वान किया।इस दौरान उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन सहित संबंधित विभाग के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

भुटभुटिया की टक्कर से कोयला लदे बाइक सवार की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र के कर्बला गांव स्थित रॉयल भट्टा रोड के समीप गुरुवार अहले सुबह एक सड़क हादसे में कोयला लदे बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना सुबह करीब 4:30 बजे की बताई जा रही है। हादसा कैसे हुआ, इसका स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह तेज आवाज सुनकर ग्रामीण बाहर निकले तो सड़क किनारे खेत में एक युवक कोयले से लदी बाइक के नीचे दबा हुआ मिला। ग्रामीणों ने उसे बाहर निकालकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के कारण युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद घटना की सूचना राजमहल थाना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, राजमहल भेज दिया। मृतक की पहचान 31 वर्षीय मनोज मंडल के रूप में हुई है, जो गोड्डा जिले के बोआईरिजोर थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा डोरमा तलबड़िया गांव का निवासी था।

घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया आशंका है कि कोयला लदे होने के कारण बाइक असंतुलित हुई होगी। परिजनों के आवेदन के आधार पर आगे की जांच की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बल्लभपुर–फारसा सड़क बदहाल, जिप सदस्य हाजेंला ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

» मरम्मत नहीं हुई तो होगा आंदोलनः हाजेंला

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ः पाकुड़ सदर प्रखंड अंतर्गत बल्लभपुर और फारसा के बीच स्थित मुख्य सड़क की स्थिति इन दिनों अत्यंत जर्जर हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो चुके हैं और कई हिस्सों में सड़क पूरी तरह टूट चुकी है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग से प्रतिदिन स्कूली बच्चे, किसान, मजदूर एवं स्थानीय नागरिक आवाजाही करते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।इस समस्या को लेकर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने गंभीर चिंता जताई है। एसडीपीआई के प्रदेश अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य मोहम्मद हंजेला शेख हाल ही में इस मार्ग से होकर गुजरे, जहां उन्होंने सड़क की भयावह स्थिति को प्रत्यक्ष रूप से देखा। उन्होंने इसे प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताया।मोहम्मद हंजेला शेख ने कहा कि बल्लभपुर–फारसा सड़क क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके बावजूद लंबे समय से सड़क की मरम्मत नहीं किया जाना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने संबंधित विभाग और जिला प्रशासन से सड़क की तत्काल मरम्मत कराने और स्थायी समाधान के तहत पुनर्निर्माण की मांग की।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो एसडीपीआई जनहित में आंदोलन करने को बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। पार्टी ने स्पष्ट किया कि जनता की सुरक्षा और सुविधा को लेकर वह हर स्तर पर आवाज उठाती रहेगी।

नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह–उपायुक्त ने डिस्पैच सेंटर एवं स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः नगरपालिका (आम) निर्वाचन- 2026 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह–उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने डिस्पैच सेंटर एवं स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्वाचन से संबंधित तैयारियों का गहनता से जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।नगरपालिका (आम) निर्वाचन- 2026 के लिए इंडोर स्टेडियम, दुमका को डिस्पैच सेंटर के रूप में तथा दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज को स्ट्रांग रूम के रूप में चिन्हित किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने इन स्थलों पर उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं लॉजिस्टिक तैयारियों की समीक्षा की।उन्होंने निर्देश दिया कि बासुकीनाथ नगर पंचायत के मतदान कर्मियों के लिए वाहन आयुक्त कार्यालय परिसर से तथा दुमका नगर परिषद के मतदान कर्मियों के लिए वाहन गांधी मैदान से उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी वाहनों की समयबद्ध उपलब्धता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया।स्ट्रांग रूम निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह–उपायुक्त ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से कई आवश्यक निदेश दिए। उन्होंने बैरिकेडिंग की सुदृढ़ व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास नियंत्रण, सीसीटीवी निगरानी, मतगणना से जुड़े कर्मियों के बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, शौचालय सुविधा एवं मीडिया सेंटर की स्थापना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इस क्रम में उन्होंने मत पेटिकाओं का भी अवलोकन किया तथा उनके सुरक्षित रख-रखाव एवं मानकों के अनुरूप भंडारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में पारदर्शिता, सुरक्षा एवं समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह–उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके।निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक,उप विकास आयुक्त,जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

रणनीतिक शक्ति अभाव का शिकार

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बरक्स राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। साल 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने माना है कि भारतीय रुपया बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रणनीतिक शक्ति के अभाव का शिकार बना है। 2025 में रुपये की तुलना में डॉलर छह प्रतिशत महंगा हुआ। ऐसा उस समय हुआ, जब खुद डॉलर का भाव प्रमुख मुद्राओं (यूरो, येन, स्विस फ्रैंक आदि) के बास्केट की तुलना में करीब 11 फीसदी गिरा। केंद्र के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में व्यापार लाभ और विदेश स्थित भारतीयों की तरफ से कमा कर भेजी गई रकम रुपये को सहारा देने में नाकाफी साबित हुए हैं। ये चालू खाता के घाटे की भरपाई नहीं कर पाए। जो देश ऐसे घाटे में हैं, उनकी मुद्राओं की कमजोरी खासकर भू-राजनीतिक बदलाव के दौर अधिक उभर कर सामने आई है। दूसरी तरफ जिन देशों ने मैनुफैक्चरिंग का मजबूत आधार तैयार किया, उनकी मुद्राएं स्थिर और मजबूत बनी हुई हैं। मगर इस बिंदु पर भारत की मौजूदा कमजोरी का ठोस जायजा पेश करने के बजाय रिपोर्ट अतीत की आड़ लेती मालूम पड़ी है। कहा है कि मैनुफैक्चरिंग में मजबूत देशों ने इसका आधार तब तैयार किया, जब परिस्थितियां अनुकूल थीं। यह मुद्दा प्रासंगिक है कि उस दौर में भारत ऐसा आधार तैयार करने से क्यों चूक गया। मगर यह प्रश्न भी उतना ही उचित है कि क्या उसका रोना रोते रहना समाधान है? यह अच्छी बात है कि रिपोर्ट में सरकार की भूमिका पर जोर दिया गया है। कहा गया है कि मौजूदा सवालों का जवाब ढूंढने के लिए राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को उसमें बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। जिन भू-राजनीतिक बदलावों की बात की गई है, वे अब ठोस शक्ल ले रही हैं। मगर ऐसा होने के संकेत कई वर्षों से मिल रहे थे।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौताः मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

ललित गर्ग

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां "देर आए, दुरुस्त आए" की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया। 50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और "मेक इन इंडिया" को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को "निरंतर धैर्य का परिणाम" बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाज़ी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका। यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दर्शाता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय वपिक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। भारत ने धैर्य रखा, आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।

संसद के मकर द्वार पर गुस्से का विस्फोट और राजनीति की मर्यादा पर उठते सवाल

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

संसद लोकतंत्र का सबसे ऊँचा मंच है, लेकिन 4 फरवरी को इसी संसद के मकर द्वार पर जो हुआ, उसने यह सवाल खड़ा कर दिया कि क्या भारतीय राजनीति में अब संयम और शिष्टाचार पीछे छूटते जा रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच हुई तीखी नोकझोंक सिर्फ दो नेताओं की व्यक्तिगत नाराज़गी नहीं थी, बल्कि यह उस राजनीतिक तनाव की अभिव्यक्ति थी, जो पिछले कुछ वर्षों से अंदर ही अंदर पक रहा था। घटना उस समय की है जब बजट सत्र के दौरान कांग्रेस सांसद तख्तियाँ लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। राहुल गांधी खुद इस प्रदर्शन में मौजूद थे। इसी दौरान सामने से केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू आते दिखे। राहुल गांधी ने उन्हें देखते ही बिना किसी भूमिका के तीखे शब्द कह दिए ये गद्दार जा रहा है, जरा इसका चेहरा देखो। यह टिप्पणी वहीं खड़े कांग्रेस सांसदों के बीच ठहाकों के साथ गूंज गई। इसके बाद राहुल गांधी ने हाथ बढ़ाते हुए कहा, हेलो ब्रो... मेरे गद्दार दोस्त... चिंता मत करो... तुम वापस आ जाओगे।

यह कोई मंचीय भाषण नहीं था, न ही कोई लिखी हुई टिप्पणी। यह क्षणिक गुस्से से निकली प्रतिक्रिया थी। लेकिन राजनीति में कई बार यही क्षणिक प्रतिक्रियाएं सबसे भारी पड़ जाती हैं। बिट्टू ने राहुल गांधी का हाथ नहीं पकड़ा। उन्होंने पलटकर कहा, देश के दुश्मन के साथ मैं हाथ नहीं मिलाता, और सीधे संसद के भीतर चले गए।यहीं से यह मामला शब्दों की लड़ाई से निकलकर राष्ट्रीय राजनीतिक बहस बन गया।रवनीत सिंह बिट्टू कोई साधारण नेता नहीं हैं। वे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं, जिनकी 1995 में आतंकवादियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। बिट्टू ने 2009 में कांग्रेस के टिकट पर पहली बार लोकसभा चुनाव जीता। इसके बाद 2014 और 2019 में भी वे सांसद बने। कुल मिलाकर उन्होंने 15 साल तक कांग्रेस का प्रतिनिधित्व संसद में किया। लेकिन 2024 के आम चुनाव से ठीक पहले उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए।2024 के चुनाव में बिट्टू लुधियाना सीट से भाजपा के उम्मीदवार थे। उन्हें कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से करीब 20 हजार वोटों से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद भाजपा ने उन्हें राज्यसभा भेजा और केंद्र सरकार में मंत्री बनाया। यहीं से राहुल गांधी और बिट्टू के रिश्तों में तल्खी खुलकर सामने आने लगी।

राहुल गांधी के गद्दार शब्द ने इसलिए ज्यादा विवाद खड़ा किया, क्योंकि भारतीय राजनीति में यह शब्द सिर्फ दल बदलने तक सीमित नहीं माना जाता। यह शब्द देश, संविधान और जनता के साथ विश्वासघात से जोड़कर देखा जाता है। यही कारण है कि भाजपा नेताओं ने इसे केवल राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक हमला बताया।भाजपा नेताओं का तर्क है कि एक सिख नेता, जिसके परिवार ने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में बलिदान दिया, उसे सार्वजनिक रूप से गद्दार कहना असंवेदनशील है। दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह टिप्पणी राजनीतिक संदर्भ में थी और पार्टी छोड़कर जाने वालों पर राहुल गांधी पहले भी तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते रहे हैं।यह पहला मौका नहीं है जब बिट्टू ने राहुल गांधी को देश का दुश्मन कहा हो। इससे पहले अमेरिका में दिए गए राहुल गांधी के एक बयान को लेकर बिट्टू ने सार्वजनिक रूप से उन्हें भारत का सबसे बड़ा दुश्मन तक कहा था। राहुल गांधी ने उस बयान में सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठाया था, जिसे भाजपा और बिट्टू ने भारत की छवि खराब करने की कोशिश बताया।यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया, जब राहुल गांधी पहले से ही सरकार पर हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। लोकसभा चुनाव के बाद कभी वे हाथ में संविधान की प्रति लेकर नजर आए, तो अब संसद परिसर में वे पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी हाथ में लिए दिखाई दिए। इस किताब के कुछ अंश पढ़ने की अनुमति जब उन्हें सदन में नहीं दी गई और रिकॉर्ड से हटाया गया, तो राहुल गांधी ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मुद्दा बना दिया।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मकर द्वार पर हुआ यह विवाद राहुल गांधी के बढ़ते आक्रामक तेवर और भाजपा के प्रति उनकी असहजता का परिणाम है। विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी लगातार सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में कई बार भाषा की मर्यादा टूटती दिखाई दे रही है।

यह भी सच है कि राजनीति में धैर्य सबसे कठिन परीक्षा होती है। लंबे संघर्ष, हार, आलोचना और व्यक्तिगत हमलों के बीच कई बार नेता खुद पर नियंत्रण खो बैठते हैं। लेकिन संसद परिसर जैसे स्थान पर बोले गए शब्द सिर्फ व्यक्तिगत नहीं रहते, वे संस्था की गरिमा से भी जुड़ जाते हैं।यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दिखाती है कि राजनीतिक असहमति अब वैचारिक बहस से निकलकर व्यक्तिगत आरोपों तक पहुंच चुकी है। गद्दार और देश का दुश्मन जैसे शब्द राजनीति को और ज्यादा ध्रुवीकृत करते हैं। इससे न तो लोकतांत्रिक संवाद मजबूत होता है और न ही जनता का भरोसा।मकर द्वार पर हुआ यह टकराव आने वाले दिनों में सिर्फ बयानबाज़ी तक सीमित नहीं रहेगा। यह घटना विपक्ष की रणनीति, सत्ता पक्ष की प्रतिक्रिया और राजनीतिक भाषा की दिशा तय करने वाला संकेत बन सकती है। सवाल यह नहीं है कि किसने पहले क्या कहा, सवाल यह है कि क्या भारतीय राजनीति अब संयम की भाषा छोड़ चुकी है।लोकतंत्र में विरोध जरूरी है, लेकिन मर्यादा उससे भी ज्यादा जरूरी है। 4 फरवरी को संसद के बाहर जो हुआ, वह सिर्फ एक क्षणिक गुस्से का नतीजा नहीं था, बल्कि उस राजनीति का प्रतिबिंब था, जहाँ शब्द हथियार बन चुके हैं और संवाद कमजोर पड़ता जा रहा है।

मेष राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने विचारों के साथ-साथ दूसरे लोगों के विचारों पर भी गौर देने की जरूरत है। आय के साधन बढ़ने के साथ-साथ खर्चो की भी अधिकता बनी रहेगी। बाहरी व्यक्तियों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ना होने दें। आज जीवनसाथी और परिवारजनों के साथ कुछ समय मनोरंजन में बिताएंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। विचारों में स्थिरता और दृढ़ता रहने से आप अपने कार्यों को अच्छी तरह कर पाएंगे। सामाजिक रुप से मान-प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आज दूसरों के भरोसे अपने कार्यों को न छोड़ें, इसका असर आपके कार्यक्षेत्र में पड़ सकता है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज किसी कंपनी से नए जॉब के लिए कॉल आ सकती है। साथ ही कम्प्यूटर कोर्स ज्वॉइन करना चाहते है तो आज का दिन शुभ है। आज जल्दबाजी की बजाए शांति और धैर्य पूर्ण तरीके से कामों को अंजाम देना आपके काम को ज्यादा सुगम बनाएगा। नजदीकी लोगों से मुलाकात फायदेमंद साबित होगी।

कर्क राशिः आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। अगर आज नए बिजनेस की शुरूआत करने की सोच रहें है तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। जीवनसाथी के सहयोग से आपको किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा, जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा काम करने का समय मिल सके। सोचा हुआ कार्य समय पर पूरा होने से आप अपने अंदर ऊर्जा और आत्मविश्वास महसूस करेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन खास रहेगा। आज रास्ते में जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा। असमंजस की स्थिति में परिवार वालों की सलाह लेना अच्छा रहेगा। इस समय मार्केटिंग संबंधी कार्यों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। दांपत्य जीवन सुखद और मधुरता पूर्ण रहेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक रहेगा। किसी काम को करने में आज आपके सामने कठिनाइयां आएंगी, आप अपनी सूझ-बूझ से उनसे निपटने में सफल होंगे। आज समाज में आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है। साझेदारी संबंधी व्यापार की योजना बना रहे हैं तो उससे जुड़े सभी मामलों पर अच्छे से सोच-विचार कर लें।

वृश्चिक राशिः आज पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे। आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाएगा। साथ ही आज घर पर अपना मनपसंद खाना खा सकते है। किसी उलझन का समाधान मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। अपने व्यक्तिगत कार्यों में किसी और का हस्तक्षेप न होने दें।

धनु राशिः आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के बिजनेसमैन आज किसी जरूरी काम से विदेश की यात्रा कर सकते है। यात्रा लाभदायक होगी। कारोबार में बहुत सावधानी रखने की जरूरत है। धैर्य और संयम से मुश्किल समय निकल जाएगा। साझेदारी के व्यवसाय में पारदर्शिता बनाए रखने से अच्छा रहेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन राहत से भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति में आज सुधार आएगा। समय का उचित सदुपयोग करें। सामाजिक गतिविधियों में आपके विचारों को विशेष प्राथमिकता मिलेगी। युवाओं का मन मुताबिक कार्य पूरा होने से सुकून मिलेगा। आज आपको जीवनसाथी के प्रति अपना व्यवहार बदलने की जरूरत है।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन लेना आपके लिए सहायक रहेगा। किसी विदेशी कंपनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। घर का माहौल सुखद और शांतिपूर्ण बना रहेगा। किसी मित्र से मुलाकात होगी और पुरानी यादें ताजा होंगी। आज किसी कानूनी मामले में आपको राहत मिल सकती है।

मीन राशिःआज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है। उधार दिया हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। दिन की शुरुआत कुछ व्यस्तता वाली रह सकती है लेकिन अंत में बेहतर परिणाम हासिल होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी। इस राशि के वकीलों के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है।

ऑनलाइन गेमिंगः मनोरंजन से लत और लत से त्रासदी तक

डॉ. सत्यवान सौरभ

गाजियाबाद में तीन सगी बहनों की सामूहिक आत्महत्या की खबर केवल एक अपराध समाचार नहीं है, बल्कि यह हमारे समय की सबसे भयावह सामाजिक सच्चाइयों में से एक का आईना है। नौवीं मंज़िल से कूदकर जान देने की यह घटना दिल दहला देने वाली है क्योंकि इसके पीछे कोई तात्कालिक झगड़ा, आर्थिक तंगी या पारिवारिक हिंसा नहीं बल्कि एक ऐसी अदृश्य दुनिया है, जो चुपचाप बच्चों के मन-मस्तिष्क पर कब्ज़ा कर रही है- ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया। यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम सचमुच अपने बच्चों की दुनिया को समझ पा रहे हैं या हम उन्हें मोबाइल स्क्रीन के हवाले कर निश्चिंत हो बैठे हैं। डिजिटल युग में तकनीक जीवन को आसान बनाने का माध्यम बनी है लेकिन उसी तकनीक का अनियंत्रित उपयोग अब समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग, जो कभी मनोरंजन, एकाग्रता और रणनीतिक सोच का साधन मानी जाती थी, आज कई मामलों में बच्चों और किशोरों के लिए मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विनाश का कारण बन रही है। खासकर कोरोना काल के बाद, जब ऑनलाइन शिक्षा और घर में बंद जीवन ने बच्चों को मोबाइल और इंटरनेट के और अधिक करीब कर दिया, तब से यह समस्या और गहराई है। ऑनलाइन गेम्स का मनोविज्ञान बेहद चालाकी से तैयार किया गया है। गेम डिज़ाइनर बच्चों की मानसिक संरचना को समझते हैं- इनाम, लेवल, रैंकिंग, वर्चुअल पहचान, और प्रतिस्पर्धा के ज़रिए उन्हें इस तरह बांधा जाता है कि वे बार-बार उसी दुनिया में लौटें। धीरे-धीरे खेल खेलना एक आदत बनता है, फिर ज़रूरत, और अंततः लत। यह लत शराब या नशे से कम खतरनाक नहीं होती क्योंकि इसमें शरीर नहीं, दिमाग़ जकड़ा जाता है। बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है- उसे परिवार बोझ लगने लगता है, पढ़ाई व्यर्थ लगती है और जीवन के छोटे-छोटे सुख फीके पड़ जाते हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस लत के शिकार अधिकतर बच्चे और किशोर होते हैं- वही उम्र, जब व्यक्तित्व निर्माण होता है, भावनात्मक संतुलन विकसित होता है और जीवन को समझने की प्रक्रिया चल रही होती है। इस उम्र में यदि बच्चा आभासी दुनिया में जीने लगे, तो उसकी वास्तविक समस्याओं से जूझने की क्षमता कमजोर हो जाती है। हार-जीत, तनाव, असफलता और रिश्तों की जटिलता से निपटने के बजाय वह 'एस्केप' खोजने लगता है—और ऑनलाइन गेम्स उसे यह आसान पलायन उपलब्ध कराते हैं। गाजियाबाद की घटना में यह तथ्य और अधिक विचलित करता है कि बच्चियाँ दो साल से स्कूल नहीं जा रही थीं और मोबाइल की लत का ज़िक्र सामने आया है। यह सवाल उठता है कि क्या परिवार, स्कूल और समाज- तीनों स्तरों पर निगरानी और संवाद की कमी रही? आज के समय में बच्चों का स्कूल न जाना केवल शैक्षणिक समस्या नहीं बल्कि एक गहरी सामाजिक और मानसिक समस्या का संकेत है। स्कूल सिर्फ पढ़ाई की जगह नहीं होते बल्कि बच्चों के लिए सामाजिक संपर्क, भावनात्मक सहारा और संरचना प्रदान करते हैं। जब बच्चा इससे कट जाता है, तो वह अपने भीतर सिमटने लगता है। अक्सर अभिभावक यह मान लेते हैं कि बच्चा घर में है, मोबाइल हाथ में है, तो सुरक्षित है। यही सबसे बड़ा भ्रम है। मोबाइल आज केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि एक पूरी दुनिया है—जिसमें अच्छा भी है और बेहद खतरनाक भी। अभिभावकों की व्यस्तता, आर्थिक दबाव और 'डिजिटल ही भविष्य है' जैसी सोच ने बच्चों को समय से पहले एक ऐसे संसार में धकेल दिया है, जिसे वे न समझ पाते हैं और न संभाल पाते हैं। माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद का अभाव इस खतरे को और बढ़ा देता है। यह भी एक सच्चाई है कि भारतीय समाज में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। बच्चे चुप हैं, अकेले हैं, चिड़चिड़े हैं या अपने कमरे में बंद रहते हैं तो इसे 'उम्र का असर' कहकर टाल दिया जाता है। आत्मघाती विचार, अवसाद और चिंता जैसे मुद्दों पर बात करना अब भी कई परिवारों में वर्जित माना जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि समय रहते की गई एक संवेदनशील बातचीत कई जिंदगियाँ बचा सकती है। ऑनलाइन गेमिंग के दुष्प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके सामाजिक प्रभाव भी गंभीर हैं। अत्यधिक गेमिंग से बच्चों में हिंसक व्यवहार, आक्रामकता, सहानुभूति की कमी और सामाजिक रिश्तों से दूरी बढ़ती है। आभासी जीत उन्हें वास्तविक परिश्रम से दूर कर देती है। जब वास्तविक जीवन में चुनौतियाँ आती हैं, तो वे टूट जाते हैं, क्योंकि उन्होंने संघर्ष करना सीखा ही नहीं होता। यही टूटन कई बार आत्मघाती कदम का कारण बनती है। यह कहना भी उचित नहीं होगा कि हर ऑनलाइन गेम या हर तकनीकी का उपयोग बुरा है। समस्या तकनीक में नहीं, उसके अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदार उपयोग में है। यदि बच्चे सीमित समय के लिए उम्र के अनुरूप और अभिभावकों की निगरानी में गेम खेलें तो यह मनोरंजन और सीख का साधन भी हो सकता है। लेकिन जब गेमिंग जीवन का केंद्र बन जाए, तो खतरे की घंटी बज जानी चाहिए। समाधान के स्तर पर हमें बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहली जिम्मेदारी परिवार की है। अभिभावकों को बच्चों के साथ समय बिताना होगा, उनके डिजिटल व्यवहार को समझना होगा और डर या दंड की बजाय संवाद का रास्ता अपनाना होगा। मोबाइल देना आसान है, लेकिन बच्चे का मन पढ़ना कठिन—और यही कठिन काम आज सबसे ज़रूरी है। बच्चों के लिए स्पष्ट डिजिटल नियम, स्क्रीन टाइम की सीमा और वैकल्पिक गतिविधियाँ—जैसे खेल, किताबें, कला और सामाजिक मेलजोल—अनिवार्य किए जाने चाहिए। स्कूलों की भूमिका भी बेहद अहम है। केवल पाठ्यक्रम पूरा करना पर्याप्त नहीं है। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य, और ऑनलाइन खतरों पर नियमित कक्षाएँ और परामर्श सत्र होने चाहिए। शिक्षकों को यह प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए कि वे बच्चों के व्यवहार में आने वाले सूक्ष्म बदलावों को पहचान सकें। स्कूल और अभिभावकों के बीच निरंतर संवाद आज की आवश्यकता है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन**। बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बांका में पति की पिटाई से पत्नी की मौत

बांका, एजेंसी। बांका में पति की पिटाई से महिला की मौत हो गई है। मामला कटोरिया थाना क्षेत्र के भोलाडीह गांव की है। बुधवार देर रात झारखंड के देवघर में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान भोलाडीह निवासी शंभू यादव की पत्नी बबीता देवी (24) के रूप में हुई है। मृतका के मायके वालों ने पति सहित ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। झुनझुनियां गांव के निवासी मृतका के पिता पप्पू यादव ने बताया कि उनकी बेटी बबीता देवी का पति शंभू यादव दूसरे बच्चे के जन्म के बाद से ही उसके साथ हिंसक तरीके से बर्ताव कर रहा था। शंभू यादव अक्सर बबीता पर गैर पुरुष से बातचीत करने का आरोप लगाकर मारपीट करता था। परिजनों ने कई बार पारिवारिक स्तर पर समझौता कराने का प्रयास किया, लेकिन मारपीट जारी रही। परिजनों के अनुसार, हाल ही में शंभू यादव ने इसी आरोप को लेकर बबीता देवी के साथ मारपीट की। पिटाई के कारण बबीता बेहोश हो गई, जिसके बाद उसे कटोरिया के एक प्राइवेट डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए झारखंड के देवघर रेफर कर दिया था। हालांकि, मंगलवार सुबह आरोपी पति उसे जबरन घर वापस ले आया। देर शाम बबीता की हालत फिर गंभीर होने पर परिजन उसे दोबारा प्राइवेट डॉक्टर के पास ले गए। वहां से उसे फिर झारखंड देवघर रेफर किया गया, जहां बुधवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बबीता की मौत की सूचना मिलते ही पिता पप्पू यादव अन्य परिजनों के साथ शव लेकर कटोरिया थाना पहुंचे। उन्होंने पति शंभू यादव और ससुराल पक्ष के अन्य पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद मायके वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि यह पति-पत्नी के बीच विवाद का मामला है। आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

ऑनलाइन गेम में उत्तर बिहार में भी जा चुकी जान, दोस्त की तरह बच्चों की निगरानी जरूरी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। ऑनलाइन गेम की लत कैंसर से भी खतरनाक बीमारी बनती जा रही है। गाजियाबाद में तीन सगी नाबालिग बहनों की नौवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी के बाद इसे लेकर एक्सपर्ट चिंता जता रहे हैं। उत्तर बिहार में भी इसे लेकर आत्महत्या के अलावा हत्या और दुर्घटना सामने आई है। इस संबंध में मनोविज्ञानी व टेक्निकल एक्सपर्ट का मानना है कि अभिभावकों को खुद सचेत होना होगा। बच्चों पर मित्र की तरह निगरानी रखनी होगी। ऑनलाइन मोबाइल गेम खेलने और मोबाइल इस्तेमाल पर कई देशों में प्रतिबंध या सख्त नियम हैं। चीन में 18 साल से कम उम्र के बच्चों को ऑनलाइन गेम केवल शुक्रवार, शनिवार, रविवार और पब्लिक हालीडे पर रात आठ से नौ बजे तक सिर्फ एक घंटा खेलने की अनुमति है। वीकडे पर पूरी तरह प्रतिबंध है। मनोविज्ञानी आरडीएस कॉलेज के शिक्षक डॉ. सौरभ राज का कहना है कि अगर आपका बच्चा ऑनलाइन गेमिंग कर रहा है तो इस पर शुरू से ही नजर रखनी चाहिए। सारा दोष बच्चों का नहीं है। अगर बच्चा गेम खेल रहा है तो कितनी देर तक खेल रहा है, कौन सा गेम खेल रहा है इसकी मॉनिटरिंग की जानी चाहिए। दूसरी चीज की बच्चों का जो दिमागी विकास है, उसमें सही और गलत का अंतर समझने में समय लगता है।

पटना में नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

पटना, एजेंसी। पटना के बेउर में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। युवती की शादी दो महीने पहले ही धूमधाम से हुई थी। बुधवार को घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया है। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस ने ससुराल के कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। युवती के पिता भोला राय ने बताया कि उनकी बेटी निशा कुमारी (20) की शादी 20 नवंबर 2025 को गर्दनीबाग निवासी संतोष कुमार (24) से हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के समय उन्होंने दामाद को लगभग 8 लाख रुपये नकद, सोने की चेन और ढाई लाख रुपये से अधिक का सामान दिया था। इसके बावजूद, संतोष कुमार लगातार एक गाड़ी की मांग कर रहे थे। भोला राय ने आरोप लगाया कि बुधवार को उन्हें बेटी की मौत की सूचना मिली। जब वे ससुराल पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि निशा कुमारी की गला दबाकर हत्या की गई थी और इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को बेउर थाना क्षेत्र के सिपारा बखानी मोहल्ले में एक नवविवाहिता द्वारा आत्महत्या करने की सूचना मिली थी, जिसके बाद एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया।

अगर बाप-दादा के नाम पर है जमीन तो वंशावली के आधार पर बनेगी आईडी,

बिहार के किसानों को बड़ी राहत

भागलपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी व फार्मर आईडी बनाने में कृषि व राजस्व विभाग की टीम हांफ रही है। नियमों में ढील मिलने की वजह से मंगलवार को जहां 25337 किसानों के फार्मर आईडी बनाए गए। वहीं, बुधवार को नियमों में फिर से सख्ती होने पर 4405 किसानों के ही फार्मर आईडी बनाए जा सके।

मंगलवार को फार्मर आईडी बनाने के मामले में भागलपुर नंबर वन पर था, वहीं बुधवार को यह जिले में पांचवें स्थान पर पहुंच गया। पीरपैंती में ई-केवाईसी व फार्मर रजिस्ट्री की स्थिति अच्छी नहीं है।

खराब परफॉरमेंस के कारण खवासपुर पीरपैंती के किसान सलाहकार रामाशीष यादव, कोदवार कहलगांव के किसान सलाहकार सच्चिदानंद मंडल, महेशी अजगैवीनाथ के किसान सलाहकार रजनीकांत मिश्र व धर्मेंद्र कुमार को मुख्यालय बुला लिया गया है। उन्हें कारण बताओ नोटिस देकर 24 घंटे में उसका स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है। जिले में अबतक दो लाख 74 हजार 158 के विरुद्ध एक लाख तीन हजार 745 किसानों के फार्मर आईडी बन चुके हैं।

कहलगांव के प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव रंजन ने बताया कि खतियान यदि पिता, दादा या पूर्वजों के नाम है तो संबंधित किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। संयुक्त जमाबंदी में भी अलग अलग परिवार के सदस्यों का रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। पहले जिन किसानों के नाम खतियान में थे सिर्फ उन्हीं के रजिस्ट्रेशन किए जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार को किसानों के एफआर बनने के कार्य में काफी तेजी आ गई थी।

इसकी मूल वजह मूल जमाबंदी में आवेदक का नाम नहीं रहने के बाद भी वंशावली के आधार पर लाभ ले रहे नामों को साफ्टवेयर स्वीकार करने लगा था। सूत्र के अनुसार, जमाबंदी दादा और पिता के नाम से होने के बाद भी आवेदक का एफआर बनने लगा था। इसका निर्देश मुख्यालय से प्राप्त हुआ था।

हालांकि, उसमें कुछ गलत एफआर बनने की सूचना मिलते ही बुधवार को इसे बंद कर दिया गया है। इससे फार्मर रजिस्ट्री का कार्य बुधवार को कम हुआ। सबौर के प्रखंड कृषि पदाधिकारी संजीव कुमार पाल ने बताया कि कल नाम में विसंगतियां होने के बाद भी किसानों का एफआर बन रहा था। बुधवार को पुनः पहले जैसी स्थिति हो गई है। नाम और जमाबंदी के नाम में अंतर होने पर सॉफ्टवेयर एक्सेप्ट नहीं कर रहा है।

उन्होंने बताया कि सबौर का एफआर 50 प्रतिशत होना चाहिए था, जो हो गया है। सबौर प्रखंड में टोटल 7271 पीएम किसान लाभार्थी हैं। उनमें से अबतक 6547 किसानों के केवाईसी हो चुके हैं। जबकि 3956 किसानों के एफआर कर लिए गए हैं।

इधर, जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी व उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार सिंह ई-केवाईसी व फार्मर रजिस्ट्री की लगातार मानीटरिंग कर रहे हैं। समीक्षा भवन में कृषि व राजस्व विभाग के अधिकारी लगातार इस कार्य पर नजर बनाए हुए हैं। बुधवार को छुट्टी के दिन भी जिलाधिकारी सहित सभी वरीय पदाधिकारी समीक्षा भवन में मौजूद रहे। इसमें लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पूर्णिया में शॉर्ट सर्किट से लगी आग :

2 गैस सिलेंडर फटा, घर मलबे में तब्दील

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में शॉर्ट सर्किट से एक घर में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि घर में रखे दो गैस सिलेंडर जोरदार धमाके के साथ फट गए। धमाके की आवाज सुनते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए। सब्जी बेचकर गुजारा करने वाले परमानंद सिंह का पूरा घर जलकर राख हो गया। विस्फोट के बाद हुई भीषण आगलगी में पूरा घर मलबे में तब्दील हो गया। गनीमत रही कि इस हादसे से पहले ही सभी सदस्य भाग निकले, जिससे उनकी जान बच सकी। सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। काफी मशक्कत से आग बुझाई जा सकी, लेकिन तब तक सारा सामान पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। घटना के. नगर थाना क्षेत्र के गणेशपुर पंचायत के आदमपुर टोला की है।

पीड़ित परमानंद सिंह ने बताया कि रोज की तरह परोड़ा चौक पर सब्जी बेचने गए थे। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग गई। घर में दो गैस सिलेंडर रखे थे। दोनों गैस सिलेंडर आग की चपेट में आ गए। गैस सिलेंडर फटने से जोरदार विस्फोट हुआ। उसी समय उन्हें फोन पर आग लगने की खबर मिली। जब वे वापस पहुंचे, तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था। डेढ़ लाख कैश, अनाज, कपड़े, बर्तन, सब्जी के कैरेट, खाद की बोरियां और पूरा घर जलकर राख हो गया।

मैं सब्जी बेचकर किसी तरह परिवार चलाता हूं। घर बनाने के लिए पैसे जोड़े थे, सब जल गया। उनकी आठ बेटियां हैं। कल ही ग्रुप लोन की दस हजार रुपए की किस्त भी जमा की थी। अब घर और जमा की गई पूरी पूंजी खत्म हो चुकी है। परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। खाने-पीने की भी भारी परेशानी हो गई है। अब बच्चों को कैसे पालूंगा, समझ नहीं आ रहा। सरकार से बस मदद चाहिए।घटना की जानकारी मिलते ही जिला परिषद सदस्य देशबंधु उर्फ बुलबुल पासवान, मुखिया अंजनी देवी, पूर्व प्रमुख मंजूर बेग, समाजसेवी आफताब आलम और पूर्व मुखिया सुरेंद्र चौधरी मौके पर पहुंचे। सभी ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तुरंत सरकारी सहायता, मुआवजा और रहने की व्यवस्था देने की मांग की है।

प्रसव के बाद महिला की मौत से हड़कंप; परिजनों का हंगामा

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा सदर अस्पताल में बुधवार शाम प्रसव के कुछ घंटे बाद एक महिला की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। मृतका की पहचान भर्राही थाना क्षेत्र के गोढ़ैला गांव निवासी दिनेश साह की बेटी अनुपम कुमारी (23) के रूप में हुई है। उसकी शादी मई 2023 में कुमारखंड प्रखंड के रहटा वार्ड निवासी अमित कुमार साह से हुई थी। पति मजदूरी कर परिवार का खर्च चलाते हैं।

मृतका की मां बबली देवी ने बताया कि बुधवार सुबह करीब नौ बजे अनुपम कुमारी को प्रसव पीड़ा होने पर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सुबह करीब 10 बजे उसने एक बच्ची को जन्म दिया, जो पूरी तरह स्वस्थ है। लेकिन प्रसव के बाद अनुपम की हालत धीरे-धीरे बिगड़ने लगी। परिजनों ने जब इसकी जानकारी वहां मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों को दी, तो उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

शाम करीब 3.30 बजे जब उसकी हालत ज्यादा खराब हो गई, तो उसे जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान उन्हें एंबुलेंस भी उपलब्ध नहीं कराई गई। मजबूरी में उन्होंने ऑटो रिजर्व किया और प्रसूता को लेकर निकले, लेकिन अस्पताल गेट से बाहर निकलते ही अनुपम की मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने सदर अस्पताल में जमकर हंगामा किया।

परिजनों का कहना है कि अगर समय पर सही इलाज मिल जाता और लापरवाही नहीं बरती जाती, तो अनुपम कुमारी की जान बचाई जा सकती थी। उनका आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद महिला डॉक्टर कुमारी शिखा ने मरीज का ठीक से इलाज नहीं किया। परिजनों ने यह भी कहा कि अस्पताल में पहले से ही कई मरीज महिला डॉक्टर के व्यवहार को लेकर शिकायत कर चुके हैं।किसी ने डीएम को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद रात करीब 9.30 बजे सदर एसडीएम संतोष कुमार सदर अस्पताल पहुंचे।

'बेटा कहकर, बेटी थमा दी', नवजात अदला-बदली के आरोप से मचा बवाल, सदर अस्पताल में हंगामा

वैशाली, एजेंसी। सदर अस्पताल के प्रसव वार्ड में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक प्रसूता के परिजनों ने बेटे की जगह बेटी सौंपे जाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। नवजात के बदलने की बात सामने आते ही बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। हालात बिगड़ते देख ड्यूटी पर तैनात कर्मियों ने अस्पताल से बाहर निकलकर नगर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई।

पीड़िता के भाई संजय कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह उन्होंने अपनी बहन गुंजन को प्रसव के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। करीब 12 बजे डॉक्टर उसे प्रसव के लिए ले गए। कुछ देर बाद अस्पताल के एक कर्मी ने परिजनों को बताया कि बेटा हुआ है और नसबंदी करानी है। पहले से प्रसूता को चार बेटियां थीं, इसलिए बेटे के जन्म की जानकारी मिलने पर परिजनों ने नसबंदी करवा दी। लगभग एक घंटे बाद जब अस्पताल कर्मियों ने बेटे की जगह बेटी सौंपनी चाही, तो परिजनों ने बच्ची लेने से इनकार कर दिया और डॉक्टर व नर्स पर बच्चे की अदला-बदली का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

आक्रोशित परिजनों के हंगामे को देख ओटी वार्ड में तैनात सभी कर्मी वार्ड छोड़कर बाहर निकल गए। इधर, सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस दल-बल के साथ अस्पताल पहुंची और परिजनों को समझाने-बुझाने में जुट गई, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थे और बेटे को सौंपने की मांग पर अड़े रहे। करीब दो घंटे तक चले हंगामे और उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए।

बताया जा रहा है कि इससे पहले भी सदर अस्पताल में नवजात की अदला-बदली का मामला सामने आ चुका है। बीते 30 अगस्त को नवजात शिशु चिकित्सा इकाई में गड़बड़ी के कारण बच्चे की अदला-बदली को लेकर परिजनों ने जमकर हंगामा किया था। बिदुपुर थाना क्षेत्र के दुगोली गांव निवासी दीपक ठाकुर की पत्नी प्रियंका कुमारी ने देर रात एक बच्चे को जन्म दिया था, जो लड़का था और इलाज के लिए नवजात शिशु चिकित्सा इकाई में रखा गया था। वहीं, एक अन्य महिला जिसका नाम भी प्रियंका कुमारी था, उसकी बच्ची का भी वहीं इलाज चल रहा था। दोनों माताओं का नाम एक होने के कारण अस्पताल कर्मियों से बच्चे की अदला-बदली हो गई थी, जिसके बाद परिजनों ने हंगामा किया था।

नालंदा में बजट 2026-27 से उम्मीदों का नया सवेरा

बौद्ध सर्किट से पर्यटन को नई पहचान मिलेगी

नालंदा, एजेंसी। बिहार बजट 2026-27 ने ऐतिहासिक नालंदा जिले के लिए विकास के नए द्वार खोल दिए हैं। 3.47 लाख करोड़ रुपए के इस महत्वाकांक्षी बजट में पर्यटन, शिक्षा और रोजगार पर विशेष जोर देते हुए जिले को बिहार के विकास की नई कहानी का केंद्र बनाने का प्रयास किया गया है।

बजट में राजगीर को बौद्ध सर्किट से मजबूती से जोड़ने और नालंदा विश्वविद्यालय के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को शामिल किया गया है। जानकारों का मानना है कि इससे पर्यटन उद्योग में अभूतपूर्व वृद्धि होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अनगिनत अवसर पैदा होंगे।

नालंदा की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की इस पहल से होटल, परिवहन और हस्तशिल्प उद्योगों को भी गति मिलने की संभावना है।

बजट में कृषि क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी गई है। जिले के 1.74 लाख किसानों को कर्पूरी सम्मान निधि का लाभ मिलेगा। पीएम किसान सम्मान निधि के साथ मिलाकर अब प्रत्येक किसान को सालाना 9,000 रुपए की आर्थिक

सहायता मिलेगी, जिससे खेती की बढ़ती लागत से जूझ रहे किसानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जिले के 4.21 लाख बिजली उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना से न केवल बिजली बिल में भारी कमी आएगी, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा।

बजट में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की परिकल्पना की गई है। जिले की 231 पंचायतों में एक-एक मॉडल स्कूल स्थापित किए जाएंगे, जहां स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लाइब्रेरी की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है। कौशल विकास मिशन के विस्तार और स्टार्टअप फंड में वृद्धि से युवाओं के सपनों को पंख लगेंगे। छोटे और मध्यम उद्योगों को आसान ऋण और तकनीकी सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है, जिससे स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। कृषि आधारित उद्योगों और पर्यटन सेवाओं के विकास से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में नई जान आने की उम्मीद है।

बजट में ग्रामीण सड़कों को एक लेन से दो लेन में विकसित करने की योजना शामिल की गई है। यह पहल गांवों को शहरों से बेहतर तरीके से जोड़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी।

जिले के उद्यमियों, युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने इस बजट को रोजगार और औद्योगिक विकास को नई दिशा देने वाला बताया है। कपड़ा व्यवसायियों, स्वर्ण कारोबारियों और स्थानीय निवासियों ने एकमत से माना कि यह बजट विकसित बिहार की मजबूत नींव रखेगा।

पटना में रेंट एग्रीमेंट के विवाद को लेकर फायरिंग

पटना, एजेंसी। पटना में दीघा इलाके के लोयला स्कूल के पास शंभू सिंह नाम के शख्स पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। हालांकि शंभू सिंह फायरिंग करने वाले बदमाश से भीड़ गए। हाथ पकड़कर ऊपर कर दिया। जिससे हवाई फायरिंग हो गई। वहां मौजूद लोगों ने इसी बीच उस शख्स को पकड़ लिया। बुरी तरह से मारने पीटने लगे। पीड़ित पक्ष ने पीटने के बाद पुलिस को खबर की। मौके पर पुलिस आई और आरोपी को लेकर थाने चली आई। गंभीर चोट होने के चलते पुलिस ने आरोपी का इलाज भी कराया। इधर, दो अन्य आरोपी फरार हो गए। बताया जा रहा कि 50 लाख की रंगदारी भी मांगी गई थी। वहीं, पीड़ित पर दोबारा हमला किया गया है। रेंट के पैसे को लेकर विवाद था। प्रभारी सेंट्रल एसपी भानु प्रताप ने बताया कि आरोपी की पहचान बिहटा के रहने वाले सिकंदर उर्फ राहुल के तौर पर हुई है। पूर्व से ही दोनों के बीच रेंट के रुपए को लेकर विवाद चल रहा है। आरोपी का कहना है कि शंभू सिंह के यहां रुपए बकाया है।वहीं, शंभू सिंह का कहना है कि कोई रुपए बकाया नहीं है। इसी बात के विवाद में सिकंदर ने शंभू को टारगेट कर के फायरिंग की थी। आरोपी के पास से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा मिले हैं। फिलहाल और भी पूछताछ की जा रही है। इधर, पीड़ित शंभू सिंह ने दीघा थाने में सिकंदर उर्फ राहुल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आस पास में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छानबीन कर रही है।

क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 85वीं बैठक में महाप्रबंधक ने हिंदी में कार्य करने पर दिया जोर

हाजीपुर, एजेंसी। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय/हाजीपुर में क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 85वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने की। उन्होंने अधिकारियों को राजभाषा से संबंधित निर्देशों का दृढ़तापूर्वक पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री सिंह ने कहा कि पूर्व मध्य रेल 'क' क्षेत्र में स्थित होने के कारण अधिकांश कार्य हिंदी में होता है। उन्होंने अधिकारियों से छोटे आदेश और टिप्पणियाँ हिंदी में लिखने का आग्रह किया, जिससे हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए सकारात्मक माहौल बनेगा और अधीनस्थ कर्मचारी भी प्रेरित होंगे। उन्होंने दैनिक कामकाज में सरल और सहज हिंदी के प्रयोग पर बल दिया।

इस अवसर पर, राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य के लिए कार्मिक विभाग को महाप्रबंधक द्वारा अंतर्विभागीय राजभाषा चल शील्ड प्रदान की गई। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेश चंद्र श्रीवास्तव ने यह शील्ड प्राप्त की। महाप्रबंधक ने 'पूर्व मध्य रेल दर्पण' राजभाषा बुलेटिन के वर्तमान अंक और राजभाषा सहायिक के दूसरे संस्करण का भी लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त, रेलवे बोर्ड व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना आधार वर्ष-2023 के

पुरस्कृत अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में पूर्व मध्य रेल के मंडलों और कारखानों के उच्च अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने विभागों में राजभाषा के प्रचार-प्रसार की स्थिति से समिति को अवगत कराया।

अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऐसी समीक्षा बैठकों से कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ और सुझाव सामने आते हैं। उन्होंने आपसी समन्वय और सकारात्मकता के माध्यम से लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी पुरस्कृत अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी और भविष्य की बैठकों में महत्वपूर्ण लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लेने की उम्मीद जताई।

हमें प्रसन्नता है कि पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय/हाजीपुर में आप सभी के सहयोग से हम राजभाषा के प्रचार-प्रसार में निरंतर अग्रसर रहेंगे। प्रभात कुमार, मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने अपने वक्तव्य में कहा कि पूर्व मध्य रेल 'क' क्षेत्र में स्थित है।

इसलिए यहां अधिकांश कार्य स्वाभाविक रूप से हिंदी में ही होना चाहिए, ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं जहाँ और अधिक प्रयास करके हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है इसलिए यहाँ अधिकांश कार्य स्वाभाविक रूप से हिंदी में ही होना चाहिए। आवश्यकता है दृढ़ इच्छाशक्ति की। ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं जहाँ और अधिक प्रयास करके हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। हमारा दायित्व है कि संघ की राजभाषा नीति के अनुरूप सभी कामकाज शत-प्रतिशत हिंदी में किए जाएं।

इसके लिए आप सबके सहयोग की आवश्यकता है। समय के अनुरूप अपेक्षा है कि हम अपना कार्य हिंदी में सरल और सहज रूप से करें ताकि यह सभी के लिए बोधगम्य हो। महाप्रबंधक महोदय के कुशल नेतृत्व में इस रेल पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए हम निरंतर सचेष्ट हैं।

और हमारा प्रयास है कि विभिन्न माध्यमों से अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए एवं राजभाषा के विकास के लिए स्वस्थ वातावरण का निर्माण किया जाए। आज की बैठक में हम राजभाषा के प्रयोग-प्रसार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे तथा विचार-विमर्श के जरिए कार्यालयी कामकाज हिंदी में करने की दिशा में प्रयास करेंगे।

बैठक का संचालन करते हुए उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री केशव त्रिपाठी ने कहा कि पूर्व मध्य रेल में हिंदी के प्रयोग-प्रसार में तेजी लाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने समिति को सूचित किया कि हमारे कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन का कार्य गृह मंत्रालय के वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम के अनुरूप ही किया जा रहा है। इसके साथ-साथ राजभाषा कार्यशाला, महत्वपूर्ण साहित्यकारों की जयंतियों जैसे कार्यक्रम भी मुख्यालय में नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। संसदीय राजभाषा समिति के संभावित निरीक्षण दौरे को लेकर भी हमलोग गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। बैठक के अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री अनिल कुमार शर्मा, राजभाषा अधिकारी द्वारा दिया गया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

पूर्वांचल के आठ जिलों के लिए रवाना हो रही गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा

लखनऊ। यूपी के आठ जिलों के लिए आज से गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। इसका शुभारंभ उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम में लखनऊ में कैंसर संस्थान बनाने का भी एलान किया गया। इस मौके पर संघ के अखिल भारतीय प्रचारक शांत रंजन ने कहा कि यह एक अनुभव यात्रा है। दुर्गम क्षेत्र में डॉक्टर के रूप में पहली बार अनुभव लेंगे। सेवा का अवसर मिला है। आप चाहें तो अपना जीवन धन्य कर सकते हैं। थारू जनजाति धार्मिक भाव की जनजाति है। उन्हें मतांतरण का प्रयास होता है लेकिन अडिग हैं। ऐसे में हमारी यात्रा उनकी सेवा के लिए ही है। अभी भी एक गांव था जहां सड़क नहीं थी लेकिन पिछले साल यात्रा पहुंची तो पीपे का पुल बनाकर गांव को जोड़ा गया। शहरी जीवन में तैयार होने वाले डॉक्टर गांव में जाकर यह आभास कर सकते हैं कि सीमा पर रहना कितना कठिन है।

पंडित बिरजू महाराज ने नाट्यशास्त्र की अवधारणाओं को दिया प्रयोगात्मक रूप

लखनऊ, एजेंसी। कथक गुरु पद्म विभूषण पंडित बिरजू महाराज की जयंती पर दो दिवसीय समारोह के पहले दिन बुधवार को 'नाट्यशास्त्र और समकालीन शास्त्रीय नृत्य विधाएं' विषय पर व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। भातखंडे संस्कृति विवि के जयशंकर सभागार में हुए कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वाराणसी के रंगकर्मी, कवि, लेखक और फिल्मकार गौतम चटर्जी ने नाट्यशास्त्र की शास्त्रीय अवधारणाओं और उनकी आधुनिक शास्त्रीय नृत्य विधाओं में प्रासंगिकता के बारे में बताया।

चोट लगने से हुई थी मादा तेंदुए की मौत

बहराइच, एजेंसी। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मोतीपुर वन रेंज में मंगलवार की सुबह उस समय अफरातफरी मच गई जब पकड़िया दीवान गांव के पास रामपुर मार्ग किनारे एक खेत में मादा तेंदुए का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही प्रभारी वन क्षेत्राधिकारी डीपी कनौजिया के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही करते हुए तेंदुए के शव को कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय ले जाया गया था। डीएफओ ने बताया कि मृत तेंदुआ मादा थी, उसकी उम्र लगभग आठ से दस माह के बीच है। प्रथम दृष्टया मादा तेंदुए की मौत आपसी संघर्ष से होना प्रतीत हो रही है।

शटरिंग ढहने से घायल श्रमिक की मौत

बहराइच, एजेंसी। शहर के बशीरगंज मोहल्ला स्थित मैरिज लॉन में मंगलवार शाम भवन निर्माण के दौरान ढही शटरिंग की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुए श्रमिक झुलसे पुत्र मेवालाल की बुधवार को लखनऊ में उपचार के दौरान मौत हो गई। श्रावस्ती जिले के मल्हीपुर क्षेत्र अंतर्गत पैतृक संगमपुरवा गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया। श्रमिक संगठन से जुड़े प्रतिनिधि योगेंद्र मणि ने सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी से मुलाकात कर श्रमिक झुलसे पुत्र मेवालाल के परिजनों को अहेतुक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि यदि श्रमिक का यूपी के किसी भी जिले के श्रम विभाग में पंजीकरण होगा, तो उसके परिवार को विभाग की ओर से पांच लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। यदि पंजीकरण नहीं है, तो चूंकि उसकी मौत मजदूरी करते समय हुई है, इसलिए उसे एक लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है। दूसरी तरफ कोतवाली नगर के प्रभारी प्रदीप सिंह का कहना है कि यदि परिवार के लोग तहरीर देंगे, तो एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। संगमपुरवा गांव के प्रधान लाल बहादुर यादव ने बताया कि मृतक मजदूर के परिवार में माता-पिता और भाई के अतिरिक्त उसकी पत्नी और एक साल का बेटा है।

वरिष्ठ अनुसंधानवृत्ति में प्रो. ओंकार नाथ का चयन

लखनऊ, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) ने वर्ष 2025-26 के लिए वरिष्ठ अनुसंधानवृत्ति का चयन कर लिया है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर शोध कार्य के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. ओंकार नाथ उपाध्याय को चुना गया है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने डॉ. उपाध्याय को शुभकामनाएं दी हैं। आईसीएसएसआर देश का प्रमुख संस्थान है, जो समाज से जुड़े विषयों पर शोध को बढ़ावा देता है। वरिष्ठ अनुसंधानवृत्ति का उद्देश्य समाज, शिक्षा, राजनीति, अर्थव्यवस्था और संस्कृति जैसे विषयों पर गहराई से अध्ययन करना है

हिंदू लड़कियों का ब्रेनवाश...आरोपी मौलवी अरेस्ट

ताबीज से जुड़ा है ये कनेक्शन, रिमांड पर लेकर होगी पूछताछ

गिरोह का सरगना इमरान खान पहले से ही पुलिस कस्टडी रिमांड में है। पूछताछ में सरगना ने पुलिस को मौलवी के बारे में बताया। इसके बाद पुलिस ने मौलवी खलीलुर्रहमान को गिरफ्तार कर किया। एएसपी ऑपरेशन के मुताबिक, मौलवी के खिलाफ वाराणसी के लोहता थाने में धर्म परिवर्तन कर हिंदू लड़की का मुस्लिम लड़के से निकाह कराने के मामले में प्राथमिकी दर्ज है।

लखनऊ, एजेंसी। जिम में धर्मांतरण मामले में पुलिस अब तक सरगना इमरान खान, हेड कांस्टेबल इरशाद खान, मोहम्मद शेख अली आलम, फैजल खान, जहीर, शादाब, फरीद अहमद को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरोह के सरगना को पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी होने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा था। जेल जाने के बाद पुलिस ने इमरान की पुलिस कस्टडी रिमांड ली। लखनऊ स्थित फ्लैट की छानबीन के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की। मौलवी के बारे में जानकारी हासिल की।

एएसपी ऑपरेशन मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि मौलवी खलीलुर्रहमान जिम में धर्मांतरण मामले में सभी गिरफ्तार आरोपियों से लगातार संपर्क में था। आरोपियों के साथ मिलकर जिम आने वाली हिंदू लड़कियों, युवतियों का ब्रेनवाश कर धर्मांतरण कराता था। मौलवी ने साल 2023 में वाराणसी में एक हिंदू लड़की का धर्म परिवर्तन कराकर मुस्लिम लड़के से निकाह कराया था। इस मामले में लोहता थाने में उसके खिलाफ प्राथमिक दर्ज है। आरोपी का चालान कर न्यायालय भेज दिया गया है। उसके पास से मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

उर्दू से स्नातक है मौलवी : एएसपी ऑपरेशन मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि मौलवी खलीलुर्रहमान ने मदरसा न्यू सोफिया से कक्षा पांच तक की पढ़ाई की थी। इलियट घाट स्थित मदरसा अरबिया से मौलवी की शिक्षा ली। उर्दू से स्नातक की पढ़ाई की है। मौलाना खलीलुर्रहमान पहले कटरा कोतवाली क्षेत्र के भटवा की पोखरी स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ता था। पिछले छह वर्ष से चील्ह थाना क्षेत्र के हुसैनी मस्जिद में नमाज पढ़ा रहा था।

भूत-प्रेत दूर करने के नाम पर करता था ब्रेनवाश : मिर्जापुर एएसपी ऑपरेशन मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि मौलवी खलीलुर्रहमान जादू-टोना, भूत-प्रेत दूर करने के नाम पर लोगों का ब्रेनवाश करता था। ताबीज आदि देकर इस्लाम धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करता था। खासतौर पर महिलाओं को धर्म के नाम पर प्रभावित कर भ्रमित करता था। लोगों के घर जाकर जादू-टोने के नाम पर प्रभावित करता था।

लड़कियों का एआई से अश्लील वीडियो बनाता था : जिम संचालन और ट्रेनरों पर दो पीड़िताओं ने बुरका पहनाने, कलमा पढ़ाकर धर्मांतरण करवाने का आरोप लगाया था। इस पर प्राथमिकी दर्ज हुई थी। कलमा पढ़ाकर खलीलुर्रहमान ही धर्मांतरण करता था। मौलवी जिम ट्रेनरों द्वारा लाई गई लड़कियों, युवतियों का ब्रेनवाश करता था।

जिम ट्रेनर प्रेम जाल में फंसाकर युवतियों, लड़कियों को मौलवी के पास लाते थे। जो उसके बहकावे में नहीं आती थी, उसका एआई से अश्लील वीडियो बनाता था। फिर ब्लैकमेल कर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाता था। गिरोह के सदस्यों ने 50 से अधिक लड़कियों, युवतियों के अश्लील वीडियो बनाए थे। 50 में से 30 से अधिक को कलमा पढ़वाकर धर्म परिवर्तन कराया गया था। इसमें मौलवी खलीलुर्रहमान की अहम भूमिका थी।

बड़े घरों में जाता था मौलवी : पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि मौलवी खलीलुर्रहमान का बड़े घरों में आना-जाना था। बड़े घर की लड़कियों को बहला कर

> जिम में धर्मांतरण कराने वाले गिरोह के साथ मौलवी लगातार संपर्क में था। भूत-प्रेत व जादू-टोना व ताबीज के जरिये महिलाओं और बच्चों को प्रभावित करता था। हिंदू लड़कियों को वशीभूत कर धर्मांतरण कराता था। वाराणसी के लोहता थाने में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है। जिम में धर्मांतरण मामले में कितने लोगों का धर्म परिवर्तन और निकाह कराया, उसकी जांच की जा रही है।
>
> **- मनीष कुमार मिश्रा**
> एएसपी ऑपरेशन

गलत कार्य करता था। मौलवी और जि ट्रेनर संगठित होकर यह कार्य करते थे। इस लिए संगठन बनाया था। हेड कांस्टेब इरशाद खान ने हिंदू युवती से निकाह कि है। मौलवी खलीलुर्रहमान ने ही यह निक कराया था।

पार्टी करने चंडीगढ़ जाता है लक अली : सरगना इमरान खान का भ असफाक उर्फ लकी अली खान 10 स से चंड़ीगढ़ में पार्टी करने जा रहा है। पुलि की एक टीम वहां भी गई। लकी जिस होट में था, वहां पहुंची पर वह निकल गया थ पुलिस लकी की तलाश में है।

ट्रक - डंपर की टक्कर से कानपुर सागर हाइवे पर 20 किलोमीटर तक रहा 6 घंटे जाम

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां आज गुरुवार की सुबह बिधनू में आगे चल रहे ट्रक में पीछे से डंपर जा घुसा। हादसे के बाद कानपुर-सागर हाईवे पर जाम लगना शुरू हो गया। बिधनू पुलिस और एनएचआई ने क्षतिग्रस्त वाहन को हाइवे से किनारे नहीं कराया। इसके चलते लगभग 6 घंटे तक हाइवे पर जाम लगा रहा।

इसकी सूचना मिलते ही घाटमपुर एसीपी मौके पर पहुंचे उन्होंने पुलिस बल के साथ क्षतिग्रस्त वाहन को किनारे करवा कर हाईवे पर यातायात बहाल कराया है। इस दौरान लगभग 20 किलोमीटर तक जाम के हालात बने रहे।

जानकारी के मुताबिक आज गुरुवार सुबह करीब 4 बजे बिधनू थाना क्षेत्र के रिंद नदी पुल के पास आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दी। इससे अनियंत्रित डंपर ट्रक में पीछे से जा घुसा। हादसे में डंपर चालक पतरेठा निवासी बब्लू और क्लीनर घनश्याम घायल हो गया।

राहगीरों की सूचना पर पहुंची बिधनू पुलिस ने हाइवे पर खड़े क्षतिग्रस्त वाहन को किनारे नहीं करवाया। पुलिस की इसी लापरवाही के चलते जाम के हालात बनते चले गए। हाइवे पर गाड़ियों की लाइन लग गई। लगभग छह घंटे तक जाम लगा रहा। जब क्षतिग्रस्त वाहन को किनारे करवाया गया। जिसके बाद ही हाइवे पर यातयात बहाल हो सका। इस दौरान लगभग 20 किलो मीटर लंबा जाम लगने से राहगीर बहुत परेशान भी रहे।

संपत्तियों के लंबित भुगतान वसूलने के लिए लागू करें ओटीएस योजना, डिफॉल्टरों को मिलेगी राहत

लखनऊ। विकास प्राधिकरणों और आवास विकास परिषद की आवंटित संपत्तियों के लंबित भुगतान की वसूली के लिए राज्य सरकार जल्द ही एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस)-2026 लागू करेगी। इससे प्रदेश भर के 19 हजार से अधिक आवंटियों को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आवास विभाग और आवास विकास परिषद के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि ओटीएस के माध्यम से वर्षों से लंबित मामलों का जल्द निस्तारण किया जाए। योजना के तहत आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों पर लगे ब्याज और दंड शुल्क (पेनाल्टी) में भारी छूट दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय से बकाया देयों और विवादित मामलों के कारण न सिर्फ योजनाओं की प्रगति रुक रही है, बल्कि आम लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसलिए ओटीएस को व्यावहारिक, सरल और जनहितकारी बनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि योजना का उद्देश्य केवल वसूली नहीं, बल्कि आम नागरिकों को राहत देना होना चाहिए।

किश्तों में भुगतान की भी सुविधा : सीएम ने निर्देश दिए कि यदि कोई आवंटी एकमुश्त भुगतान करने में सक्षम नहीं है, तो उसे किश्तों में भुगतान की सुविधा दी जाए। वहीं, जो आवंटी एकमुश्त भुगतान करेंगे, उन्हें अतिरिक्त छूट का लाभ भी दिया जाए। उन्होंने सभी आवेदनों का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

2020 की ओटीएस से फिर हुए थे डिफॉल्ट : गौरतलब है कि 2020 में भी ओटीएस योजना लागू की गई थी, जिससे हजारों लोगों को लाभ मिला था। लेकिन कोविड-19 के कारण कई आवंटी अंतिम भुगतान नहीं कर पाए और उनके मामले फिर डिफॉल्ट हो गए। ऐसे लोगों की संख्या अब 19 हजार से अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार योजना का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

अयोध्या में बनेगी वैदेही आर्ट गैलरी : बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद किया। उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पास वशिष्ठ भवन परिसर में वैदेही आर्ट गैलरी स्थापित करने के निर्देश दिए। यह गैलरी माता सीता के जीवन और चरित्र पर आधारित होगी। सीएम ने कहा कि गैलरी में मिथिला की संस्कृति, लोकपरंपराएं और कला को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़कर स्मार्ट होगी पढ़ाई

ऑनलाइन डिस्टेंस लर्निंग पर भी है विश्वविद्यालय का जोर

आगरा। इस नई व्यवस्था के तहत कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि, प्रबंधन सहित सभी विषयों में एआई के उपयोग, डिजिटल टूल्स, डेटा आधारित सोच और तकनीक को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। इससे पारंपरिक विषयों के साथ-साथ तकनीकी स्तर भी छात्रों को विकसित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय की ओर से ओपन डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) एवं ऑनलाइन लर्निंग को भी विस्तार दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के पूर्व से संचालित 6 पाठ्यक्रमों को आगामी सत्र से ऑनलाइन माध्यम से प्रारंभ किया जाएगा। इनमें एमबीए, बीबीए, बीसीए, एमकॉम, बीकॉम और एमए इंग्लिश शामिल हैं। यह सुविधा जीरो इन्वेस्टमेंट मॉडल पर आधारित होगी, जिससे दूर क्षेत्रों एवं कार्यरत विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल सकेगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पाठ्य सामग्री और मार्गदर्शन दिया जाएगा। खास बात ये है कि ये सुविधा उन्हीं विश्वविद्यालयों को स्वीकृत हुई है, जिनका ग्रेड नैक ए प्लस(3.36 से अधिक स्कोर) है।

विश्वविद्यालय में संचालित विवेकानंद इनक्यूबेशन फाउंडेशन (वीआईएफ) के माध्यम से विद्यार्थियों में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में कुलपति प्रो. आशु रानी, कुलसचिव, वित्त अधिकारी के साथ प्रो. संजय चौधरी एवं प्रो. शरद चंद उपाध्याय शामिल हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय के 15 छात्र अपने स्टार्टअप प्रारंभ कर चुके हैं। फाउंडेशन के माध्यम से छात्रों को निशुल्क मेंटरशिप, स्टार्टअप मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। विद्यार्थी फाउंडेशन की वेबसाइट vifagra.in के माध्यम भी मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

होली के लिए रोडवेज की एसी बसों की एडवांस बुकिंग खुली, सीटों की ऑनलाइन कर सकते हैं बुकिंग

लखनऊ। होली पर सफर के लिए रोडवेज बसों में सीटों की ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो गई है। ये बसें आलमबाग बस अड्डे से चलेंगी। इनमें लखनऊ से दिल्ली, देहरादून, जयपुर, गोरखपुर, बरेली आदि रूटों की बसें शामिल हैं।

होली के आसपास रोडवेज बसों में सफर करने वालों के लिए ऑनलाइन सीटों की बुकिंग बुधवार को खुल गई है। बसों में ऑनलाइन सीटों की बुकिंग 30 दिन पहले खुलती हैं। होली पर सफर के लिए लोगों ने टिकट बुकिंग शुरू भी कर दी है।

रोडवेज लखनऊ परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक अमरनाथ सहाय ने बताया कि सिर्फ एसी बसों में एडवांस सीट बुक कराने की सुविधा होगी। इसके लिए चुनिंदा रूटों पर संचालित होने वाली बसों में एडवांस में सीटें बुक कराई जा सकती हैं।

प्रदेश में 50 से ज्यादा जिलों में दिखेगा कोहरा, हवाएं चलने से पारा गिरने का अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बारिश का दौर थमते ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है। प्रदेश के कई हिस्सों में पछुआ हवाएं चलने से सुबह और शाम की ठंड बढ़ गई है। हवा में नमी होने के कारण बुधवार सुबह तराई और आसपास के जिलों में घना कोहरा छाया रहा। आगरा, गाजियाबाद, प्रयागराज और कानपुर में कोहरे के कारण दृश्यता लगभग शून्य हो गई, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। वहीं बाराबंकी में दृश्यता 20 मीटर और सुल्तानपुर में 30 मीटर तक सिमट गई।

बारिश के बाद चली पछुआ से बढ़ी ठंड, कई जिलों में घने कोहरे और बारिश का असर; जारी हुई चेतावनी : मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए तराई के 13 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ रहा है। इसके चलते शुक्रवार से पूरे प्रदेश में 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पछुआ हवाएं चलने की संभावना है। इससे रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट आ सकती है, हालांकि कोहरे में धीरे-धीरे कमी आएगी।

संभल में हुई सर्वाधिक बारिश : फरवरी में पिछले चार दिनों की बारिश पर नजर डालें तो संभल में सबसे ज्यादा 73.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा मेरठ में 51.8 मिलीमीटर और बागपत में 41.3 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई है। बारिश के बाद बदले मौसम ने ठंड का एहसास और बढ़ा दिया है।

इन इलाकों में है घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट : कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत व आसपास के इलाकों में।

यहां भी रहेगा कोहरा : बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, गोंडा, सीतापुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरेया, अमरोहा, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

लखनऊ में छाया कोहरा और ठिठुरते लोग।

राजधानी में बुधवार को दिन चढ़ने के साथ धूप खिली, लेकिन तेज रफ्तार पछुआ हवाओं के चलते सुबह और शाम ठंडक बनी रही। धूप के बावजूद सर्द हवाओं का असर महसूस होता रहा। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश से पश्चिमी विक्षोभ का असर लगभग खत्म हो चुका है।

अब पछुआ हवाओं के प्रभाव से आने वाले दो दिनों में रात के तापमान में हल्की और गिरावट आने की संभावना है। दिन में धूप निकलने से मौसम सामान्य बना रहेगा और अधिकतम तापमान में फिलहाल किसी बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं। पछुआ के असर से कोहरे की सघनता घटेगी।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ गया है, जिससे अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि सुबह के समय हल्का कोहरा छाने की संभावना बनी रहेगी।बुधवार को अधिकतम तापमान 2.3 डिग्री की बढ़त के साथ 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री की गिरावट के साथ 10.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी अखबार में छंटनी-शशि थरूर के बेटे की नौकरी गई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के मशहूर अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने बुधवार को 800 पत्रकारों में से 300 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। इसमें सीनियर कॉलमिस्ट ईशान थरूर भी शामिल हैं। वे कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बेटे हैं। ईशान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि वॉशिंगटन पोस्ट ने इंटरनेशनल टीम के कई शानदार पत्रकारों के साथ उन्हें भी नौकरी से निकाल दिया है। यह न्यूज रूम के लिए बेहद दुखद दिन है। एग्जीक्यूटिव एडिटर मैट मरे ने बताया कि जेफ बेजोस की कंपनी पिछले कई सालों से घाटे में चल रही थी। इस छंटनी में स्पोर्ट्स सेक्शन पूरी तरह बंद कर दिया गया है, हालांकि कुछ रिपोर्टर फीचर्स डिपार्टमेंट में शिफ्ट होकर स्पोर्ट्स की कल्चर कवरेज जारी रखेंगे। लोकल न्यूज सेक्शन छोटा हो जाएगा, बुक्स सेक्शन बंद हो जाएगा और डेली न्यूज पॉडकास्ट 'पोस्ट रिपोर्ट्स' भी खत्म हो जाएगा। वॉशिंगटन पोस्ट ने मिडिल ईस्ट, इंडिया और ऑस्ट्रेलिया से भी रिपोर्टर और एडिटर निकाल दिए हैं।

संसदीय समिति बोली-रेलवे आरएसी बर्थ मिलने पर आंशिक किराया लौटाए

नई दिल्ली। संसदीय समिति ने मंगलवार को कहा RAC कैटेगरी के तहत बुक किए गए टिकटों के लिए यात्री से पूरा किराया लेना सही नहीं है। समिति ने रेल मंत्रालय को सुझाव दिया कि रेल मंत्रालय को ऐसे यात्री को आंशिक किराया वापस करने के लिए नियम बनाना चाहिए। मौजूदा नियम के तहत, रेलवे RAC कैटेगरी के तहत ट्रेनों में बर्थ बुक करने के लिए यात्री से पूरा किराया लेता है। हालांकि, यात्री RAC कैटेगरी में रह सकता है और बर्थ दूसरे RAC यात्री के साथ साझा कर सकता है। दोनों यात्री रेलवे को पूरा किराया देते हैं। वहीं, सुपरफास्ट ट्रेनों को कैटेगराइज करने के लिए समिति ने कहा कि इसके लिए 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार का बेंचमार्क बेहद कम है। समिति ने कहा कि 2007 से सुपरफास्ट ट्रेनों के कैटेगराइजेशन के नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अभी 55 किमी/घंटे की रफ्तार वाली ट्रेनें सुपरफास्ट मानी जाती हैं। लेख लेखा समिति(PAC) ने बुधवार को संसद में पेश की गई अपनी रिपोर्ट 'भारतीय रेलवे में ट्रेन संचालन में समय की पाबंदी और यात्रा का समय' में कहा कि RAC (कैंसलेशन के बदले आरक्षण) के तहत टिकटों के लिए पूरा किराया लेना सही नहीं है। इसमें चार्ट बनने के बाद भी टिकट धारक को बिना बर्थ की सुविधा के RAC कैटेगरी में रहना पड़ता है। समिति ने रेलवे से ऐसे यात्रियों को आंशिक किराया वापस करने और इस संबंध में उठाए गए कदमों के बारे में उसे सूचित करने का आग्रह किया।

एमपी के 30 और यूपी के 15 जिलों में कोहरा

नई दिल्ली/लखनऊ/देहरादून/शिमला। देश के उत्तरी राज्य अगले 5 दिन में एक बार फिर दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से प्रभावित होंगे। पहला डिस्टरबेंस 5-6 फरवरी को एक्टिव रहेगा। इसके चलते मध्य प्रदेश का आधा हिस्सा, यूपी के 15 जिले, पंजाब-हरियाणा और चंडीगढ़, उत्तराखंड में सुबह कोहरा छाया रहा। कई जगहों पर विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी रुक गई है। लेकिन तापमान लगातार माइनस में दर्ज किया जा रहा है। उत्तराखंड में पाला पड़ा है। पाला ऐसी कंडीशन है, जब रात में तापमान बहुत गिर जाता है और हवा की नमी जमकर पौधों, घास या जमीन पर बर्फ जैसी सफेद परत बन जाती है। वहीं राज्य में बद्रीनाथ में माइनस 20 तापमान रिकॉर्ड हुआ है। हिमाचल प्रदेश का कुकुमसेरी में माइनस 12.2° के साथ सबसे सर्द इलाका बना हुआ है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में अभी बर्फीली हवाओं से तापमान में गिरावट हो रही है। लेकिन गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश में धीरे-धीरे दिन और रात का तापमान बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक 9-10 फरवरी को एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा जिससे पश्चिमी हिमालय में कुछ जगहों पर बारिश/बर्फबारी की आशंका है।

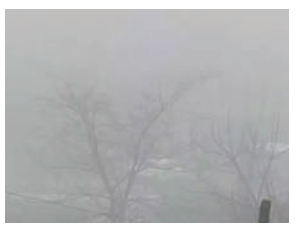

भोपाल में छात्राओं पर कटर से हमला

भोपाल। भोपाल में तीन छात्राओं पर कटर से हमला करने वाले साइको मैन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे बुधवार रात छोला इलाके में घेराबंदी कर पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का नाम देवेंद्र अहिरवार है। वह सागर जिले का रहने वाला है। शुरुआती जांच में पता चला है कि पत्नी से झगड़ा होने के बाद उसने अपना गुस्सा निकालने के लिए एक बाद एक तीन छात्राओं को निशाना बनाया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पर 20 हजार रुपए इनाम था। क्राइम ब्रांच, अयोध्या नगर और पिपलानी थाने की 5 टीमें उसकी तलाश में लगी थी। इसमें करीब 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी शामिल थे। इसके लिए पुलिस ने शहर के आपराधिक प्रवृत्ति वालों का डेटा निकालकर भी मैच करने की कोशिश की थी। पुलिस के मुताबिक,आरोपी शराब पीने का आदी है और भोपाल में मजदूरी करता है। पुलिस ने बदमाश की तलाश के लिए 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। इसके बाद उसे बदमाश का सुराग लगा। सिरफिरे देवेंद्र अहिरवार ने 29 जनवरी की रात पत्नी से विवाद किया था। इसके बाद बाइक पर सवार होकर निकला। भानपुर ब्रिज के रास्ते आरोपी अयोध्या नगर और पिपलानी इलाके में पहुंचा। यहां उसने तीन छात्राओं पर कटर से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। दो छात्राओं को गंभीर चोटें आई थीं, जबकि एक को मामूली चोट लगी। 30 जनवरी को पीड़िताओं की शिकायत पर अयोध्या और पिपलानी पुलिस ने दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की थी। आरोपी अलग-अलग स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ था। आरोपी ने अपना चेहरा रूमाल से ढंक रखा था। पिपलानी इलाके में ही आरोपी ने एक अन्य युवती पर भी हमला किया था। हालांकि मामूली रूप से घायल हुई थी।

'20 हजार के लिए बेटी मार डाली'

कैथल। कैथल में 3 दिन पहले दहेज के लिए हुई महिला ज्योति की हत्या के मामले में खुलासा हुआ है। ज्योति के पिता ने कहा कि 20 हजार रुपए के लिए पति ने उसे मार डाला। ज्योति पर बार-बार पैसे लाने का दबाव बनाया जा रहा था। वह उसे कह रहे थे कि उनकी कपड़े की दुकान में लॉस हो गया है, इसलिए पैसे लेकर आ। इसी बात पर 2 फरवरी को ज्योति के पति ने लकड़ी की फट्टी से उसकी बेरहमी से पिटाई की, जिसमें उसकी मौत हो गई। पिता का कहना है कि दहेज को लेकर काफी लंबे समय से बेटी को परेशान किया जा रहा था। पूंडरी थाने में 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ज्योति के पति को गिरफ्तार कर चुकी है। 2017 में हुई थी शादीः ज्योति के पिता वेद प्रकाश ने बताया कि 4 मार्च 2017 को बेटी की शादी डूलियाणी गांव के सुरजीत के साथ की थी। सुरजीत प्लंबर का काम करता है। शादी के बाद 7 साल का बेटा दक्ष और 5 साल की बेटी दीक्षा है। पिछले 5 साल से सुरजीत अपने परिवार से अलग रह रहा है।

रूस बोला-भारत किसी से भी तेल खरीदने के लिए आजाद

एजेंसी, मॉस्को

रूस ने बुधवार को कहा कि भारत किसी भी देश से क्रूड ऑयल खरीदने के लिए पूरी तरह आजाद है। रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस कभी भी भारत का एकमात्र एनर्जी पार्टनर नहीं रहा है। अगर भारत तेल की खरीद किसी और देश से करता है, तो इसे गलत नहीं माना जाना चाहिए। पेस्कोव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर रहा है, इस तरह की कोई भी ऑफिशियल जानकारी भारत की ओर से नहीं दी गई है। उन्होंने एक दिन पहले भी यही बात कही थी कि नई दिल्ली से ऐसा कोई मैसेज नहीं आया है।

ट्रम्प का दावा- भारत रूसी तेल खरीदना बंद करेगाः इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि भारत, अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील के तहत रूस से तेल खरीद रोकने को तैयार हो गया है। उन्होंने कहा था कि अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौता हुआ है। इसके तहत भारतीय सामानों पर लगने वाला टैरिफ 50% से घटकर 18% हो गया है। उन्होंने दावा किया कि इसके बदले में भारत, रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और व्यापार से जुड़ी टैरिफ की रुकावटें भी कम करेगा।

रूसी प्रवक्ता बोलीं- तेल खरीदी दोनों देशों के लिए फायदेमंदः रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बुधवार को रूस और भारत के बीच हाइड्रोकार्बन व्यापार जारी रखने की बात कही। उन्होंने कहा भारत की रूसी हाइड्रोकार्बन की खरीद दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है। यह वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने में मदद करती है। हम अपने भारतीय साझेदारों के साथ निकट सहयोग जारी रखने के लिए तैयार हैं। इस बीच रूस के एनर्जी एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत के लिए रूसी तेल को पूरी तरह छोड़कर किसी और देश का तेल लेना आसान नहीं है। नेशनल एनर्जी सिक्योरिटी फंड के विशेषज्ञ इगोर युशकोव ने बताया कि अमेरिका जो तेल बेचता है, वह हल्का होता है, जबकि रूस, भारत को भारी और सल्फर वाला यूराल्स क्रूड सप्लाई करता है जिसका इस्तेमाल भारतीय रिफाइनरियां करती हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत अमेरिका से हल्का तेल खरीदेगा, तो उसे दूसरे तेलों के साथ ब्लेंड (मिक्स) करना पड़ेगा, ताकि मशीनें ठीक से चल सकें। ऐसा करने पर भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ जाएगी। यानी कि भारत को अमेरिकी तेल खरीदना ज्यादा महंगा पड़ेगा।

इसमें कुछ भी गलत नहीं, भारत ने तेल खरीद रोकने की आधिकारिक जानकारी नहीं दी

लुंबिनी में 29-30 अप्रैल को तीसरा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन होगा

एजेंसी, काठमांडू

लुंबिनी में 29-30 अप्रैल को तीसरा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। गुरुवार को हुई लुंबिनी विकास कोष की परिषद बैठक ने लुंबिनी के पर्यटन प्रवर्द्धन और पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय समुदाय में लुंबिनी के प्रचार-प्रसार को नई ऊंचाई तक ले जाने के लक्ष्य के साथ इस सम्मेलन के आयोजन का निर्णय लिया। संस्कृति, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री तथा लुंबिनी विकास कोष के अध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक ने अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन के लिए मूल आयोजक समारोह समिति के गठन को भी मंजूरी दी। लुंबिनी विकास कोष के उपाध्यक्ष डॉ. ल्हारक्याल लामा को संयोजक बनाते हुए 10 सदस्यीय मूल समारोह समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने चालू आर्थिक वर्ष के लिए सम्मेलन आयोजन के लिए 3 करोड़ रुपये का बजट विनियोजित किया है। इससे पहले देश में हुए राजनीतिक और संरचनात्मक परिवर्तनों के कारण नवंबर में प्रस्तावित सम्मेलन को 2570वीं बुद्ध जयंती के अवसर पर आगामी 29-30 अप्रैल को लुंबिनी में आयोजित करने की तैयारी की गई है। समारोह समिति के संयोजक डॉ. लामा ने बताया कि बुद्ध धर्म और दर्शन के माध्यम से विश्व शांति को बढ़ावा देने, दया, करुणा और विश्व बंधुत्व की भावना फैलाने के उद्देश्य से यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में विश्व के 60 से अधिक देशों से बौद्ध विद्वानों, गुरुओं, विशिष्ट अतिथियों तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तित्वों की भागीदारी रहने की उम्मीद है। दो दिवसीय सम्मेलन में बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी, कपिलवस्तु तथा बुद्ध से जुड़े क्षेत्रों की धरोहर, लुंबिनी क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थिति, विश्व बौद्ध धरोहर, बौद्ध शिक्षा और संस्कृति जैसे विषयों पर चर्चा और कार्यपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

तमिलनाडु के मिनिस्टर बोले-उत्तर भारतीय यहां पानीपुरी बेचते हैं

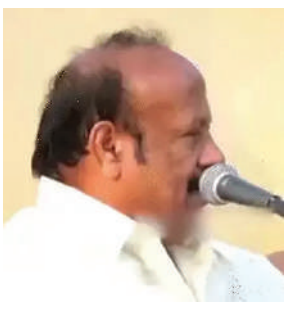

एजेंसी, नई दिल्ली

तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने कहा कि उत्तर भारत से आए लोग सिर्फ हिंदी जानते हैं, इसलिए उन्हें अच्छी नौकरियां नहीं मिलतीं। वे तमिलनाडु आकर टेबल साफ करने, मजदूरी करने या पानी पूरी बेचने जैसे काम करते हैं। पन्नीरसेल्वम ने बुधवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) की वजह से हमारे बच्चे अमेरिका, लंदन जैसी जगहों पर जाकर करोड़ों कमा रहे हैं। बीजेपी और दूसरी विपक्षी पार्टी DMK नेता के इस बयान का विरोध कर रहे है।

तमिलनाडु बीजेपी ने सोशल मीडिया X पर पन्नीरसेल्वम की वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि यह केवल एक व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं है, बल्कि एक पैटर्न बन चुका है। भाजपा ने कहा- DMK के कई नेता प्रवासी मजदूरों का, विशेषकर उत्तर भारतीय या हिंदी बोलने वालों का बार-बार मजाक उड़ा चुके हैं। ऐसे में जब तमिलनाडु में प्रवासी मजदूरों के खिलाफ हिंसा बढ़ रही है, इस तरह के बयान गैर-जिम्मेदाराना और खतरनाक हैं।

उन्हें सिर्फ हिंदी आती है, हमारे बच्चे तमिल-अंग्रेजी जानते हैं, विदेश में करोड़ों कमा रहे

चुनाव नज़दीक आते ही ओली पर दबाव बढ़ा रणनीतिक गठबंधनों की चर्चा फिर तेज

एजेंसी, काठमांडू

अगले माह 5 मार्च को होने वाले चुनाव में अब समय कम रह गया है जिससे नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएन-यूएमएल) पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के बाद पैदा हुआ राजनीतिक असर अब चुनावी परिदृश्य को स्पष्ट रूप से प्रभावित करने लगा है। पिछले साल 8 और 9 सितंबर को हुए जेन-जी प्रदर्शनों के दौरान हुई मानवीय और भौतिक क्षति को लेकर यूएमएल लगातार आलोचना के घेरे में है। उस समय पार्टी अध्यक्ष और तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार का नेतृत्व कर रहे थे। आलोचकों का आरोप है कि ओली ने हिंसा की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की और यही आरोप पार्टी का पीछा करता रहा है। हाल ही में ओली ने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से जान गंवाने वाले 19 लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की लेकिन इससे जनआक्रोश शांत नहीं हो सका। ज्यादातर प्रमुख दलों के स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के फैसले के बीच यूएमएल की चुनौतियां और बढ़ गई हैं। काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर बालेन शाह का झापा-5 से चुनाव लड़ने का निर्णय ओली पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है, क्योंकि यह क्षेत्र परंपरागत रूप से उनका गढ़ माना जाता रहा है। वहीं, यूएमएल के महासचिव शंकर पोखरेल भी दांग-2 में कड़े मुकाबले का सामना कर रहे हैं, जिससे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर खतरे की आशंका बढ़ गई है। इसी पृष्ठभूमि में ओली ने कुछ चुनिंदा निर्वाचन क्षेत्रों में सीमित चुनावी सहयोग की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी हैं। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष गगन थापा द्वारा किसी भी प्रकार के गठबंधन को स्पष्ट रूप से नकारे जाने के बाद, ओली कथित तौर पर नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के साथ समन्वय की संभावनाएं टटोल रहे हैं। उधर, एनसीपी के समन्वयक पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' पर भी राजनीतिक दबाव दिखने लगा है। उन्होंने हाल ही में एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर संकेत दिया कि वे प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में नहीं हैं और युवा पीढ़ी को आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। यूएमएल–एनसीपी संभावित समन्वय की अटकलों को तब और बल मिला जब अंतरिम सरकार ने देशभर में 80 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात कर यह स्पष्ट कर दिया कि 5 मार्च के चुनाव स्थगित नहीं होंगे। ऐसे में ओली और प्रचंड दोनों ही अपने-अपने राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने की कोशिश में जुटे नजर आ रहे हैं। ओली जहां झापा में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं, वहीं प्रचंड रुकुम पूर्व में अपेक्षाकृत सुरक्षित महसूस करने के बावजूद देशव्यापी बेहतर नतीजों के रास्ते तलाश रहे हैं। ओली एनसीपी या राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के साथ गठबंधन के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। 2022 के चुनावों में यूएमएल और आरपीपी के बीच सफल समन्वय देखने को मिला था, जिसमें ओली ने झापा-5 और आरपीपी अध्यक्ष राजेंद्र लिंगदेन ने झापा-3 से जीत हासिल की थी। हालांकि, लिंगदेन ने संकेत दिया है कि आरपीपी इस बार स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी, जिससे ओली का रुझान एनसीपी की ओर बढ़ता दिख रहा है। एनसीपी नेताओं ने पुष्टि की है कि ओली ने चुनावी सहयोग का प्रस्ताव रखा है, हालांकि अभी तक कोई औपचारिक निर्णय नहीं हुआ है।

स्पीकर बोले-कल पीएम के साथ कुछ भी हो सकता था, इसलिए मैंने लोकसभा में उनकी स्पीच टाली

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि बुधवार को लोकसभा में पीएम मोदी के साथ अप्रत्याशित घटना हो सकती थी। इसलिए उनकी कल शाम 5 बजे होने वाली स्पीच टालनी पड़ी। आशंका के चलते मैंने ही उनसे न आने का आग्रह किया था। न्यूज एजेंसी ANI ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि बुधवार को PM की स्पीच के दौरान कांग्रेस लोकसभा में उन पर हमला करने की योजना बना रही थी, इसी आशंका के चलते स्पीकर ने सदन स्थगित करने का फैसला लिया। दरअसल, पीएम मोदी 5 फरवरी को लोकसभा में शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन विपक्ष की महिला सांसदों के हंगामे के चलते स्पीकर संध्या राय ने कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित कर दी। इससे पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन भी टल गया था। वहीं, धन्यवाद प्रस्ताव को हंगामे के बीच गुरुवार पास कराया गया। 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है।

स्पीकर बोले- पोस्टर लेकर आएंगे तो सदन नहीं चलेगाः लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा- कल लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय में जो हुआ, वह सदन के इतिहास में कभी नहीं हुआ। जब सदन के नेता पीएम मोदी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब देना था तो विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंचकर कोई अप्रत्याशित घटना कर सकते थे। बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा कि आप पोस्टर लेकर आएंगे तो सदन नहीं चलेगा।

दावा- कांग्रेस ने हमले की प्लानिंग की थी

जिस तरह से महिला सदस्य पीएम की सीट तक पहुंची, उसे देश ने देखा। ये उचित नहीं था। ये सदन की गरिमा के अनुकूल भी नहीं था। इस बीच विपक्ष के सांसद हंगामा कर रहे थे, इसको देखते हुए स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा की कार्रवाई शुक्रवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी।

मणिपुर की नई डिप्टी सीएम नेमचा किपगेन का विरोध

कुकी ग्रुप्स ने बंद बुलाया, आज से विधानसभा का सत्र शुरू होगा

एजेंसी, नई दिल्ली/इंफाल

मणिपुर में आज से विधानसभा का नया सत्र शुरू हो रहा है। यह सत्र नए मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के शपथ ग्रहण के एक दिन बाद बुलाया गया है। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने गुरुवार शाम 4 बजे से सत्र बुलाया है। इधर, दिल्ली में बुधवार शाम को कुकी-जो समूह से जुड़े लोगों ने मणिपुर भवन के बाहर प्रदर्शन किया। मणिपुर में जॉइंट फोरम ऑफ सेवन (JF7) ने शुक्रवार को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक कुकी बहुल इलाकों में बंद का आह्वान किया है। ये विरोध प्रदर्शन कुकी समुदाय से आने वाली उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन का किया जा रहा है। कुकी-जो परिषद ने कहा है कि यदि समुदाय का कोई विधायक सामूहिक फैसले के खिलाफ सरकार में शामिल होता है, तो उसके फैसले की जिम्मेदारी संगठन की नहीं होगी। नेमचा किपगेन कांगपोकपी से भाजपा विधायक हैं और इससे पहले बीरेन सिंह सरकार में सामाजिक कल्याण, सहकारिता, वाणिज्य, उद्योग और वस्त्र विभाग की मंत्री रह चुकी हैं।

आसाराम के अहमदाबाद आश्रम पर चलेगा बुलडोजर

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जमीन वापस लेने का आदेश दिया, 500 करोड़ से ज्यादा है कीमत

एजेंसी, अहमदाबाद

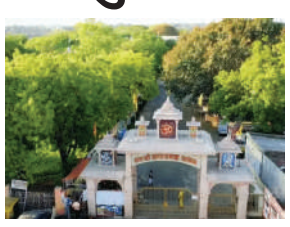

अहमदाबाद के मोटेरा में स्थित आसाराम का मुख्य आश्रम अब कानूनी विवादों में है। गुजरात हाईकोर्ट ने 45,000 वर्ग मीटर से अधिक की आश्रम की जमीन को राज्य सरकार के कब्जे में लेने और अवैध ढांचों को हटाने की मंजूरी दे दी है। इस आश्रम की जगह अब 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा। वर्तमान में इस जमीन की मार्केट वैल्यू 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की है। गुजरात हाईकोर्ट की जस्टिस वैभवी नानावती ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार को जमीन वापस लेने की अनुमति दी. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि विकास परियोजना की आवश्यकता और नियमों के उल्लंघन को देखते हुए सरकारी कार्रवाई उचित है.

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर 31 घंटे बाद जाम खुला, टैंकर पलटने से रास्ता बंद था

एजेंसी, मुंबई/पुणे

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर करीब 31 घंटे बाद गुरुवार सुबह ट्रैफिक जाम खुल गया। यहां 3 फरवरी से डेढ़ लाख वाहनों में लोग फंसे थे। गाड़ियों की 25 किमी लंबी कतारें लग गई थीं। जाम में फंसे लोगों को खाना, पानी और टॉयलेट सुविधाओं की कमी के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस जाम में फंसे लोगों में उद्योगपति और पिनैकल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सुधीर मेहता भी शामिल थे। वे एक्सप्रेसवे पर लगभग आठ घंटे तक फंसे रहे और बाद में उन्हें हेलिकॉप्टर से पुणे ले जाया गया। मेहता ने बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर हेलिकॉप्टर से ली गई जाम की तस्वीर शेयर की। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर खंडाला घाट सेक्शन में 3 फरवरी की शाम करीब 5 बजे अडोशी टनल के पास एक गैस टैंकर पलट गया था। टैंकर से प्रोपाइलीन गैस लीक हो रही थी। इसके बाद सुरक्षा कारणों से एक्सप्रेसवे के कई हिस्से बंद करने पड़े थे। महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (MSRDC) के अनुसार, टैंकर में मौजूद प्रोपाइलीन गैस को दूसरे टैंकरों में ट्रांसफर किया गया। फिर क्षतिग्रस्त टैंकर को रास्ते से हटाया गया। तब जाकर जाम धीरे-धीरे खुलना शुरू हुआ। गैस लीक के बाद हालात संभालने के लिए NDRF, SDRF और भारत पेट्रोलियम (BPCL) की टीमें मौके पर तैनात की गई थीं। पुणे से मुंबई जाने वाली लेन पूरी तरह बंद कर दी गई थी और ट्रैफिक को पुराने मुंबई-पुणे हाईवे की ओर डायवर्ट किया गया था। स्थिति को कुछ हद तक संभालने के लिए पुणे लेन से मुंबई की ओर 15–20 मिनट के ब्लॉक में गाड़ियां जा रही थी।

गाड़ियों की 25 किलोमीटर लंबी कतारें, डेढ़ लाख से ज्यादा लोग फंसे थे

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

भारत और इंग्लैंड के बीच आज खेला जाएगा यूथ अंडर 19 विश्व कप क्रिकेट

» दोपहर एक बजे से खेला जाएगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी, हरारे

भारत और इंग्लैंड की टीमें शुक्रवार को यहां यूथ अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराकर दसवीं बार फाइनल में प्रवेश किया जबकि इंग्लैंड टीम छठी बार फाइनल में पहुंची है। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमों ने अपने-अपने सभी मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। भी अपने सभी मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच फाइनल छह फरवरी को हरारे में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर एक बजे से खेला जाएगा. आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड की टीमों ने अब तक अंडर 19 में 55 यूथ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 41 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं भारतीय टीम को 13 मुकाबलों में उसे हार मिली जबकि एक मैच का परिणान नहीं निकला।। दूसरी ओर इंग्लैंड को 13 मैचों में जीत मिली है। फाइनल में पहुंचने के बाद उत्साहित भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि यहां पहुंचने का अहसास काफी अच्छा है। हमारे लिए विश्वकप कप फाइनल खेलना सुखद अनुभवी है। सभी प्रशंसकों से मेरी अपील है कि आप इसी प्रकार हमारा समर्थन करते रहें। हम फाइनल मैच में अपनी ओर से जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। हम फाइनल मैच को केवल एक गेम की तरह ही रखेंगे। भारत ने जहां पहले सेमीफाइनल में आरोन जॉर्ज के 115 रनों की शतकीय पारी से अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ-साथ गेंदबाजी यूनिट भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है। ऐसे में फाइनल में इंग्लैंड भारत को कड़ी चुनौती दे सकता है।

भारतीय टीमः आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एमान, एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उदय मोहन, हेमिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हर्षवर्धन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी

इंग्लैंड टीमः थॉमस रेव (कप्तान), फरहान अहमद, रॉकी अलर्ट, बिल वीसन, बेन डॉकिन्स, कालेब फॉल्कनर, अली फारूक, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हेंडरसन, मैनी लार्डन, बेन मेयर, जेम्स मीटो, जो मूर्स, सेबेस्टियन मॉर्गन

एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025–26 राउरकेला चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025–26 के राउरकेला चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट का यह चरण 10 से 15 फरवरी 2026 तक ओडिशा के राउरकेला स्थित बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। राउरकेला चरण में मेजबान भारत के साथ अर्जेंटीना और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने बेहद रोमांचक और उच्च स्तरीय मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है। भारतीय टीम में अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलित मिश्रण देखने को मिलता है। टीम प्रबंधन ने सभी विभागों—गोलकीपिंग, डिफेंस, मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन—में गहराई और संतुलन बनाए रखने पर खास ध्यान दिया है, ताकि प्रो लीग अभियान की घरेलू शुरुआत मजबूती से की जा सके। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी सूरज कारकेरा और पवन संभालेंगे। डिफेंस की कमान कप्तान हरमनप्रीत सिंह के हाथों में होगी। उनके साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, संजय और नीलम संजीप जेस शामिल हैं, जो टीम को रक्षात्मक मजबूती और नेतृत्व प्रदान करेंगे। डिफेंस सूची में अमनदीप लकड़ा का नाम भी शामिल है, जिन्होंने हाल ही में संपन्न पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025–26 में शानदार प्रदर्शन किया था और 'हीरो प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए थे। मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, नीलकांत शर्मा और रोसन कुजूर शामिल हैं। यह यूनिट अनुभव, नियंत्रण और रचनात्मकता का बेहतरीन संयोजन पेश करती है। ओडिशा के 21 वर्षीय रोसन कुजूर को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। वह 2025 एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा थे और हीरो हॉकी इंडिया लीग में वेदांता कलिंगा लांसरस के खिताबी अभियान में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं। फॉरवर्ड लाइन में अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडल और आदित्य अर्जुन ललागे शामिल हैं, जिन पर गोल करने और आक्रामक बढ़त दिलाने की जिम्मेदारी होगी। टीम की घोषणा पर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, "यह टीम अनुभव और युवा ऊर्जा का शानदार मिश्रण है। रोसन, मनमीत और अमनदीप जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी हमें संतुलन देती है। बेल्जियम और अर्जेंटीना मजबूत टीमें हैं, लेकिन हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है।" घरेलू दर्शकों के जोशीले समर्थन के बीच भारतीय टीम राउरकेला चरण में शानदार प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025–26 (राउरकेला चरण) के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम

गोलकीपरः सूरज कारकेरा, पवन।

डिफेंडर्सः अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित, संजय, नीलम संजीप जेस, अमनदीप लकड़ा

मिडफील्डर्सः राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, नीलकांत शर्मा, रोसन कुजूर

फॉरवर्ड्सः- अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडल, आदित्य अर्जुन ललागे।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को ओस से रहना होगा सावधान : धोनी

एजेंसी, रांची

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि भारतीय टीम अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्कवप में जीत की प्रबल दावेदार है। धोनी ने कहा कि टीम के पास वह सभी खूबियां हैं जो जीत के लिए चाहिये होती हैं। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। उसका क्षेत्ररक्षण अच्छा है। वह दबाव में भी जीत दर्ज करना जानती है। धोनी के अनुसार केवल एक चीज से उसे सावधान रहना होगा और वह है ओस। धोनी के अनुसार ओस एकदम से हालात बदल देती है। उन्होंने कहा, ' मुझे ओस नापसंद है। ओस बहुत सारी चीजों को बदल देती है। इसलिए जब मैं भी खेलता था तो मुझे ये बहुत डराती थी। जब भी ओस होती थी तो टॉस की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती थी। अगर हम कुछ बेस्ट टीमों के खिलाफ 10 मैच खेलें और स्थितियां एक जैसी हों तो हम उनमें से ज्यादातर बार विजेता रहेंगे।' टी20 क्रिकेट की अनिश्चितताओं का जिक्र करते हुए धोनी ने कहा, 'समस्या तब आती है जब आपके कुछ खिलाड़ियों का कोई दिन खराब हो और विपक्षी टीम में से किसी का वो शानदार दिन हो। और ये टी20 क्रिकेट में हो सकता है। ये लीग स्टेज में हो सकता है, नॉकआउट स्तर में हो सकता है और यही पर किस्मत की जरूरत होती है। कोई घायल नहीं होना चाहिए। जो भी भूमिका दी जाए, लोग टीम के लिए अपनी उस भूमिका को बखूबी निभाएं।' भारतीय टीम विश्वकप में अपने अभियान का आगाज शनिवार को मुंबई के वानखेड़े मैदान में अमेरिका के खिलाफ करेगी। टीम जबरदस्त फॉर्म में है और खिताब को बनाये रखने के लिए पूरे उत्साह के साथ उतरने जा रही है। वह टी20 में पिछले 9 द्विपक्षीय सीरीज से अजेय रही है। भारतीय टीम इस बार लगातार 9 द्विपक्षीय सीरीज जीतकर भी उत्साहित है और उसे जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास है जो कप्तान बनने के बाद से ही बेहद सफल रहे हैं।

संतोष ट्रॉफी में केरल ने पंजाब को 4-0 से रौंदा, फाइनल में सर्विसेज से होगी भिड़ंत

एजेंसी, असम

संतोष ट्रॉफी 2025-26 के सेमीफाइनल में केरल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब को 4-0 से करारी शिकस्त दी और फाइनल में जगह पक्की कर ली। यह मुकाबला गुरुवार को असम के धकुआखाना फुटबॉल स्टेडियम में खेला गया। अब संतोष ट्रॉफी 2025-26 का फाइनल मुकाबला केरल और सर्विसेज के बीच खेला जाएगा, जिसमें दोनों टीमें खिताब के लिए पूरी ताकत झोंकेंगी। केरल की जीत के नायक मुहम्मद रियास पीटी रहे, जिन्होंने मुकाबले के दोनों हाफ में एक-एक गोल दागा। उनके अलावा मुहम्मद अजसल और विकनेश एम ने भी एक-एक गोल कर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। पूरे मैच में केरल का दबदबा साफ नजर आया और पंजाब की टीम को वापसी का कोई मौका नहीं मिला। इस जीत के साथ केरल ने लगभग दो दशक बाद लगातार दूसरी बार संतोष ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया है। अब खिताबी मुकाबले में केरल का सामना सर्विसेज से होगा। इससे पहले दिन के पहले सेमीफाइनल में सर्विसेज ने सिलापाथार फुटबॉल स्टेडियम में रेलवे को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सर्विसेज की ओर से अभिषेक पवार ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के दोनों हाफ में एक-एक गोल दागकर अपनी टीम को दो साल बाद फाइनल में पहुंचाया। पवार ने 30वें मिनट के तुरंत बाद शानदार हाफ-वॉली से पहला गोल किया, जबकि दूसरे हाफ में पेनल्टी पर गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को जाल में पहुंचाया।

ज़ाग्रेब रैंकिंग सीरीज़ कुश्तीः अमन सहरावत को रजत, सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण

एजेंसी, नई दिल्ली

ज़ाग्रेब में जारी रैंकिंग सीरीज़ कुश्ती टूर्नामेंट में भारत ने शानदार शुरुआत की है। पुरुष फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं के पहले दिन बुधवार को भारत ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम करते हुए अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग सर्किट में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने 61 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत को दिन का पहला बड़ा परिणाम दिलाया। अमन ने शुरुआती दोनों मुकाबलों में दमदार तकनीकी जीत दर्ज की। उन्होंने पहले मुकाबले में जॉर्जिया के जियोर्गी गोनियाशविली को 10–0 से और दूसरे मुकाबले में ईरान के रज़ा मोमेनिजूजादेह को 12–2 से मात दी। हालांकि तीसरे दौर में अमन को अमेरिका के ऑस्टिन डी-सैंटो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जहां अमेरिकी पहलवान ने उन्हें 0–8 से फॉल के जरिए पराजित किया। भारत के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक सुजीत कलकल ने दिलाया। सुजीत ने पुरुषों के 65 किग्रा भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। उनकी इस जीत से भारतीय दल को टूर्नामेंट के शुरुआती दिन ही बड़ा मनोबल मिला और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक भी हासिल हुए। 70 किग्रा भार वर्ग में अभिमन्यु मंडवाल ने कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका को और मजबूत किया। अभिमन्यु ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिका के टायलर कासक को 10–0 से हराते हुए जबरदस्त प्रदर्शन किया। हालांकि सेमीफाइनल में उन्हें ईरान के सिना खलीली से 0–10 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने अमेरिका के इयान पार्कर को 6–3 से हराकर पदक पक्का किया। वहीं 86 किग्रा वर्ग में मुकुल दहिया कांस्य पदक से चूक गए। कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने कड़ा संघर्ष किया, लेकिन ईरान के अली सवदकूही से 5–6 के करीबी अंतर से हार गए। कुल मिलाकर ज़ाग्रेब रैंकिंग सीरीज़ के पहले दिन भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा और आने वाले मुकाबलों में टीम से और बेहतर नतीजों की उम्मीद की जा रही है।

संक्षिप्त

मैनचेस्टर सिटी काराबाओ कप के फाइनल में, आर्सेनल से होगी खिताबी जंग

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी ने बुधवार रात काराबाओ कप (लीग कप) के सेमीफाइनल में न्यूकैसल को 3–1 से हराकर कुल 5–1 के एग्रीगेट स्कोर के साथ फाइनल में जगह बना ली। अब फाइनल मुकाबले में प्रीमियर लीग की शीर्ष दो टीमें आर्सेनल और मैनचेस्टर सिटी- 22 मार्च को वेम्बली स्टेडियम में आमने- सामने होंगी। इस मुकाबले में सिटी के फॉरवर्ड ओमर मारमूश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जबकि एक गोल तिजानी रेंडर्स ने किया। पहले लेग में 2–0 की बढ़त लेने वाली सिटी ने घरेलू मैदान एतिहाद स्टेडियम में सेमीफाइनल को लगभग एकतरफा बना दिया। न्यूकैसल की ओर से सांत्वना गोल सब्स्टीट्यूट एंथनी एलांगा ने किया। मारमूश ने मैच के सातवें मिनट में सिटी को बढ़त दिलाई, जब डैन बर्न के टैकल से गेंद उनके शरीर से टकराकर गोल में चली गई। 29वें मिनट में कीरन ट्रिपियर की खराब क्लीयरेंस पर मारमूश ने हेडर से अपना दूसरा गोल किया। इसके तीन मिनट बाद रेंडर्स ने बॉक्स के अंदर से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 3–0 कर दिया। 62वें मिनट में एलांगा ने न्यूकैसल के लिए गोल किया, जिससे स्कोरलाइन थोड़ी सम्मानजनक हो सकी। मैच के बाद मारमूश ने स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, "हम ट्रॉफी जीतने के लिए खेलते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं ताकि फाइनल तक पहुंचें और सिल्वरवेयर उठा सकें।" वहीं सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला ने आर्सेनल की तारीफ करते हुए कहा, "आर्सेनल इस समय शायद यूरोप ही नहीं, दुनिया की भी सबसे बेहतरीन टीम है। उनके खिलाफ खेलना हमें और बेहतर बनाएगा।" आर्सेनल ने मंगलवार को चेल्सी को 1–0 से हराकर कुल 4–2 के एग्रीगेट के साथ फाइनल में प्रवेश किया था।

सऊदी प्रो लीग का बहिष्कार खत्म करने को तैयार रोनाल्डो, अल-इत्तिहाद के खिलाफ उतरने की संभावना

एजेंसी, रियाद

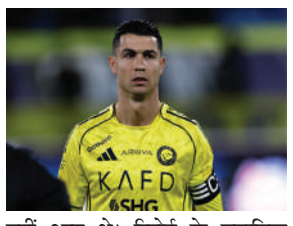

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर और अल-नस्र के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सऊदी प्रो लीग में अपने कथित बहिष्कार को खत्म कर शुक्रवार को अल-इत्तिहाद के खिलाफ हाई-वोल्टेज मुकाबले में खेलने की संभावना है। गोल. कॉम की एक रिपोर्ट में यह खबर ऐसे समय आई है, जब पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो ने हाल ही में अल-रियाद के खिलाफ डर्बी मुकाबले में हिस्सा नहीं लिया था। माना जा रहा है कि वह सऊदी अरब में क्लबों के बीच ट्रांसफर फंड के असमान वितरण से नाराज थे। इससे पहले यह खबरें थीं कि रोनाल्डो सऊदी पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड (पीआईएफ) की क्लब प्रबंधन और निवेश नीति से असंतुष्ट होकर लगातार दूसरे सऊदी प्रो लीग मैच का बहिष्कार कर सकते हैं। अल-नस्र ने सोमवार को अल-रियाद के खिलाफ 1-0 से जीत दर्ज की थी, लेकिन उस मैच में रोनाल्डो मैदान पर नजर नहीं आए थे। रिपोर्ट के मुताबिक रोनाल्डो को यह भी नाराजगी थी कि पीआईएफ कथित तौर पर अल-नस्र में पर्याप्त निवेश नहीं कर रहा, जबकि उसके चिर-प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल को ज्यादा समर्थन दिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, रोनाल्डो ने फ्रांसीसी फुटबॉल स्टार करीम बेंजेमा के अल-इत्तिहाद से अल-हिलाल जाने के प्रस्ताव का भी विरोध किया था, क्योंकि उन्हें यह कदम अनुचित लगा और इससे अल-हिलाल के खिताब जीतने की राह आसान होती दिख रही थी। हालांकि, इस सप्ताह रोनाल्डो ने टीम के साथ ट्रेनिंग की और बुधवार को सोशल मीडिया पर अल-नस्र की जर्सी में अपनी तस्वीरें भी साझा कीं। इसके बावजूद क्लब के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर कोच जॉर्ज जीसस और अन्य खिलाड़ियों की ट्रेनिंग तस्वीरें तो दिखीं, लेकिन रोनाल्डो की कोई फोटो साझा नहीं की गई। लीग तालिका की बात करें, तो अल-नस्र 46 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और वह शीर्ष पर मौजूद अल-हिलाल से सिर्फ एक अंक पीछे है। वहीं, अल-इत्तिहाद फिलहाल छठे स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच मुकाबला शुक्रवार को खेला जाएगा।हाल के महीनों में अल-नस्र के स्पोर्टिंग डायरेक्टर सिमाओ कूटिन्हो और सीईओ जोसे सेमेडो को पीआईएफ ने निलंबित कर दिया था। इस फैसले के बाद क्लब के खर्चों में कटौती हुई और शीर्ष खिलाड़ियों के आने की संभावनाएं भी प्रभावित हुईं, जिससे रोनाल्डो की नाराजगी और बढ़ गई। इसके उलट, अल-हिलाल को सऊदी अरब के प्रिंस अलवलीद बिन तलाल अल-सऊद से बड़ा वित्तीय समर्थन मिला है। ईएसपीएन के अनुसार, मौजूदा ट्रांसफर विंडो में अल-हिलाल के सभी साइनिंग—जिसमें बेंजेमा भी शामिल हैं—का खर्च अलवलीद ने उठाया है।

एमसीजी करेगा ऐतिहासिक 150वां एनिवर्सरी टेस्ट की मेजबानी, टिकटों की रिकॉर्ड मांग

एजेंसी, नई दिल्ली

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में मार्च 2027 में खेले जाने वाले ऐतिहासिक 150वें एनिवर्सरी टेस्ट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाले इस खास मुकाबले के लिए टिकटों की मांग उम्मीद से कहीं ज्यादा रही है। सार्वजनिक टिकट बैलेट इस सप्ताह बंद होने जा रहा है और उससे पहले ही भारी संख्या में आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। यह ऐतिहासिक टेस्ट मैच 11 मार्च 2027 से एमसीजी में खेला जाएगा और खास बात यह है कि यह पिंक बॉल से डे-नाइट टेस्ट होगा। यह मुकाबला क्रिकेट के 150 साल के गौरवशाली इतिहास का जश्न होगा, जिसमें खेल की दुनिया के कई बड़े और प्रतिष्ठित नामों की मौजूदगी तय मानी जा रही है। टिकटों की अत्यधिक मांग को देखते हुए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने इतिहास में पहली बार सार्वजनिक बैलेट सिस्टम अपनाया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, इस बैलेट के लिए आवेदन की अंतिम तिथि शुक्रवार, 6 फरवरी को शाम 5 बजे (ऑस्ट्रेलिया समय के अनुसार) तय की गई है। बैलेट बंद होने के बाद सभी आवेदनों को रैंडमाइज किया जाएगा और सफल आवेदकों को 20 फरवरी तक सूचित किया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को इस इवेंट के लिए न केवल विक्टोरिया बल्कि अन्य राज्यों और विदेशों से भी बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं। खास तौर पर विदेशों से आए अधिकतर आवेदन यूके से हैं। अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय आवेदनों को विक्टोरिया के निवासियों से अलग श्रेणी में गिना जा रहा है। सीए इस ऐतिहासिक आयोजन में सभी जीवित पुरुष और महिला आईसीसी हॉल ऑफ फेम इंडक्टी, ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम के सदस्य, 1977 के सेंटेनरी टेस्ट में खेलने वाले ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के सभी खिलाड़ी, पूर्व टेस्ट कप्तान और दोनों देशों के पूर्व टेस्ट क्रिकेटरों को आमंत्रित करने की योजना बना रहा है। अब तक 100 से ज्यादा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी और विश्व क्रिकेट की दिग्गज हस्तियां अपनी मौजूदगी की पुष्टि कर चुकी हैं। 150वां एनिवर्सरी टेस्ट उस ऐतिहासिक परंपरा की अगली कड़ी होगा जिसकी शुरुआत मार्च 1877 में एमसीजी पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच से हुई थी। इसके बाद 1977 में खेला गया सेंटेनरी टेस्ट भी ऐतिहासिक रहा, जिसमें डेविड हूक्स, टोनी ग्रेग और रिक मैककॉस्कर जैसे दिग्गजों ने यादगार प्रदर्शन किया था। खास बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट और सेंटेनरी टेस्ट दोनों ही 45 रन से जीते थे। यह मुकाबला एमसीजी में खेला जाने वाला पहला पुरुष डे-नाइट टेस्ट भी होगा। आयोजन के दौरान दुनियाभर के क्रिकेट दिग्गजों को सम्मानित करने के लिए विशेष समारोह और मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का एक अविस्मरणीय अध्याय बनने जा रहा है।

बॉक्सम एलिट के दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का जलवा, लवलीना की दमदार शुरुआत

एजेंसी, मैड्रिड

बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को खेले गए दूसरे दिन ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स चैंपियन हितेश गुलिया (70 किग्रा) की अगुवाई में भारत ने कई भार वर्गों में प्रभावशाली जीत दर्ज की। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि लवलीना ने अपने अभियान की सशक्त शुरुआत करते हुए यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को सर्वसम्मत 5:0 के फैसले से हराया। पूरे मुकाबले में लवलीना का नियंत्रण साफ नजर आया—तेज पंच, सटीक कॉम्बिनेशन और शानदार फुटवर्क के दम पर उन्होंने आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में हितेश गुलिया ने भी अपनी लय बरकरार रखते हुए कनाडा के विन्सेंट सैंटोरिएलो को 5:0 से शिकस्त दी और 70 किग्रा वर्ग में अपनी मजबूत दावेदारी फिर साबित की।

महिला मुक्केबाजों का दबदबा- भारतीय महिला मुक्केबाजों ने दिन की शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन किया।

- मंजू रानी (48 किग्रा) ने फ्रांस की ग्लोरिया डी'अल्मेडा को 5:0 से हराया।
- नीतू (51 किग्रा) ने स्पेन की लौरा काल्डेरोन को पहले राउंड में ही RSC से मात दी।
- कुसुम (51 किग्रा) ने स्पेन की क्लाउडिया अल्कानिज़ को करीबी मुकाबले में 4:1 से हराया।
- अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) ने कजाखस्तान की अज़ीज़ा इस्सीना को 5:0 से पराजित किया।
- सानामाचा चानू (75 किग्रा) ने कनाडा की विक्टोरिया पेनी को 4:1 से हराया।
- हालांकि स्नेहा (70 किग्रा) को फ्रांस की एंड्रिया बाडिन के खिलाफ 1:4 से हार का सामना करना पड़ा।

पुरुष वर्ग में भी जीत की झड़ी

- पवन बर्तवाल (55 किग्रा) थाईलैंड के थानारत सैंगफेट के राउंड-2 में हटने के बाद विजेता बने।
- जादूमणि सिंह (55 किग्रा) ने यूक्रेन के सियोवुश मुखम्मदीव को 4:1 से हराया।
- दीपक (70 किग्रा) ने स्पेन के डेविड एडेनल रोसालेन को 5:0 से मात दी।
- अंकुश (80 किग्रा) ने कजाखस्तान के येरासिल झाकपेकोव को करीबी मुकाबले में 3:2 से हराया।
- हर्ष चौधरी (90 किग्रा) ने कनाडा के ब्रायन कोलवेल को 5:0 से पराजित कर दिन का शानदार समापन किया।

बॉक्सम एलिट 2026

- दूसरे दिन के परिणाम

एलीट महिला वर्ग

- 48 किग्राः मंजू ने ग्लोरिया डी'अल्मेडा (फ्रांस) को 5:0 से हराया
- 51 किग्राः नीतू ने लौरा काल्डेरोन (स्पेन) को RSC R1
- 51 किग्राः कुसुम ने क्लाउडिया अल्कानिज़ (स्पेन) को 4:1
- 70 किग्राः अरुंधति ने अज़ीज़ा इस्सीना (कजाखस्तान) को 5:0
- 70 किग्राः स्नेहा को एंड्रिया बाडिन (फ्रांस) से 1:4 से हार
- 75 किग्राः सानामाचा चानू ने विक्टोरिया पेनी (कनाडा) को 4:1
- 75 किग्राः लवलीना बोरगोहेन ने ओल्हा पिलिपचुक (यूक्रेन) को 5:0

एलीट पुरुष वर्ग

- 50 किग्राः ऋषि को सानझार ताशकेनबे (कजाखस्तान) से 1:4 से हार
- 55 किग्राः पवन बर्तवाल ने थानारत सैंगफेट (थाईलैंड) को ABD R2
- 55 किग्राः जादूमणि सिंह ने सियोवुश मुखम्मदीव (यूक्रेन) को 4:1
- 70 किग्राः दीपक ने डेविड एडेनल रोसालेन (स्पेन) को 5:0
- 70 किग्राः हितेश गुलिया ने विन्सेंट सैंटोरिएलो (कनाडा) को 5:0
- 80 किग्राः अंकुश ने येरासिल झाकपेकोव (कजाखस्तान) को 3:2
- 85 किग्राः जुगनू को एड्रियन फ्रेसेनेडा (स्पेन) से 1:4 से हार
- 90 किग्राः नामन को कांडोरो सुकूना (फ्रांस) से 1:4 से हार
- 90 किग्राः हर्ष चौधरी ने ब्रायन कोलवेल (कनाडा) को 5:0

भारतीय टीम का यह आत्मविश्वास भरा प्रदर्शन आगे के मुकाबलों के लिए शुभ संकेत माना जा रहा है।

पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के सेमी फाइनल में पहुंचा श्याम लाल कॉलेज

नई दिल्ली। मेजबान श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने 12वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग में जीत का "चौका" मार पूल ए से सेमी फाइनल में प्रवेश किया। महिला वर्ग में विवेकानंद कॉलेज ने भारती कॉलेज को 6-2 से मात दी। श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने श्याम लाल कॉलेज (सांध्य) को 5-1 से हरा कर लीग दौर का अंत अपने चारों मैच जीत कर किया। विजेता टीम के पंकज को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। उभरते फॉरवर्ड प्रत्यूष सिंह जग्गी ने तीन शानदार गोल किए। श्लोक और हर्ष ने एक-एक गोल किया। पराजित टीम के लिए एकमात्र गोल लक्ष्मण ने किया। अन्य मैचों में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 8-2 से शिकस्त दी। उसकी टीम के मनीष को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 6 फरवरी, 2026

मेथी में मौजूद पोषक तत्व सेहत के लिए फायदेमंद हैं लेकिन...

मेथी के पत्तों और बीजों का इस्तेमाल हम खाने में करते हैं। सर्दियों में मेथी के साग खूब पसंद किए जाते हैं तो वहीं मेथी के दाने खाने का स्वाद बढ़ा देते हैं। लोग मेथी के दानों को भिगोकर उसका पानी पीते हैं, लेकिन मेथी खाने के कई नुकसान भी हैं। मेथी आपके हेल्थ पर कई साइड इफेक्ट डालता है।

सर्दियों के साथ ही मेथी के पराठे, मेथी के साग, आलू मेथी की सब्जियों का सीजन शुरू हो जाता है। मेथी के गरमा-गरम पराठे खाने में जितने टेस्टी लगते हैं, उतना ही बनाने में आसान है। मेथी के पत्ते हो या फिर उसके दाने इसमें मौजूद पोषक तत्व सेहत के लिए फायदेमंद है। मेथी सेहत से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करने में मदद करता है तो वहीं मेथी खाने से कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। आम तौर हम यही समझते हैं कि मेथी शरीर में शुगर लेवल को कंट्रोल रखता है, पाचन को ठीक रखता है। अक्सर आपने देखा होगा कि लोग पेट में गैस होने पर मेथी के दाने खा लेते हैं, लेकिन मेथी कई बार शरीर को नुकसान भी पहुंचाता है।

मेथी के साइड इफेक्ट

मेथी का सेवन वैसे तो पाचन के लिए फायदेमंद माना जाता है, लेकिन अगर उसकी जरूरत से ज्यादा सेवन किया जाए तो पेट खराब हो सकता है। वहीं मेथी शुगर के लेवल को कम करने में मदद करता है।

डायबिटीज के मरीज रात भर भिगोए मेथी के दानों का पानी पीते हैं। अगर इसे नियंत्रित इस्तेमाल किया जाए तब तो ठीक, वरना मेथी में मौजूद पोषक तत्व शुगर को बहुत कम कर सकते हैं। शरीर में शुगर लेवल जरूरत से ज्यादा नीचे जा सकता है, जो आपकी सेहत के लिए खतरनाक है।

हाई ब्लड प्रेशर

केवल शुगर ही नहीं मेथी ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता है। मेथी की पत्तियों में सोडियम की मात्रा कम होती है। मेथी के अधिक इस्तेमाल शरीर में सोडियम के लेवल को कम कर सकता है, जो हाई ब्लड प्रेशर की वजह बन सकता है। अगर आप हाई ब्लड प्रेशर के मरीज है तो आपको मेथी के सेवन से बचना चाहिए।

सांस लेने में दिक्कत

मेथी के अधिक इस्तेमाल से आपको सांस संबंधी समस्या हो सकती है। मेथी की तासीर गर्म होती है। इसमें मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट्स और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर जरूरत से ज्यादा आप इसका इस्तेमाल करते हैं तो आपको सांस संबंधी दिक्कत हो सकती है।

प्रेगनेंसी में खतरनाक

चूंकि मेथी गर्म होता है, ऐसे में गर्भवती महिलाओं को इससे बचना चाहिए। मेथी के अत्यधिक सेवन से ब्लड क्लॉटिंग स्लो हो सकती है। गर्भवती महिलाओं को पाचन संबंधी दिक्कतें हो सकती है। मेथी के दाने पेट को गड़बड़ कर सकता है।

यूरीन की बदबू

अगर आप जरूरत से ज्यादा मेथी का खाने में इस्तेमाल करते हैं तो यूरीन में गंध की समस्या हो सकती है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि मेथी का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें।

लिवर कैंसर से बचाने में मददगार है आंवला

आंवला लिवर कैंसर से बचाने में मददगार हो सकता है क्योंकि इसमें विटामिन सी होता है जो सेल्स को रिपेयर करता है और वजन घटाने में भी सहायक होता है। शोध से पता चला है कि आंवला का सेवन करने से लिवर कैंसर की ग्रोथ रोकी जा सकती है। इसके अलावा आंवला खाने से डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा भी कम हो सकता है।

लिवर कैंसर में जिगर के सारे हिस्से पुराने, डैमेज और बीमार हो जाते हैं। कैंसर का नाम सुनकर ही लोगों के हाथ-पांव फूल जाते हैं। इसका काफी देर से पता चलता है, जिसकी वजह से इलाज करना मुश्किल हो जाता है। आंवला एक चमत्कारी फल है, जो सालों से एशिया में रहने वाले लोगों को फायदा पहुंचा रहा है। लिवर के अलावा कई तरह के कैंसर से बचने के लिए आंवला फायदेमंद साबित हो सकता है। यह विटामिन सी जैसा बहुत आवश्यक पोषक तत्व देता है, जो पूरे शरीर के लिए जरूरी है। हमारे शरीर का हर एक हिस्सा सेल्स से बना है, जो खुद को रिपेयर करती रहती हैं। विटामिन सी इस पूरे काम में मदद करता है और खाली पेट आंवला खाने से वेट लॉस भी होता है।

लिवर कैंसर से प्रॉटेक्शन

एक शोध के मुताबिक, आंवला का सेवन करने से SW620 सेल्स की ग्रोथ रोकी जा सकती है। यह लिवर कैंसर के साथ स्किन कैंसर और पेट का कैंसर का प्रमुख कारण होता है। साइंस डायरेक्ट पर मौजूद यह स्टडी जानवरों पर बेस्ड है।

हाई नहीं होगा ब्लड शुगर

कई स्टडी के अंदर आंवला को डायबिटीज के मरीजों के लिए गुणकारी पाया गया है। यह फास्टिंग और पोस्ट मील ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल रखने में सपोर्ट करता है। टाइप 2 डायबिटीज मैनेज करने के साथ इसे बचाव के रूप में भी देखा जा सकता है।

आंवला जूस के फायदे

बुढ़ापा रोकने वाला फल

उम्र बढ़ने के साथ स्किन और बालों की हेल्थ गिरने लगती है। नजर कमजोर होने के कारण लोगों को देखने में भी परेशानी होने लगती है। लेकिन आंवला खाकर इन दिक्कतों को दूर रखकर बुढ़ापे का एहसास करने से बचा जा सकता है।

ठंड में क्यों खाना चाहिए आंवला?

सर्दी में इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर हो जाता है और फ्लू व इंफेक्शन घेर लेते हैं। बच्चों व बुजुर्गों को इन बीमारियों का ज्यादा खतरा होता है। आंवला में विटामिन सी का भंडार है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है।

खून से खींच लेगा चर्बी

कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड गंदे फैट होते हैं, जो खून की नसों में जम जाते हैं। हार्ट अटैक और स्ट्रोक के पीछे इन्हें जिम्मेदार पाया गया है। आंवला खाने से इन गंदे फैट्स को कम करके दिल की बीमारियों को दूर किया जा सकता है।

सर्दियों में फायदेमंद हो सकता है गुड़ के साथ तिल का सेवन

अगर आप सर्दियों की डाइट में कुछ हेल्दी चीजों का सेवन करना चाहती हैं तो गुड़ के साथ तिल का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

क्या आपने कभी सोचा है कि सर्दियों में मुख्य रूप से खाई जाने वाली सामग्रियों का अपना अलग स्वाद और महत्व होता है। सर्दियों में जहां एक तरफ हरी सब्जियों को खाने का मजा अलग होता है वहीं हम खाने में मुख्य रूप से तिल और गुड़ का इस्तेमाल भी करते हैं। कई तरह के व्यंजनों में तिल और गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। जहां एक तरफ ये दोनों सामग्रियां सर्दी में शरीर को गर्मी प्रदान करते हैं वहीं इन दोनों सामग्रियों का मिश्रण सेहत के लिए कई अन्य फायदे भी प्रदान करता है। हमारे हृदय को स्वस्थ रखने से लेकर शरीर को ऊर्जा प्रदान करने तक गुड़ और तिल का सर्दियों में इस्तेमाल करना हमारे लिए फायदेमंद होता है।

भारत में तिल और गुड़ से लड्डू और तिल पापड़ी तक कई तरह की सामग्रियां तैयार की जाती हैं जो सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो। इस तरह की खाद्य सामग्रियों को हमेशा आयुर्वेदिक ज्ञान के साथ जोड़ा जाता है। आइए फैट टू स्लिम ग्रुप की सेलिब्रिटी इंटरनेशनल डाइटीशियन और न्यूट्रिशनिष्ट शिखा ए शर्मा से जानें इसके फायदे और इसे क्यों डाइट में शामिल करना चाहिए।

अनसैचुरेटेड फैट का अच्छा स्रोत

सर्दियों में भरपूर मात्रा में पाए जाने वाले तिल में भरपूर मात्रा में अनसैचुरेटेड फैट पाया जाता है। इस तरह के फैट का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। जब हम इस तरह की किसी भी खाद्य सामग्री का इस्तेमाल करते हैं तब ये हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद हो सकता है। इसका इस्तेमाल शरीर के साथ हृदय को स्वस्थ बनाने में मदद करता है। जब लोग तिल और गुड़ का सेवन एक साथ करते हैं तो ये दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

डायबिटीज के लोग कर सकते हैं सेवन

डायबिटिक लोगों के लिए तिल और गुड़ का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें ज्यादा मात्रा में शुगर नहीं होता है इसलिए डायबिटिक लोग भी इन दोनों के मिश्रण का सेवन थोड़ी मात्रा में कर सकते हैं। हालांकि इसका बहुत ज्यादा सेवन आपको नहीं करना चाहिए क्योंकि ज्यादा सेवन शरीर के शर्करा लेवल को बढ़ा भी सकता है।

कोलेस्ट्रॉल कम करता है

जिन लोगों को बढे हुए कोलेस्ट्रॉल लेवल की समस्या है वो अपनी डाइट में तिल और गुड़ को जरूर शामिल करें। इस तरह की डाइट शरीर के कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करता है। हालांकि इसे एक औषधि के रूप में नहीं देखा जा सकता है लेकिन इसके इस्तेमाल से काफी हद तक वजन नियंत्रण में भी मदद मिलती है।

आयरन का अच्छा स्रोत

गुड़ और तिल का मिश्रण उन लोगों के लिए भी फायदेमंद है जिन्हें शरीर में खून की कमी या एनीमिया की समस्या है। ये आयरन का अच्छा स्रोत हैं, इसलिए इन्हें डाइट में जरूर शमिल करें जिससे शरीर का हीमोग्लोबिन बढ़ाया जा सके और एनीमिया से छुटकारा पाया जा सके। ये शरीर में ऑक्सीजन के लेवल को मेंटेन करने में भी मदद करता है।

बच्चों के लिए फायदेमंद

इन दोनों सामग्रियों का सेवन बच्चों के लिए भी बेहद फायदेमंद है और सर्दियों के मौसम में बच्चे भी इसका सेवन सीमित मात्रा में कर सकते हैं। हालांकि इसका ज्यादा सेवन करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

वजन नियंत्रण में सहायक

गुड़ और तिल का एक साथ सेवन करना सेहत के लिए और वजन नियंत्रण करने में मदद करता है। इससे बने स्नैक्स का सेवन करने से ज्यादा देर तक भूख का एहसास नहीं होता है जिससे आप ज्यादा खाने से बचे रहते हैं और वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है। यदि आप बढ़ते वजन से परेशान हैं तो इसे अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। कई विटामिन और पोषक तत्वों से भरपूर गुड़ और तिल का संयोजन आपकी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकता है, लेकिन इसका ज्यादा मात्रा में सेवन करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

कई रोगों को दूर भगाता है सेब

- जिन्हें सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, बेहोशी, उन्माद या भूलने की शिकायत हो उन्हें भोजन से पहले दो ताजा मीठे सेबों का सेवन करना चाहिए। ऐसे रोगी को साधारण चाय-कॉफी छोड़कर केवल सेब की चाय ही पीनी चाहिए।

सेब खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है, ये तो आप जानते ही होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके कुछ प्रयोग से कई रोगों को भी दूर भगाया जा सकता है।

- दिल कमजोर हो या दिल की धड़कन कम या ज्यादा हो तो चांदी का वर्क लगाकर सेब के मुरब्बे का सेवन करना चाहिए। इससे मोटापा भी दूर होता है।
- अनिद्रा के उपचार में भी सेब बहुत उपयोगी है। नींद न आती हो या एक-दो बजे नींद खुलने पर दोबारा नींद न आती हो तो रोगी को सोने से पहले एक मीठे सेब का मुरब्बा खिलाइए तथा ऊपर से गुनगुना दूध पीने को दें। इससे अच्छी नींद आएगी।
- पेट के कीड़ों के निदान के लिए रोगी को प्रतिदिन दो मीठे सेब दें या प्रतिदिन एक गिलास ताजा सेब का रस दें। इससे कीड़े मर जाते हैं और मल के रास्ते निकल जाते हैं।
- कब्ज दूर करने के लिए प्रतिदिन सुबह उठकर खाली पेट दो सेब चबा-चबाकर खाएं। इससे पाचनशक्ति की कमी (अग्निमांद्य) दूर होता है और भूख भी बढ़ जाती है।

हार्मोन्स में थोड़ी सी भी गड़बड़ी होने पर उसका सीधा असर व्यक्ति की भूख, नींद और तनाव के स्तर पर दिखने लगता है। हार्मोन्स में गड़बड़ी या असंतुलन का मतलब है कि शरीर में या तो कोई हार्मोन ज्यादा बन रहा होता है या फिर बहुत कम।

होर्मोन इम्बैलेंस की समस्या में मदद कर सकता है शीर्षासन

हार्मोन्स के असंतुलन की वजह से मूड में उतार-चढ़ाव, सूजन, मेनोपॉज, नपुंसकता, छोटा कद, दुबलापन, मेटाबॉलिज्म में असंतुलन और मुंहासे आदि समस्याएं देखी जा सकती हैं। वास्तव में हार्मोन्स सभी शारीरिक एवं मानसिक गतिविधियों को नियंत्रित करने का कार्य करते हैं। यही वजह है कि इस समस्या को समय रहते ठीक करना जरूरी होता है। जिसमें शीर्षासन आपकी मदद कर सकता है। आइए जानते हैं क्या है शीर्षासन करने का सही तरीका और सावधानियां।

क्या होते हैं हार्मोन्स

हार्मोन्स एंडोक्राइन ग्रंथि से बनने वाले ऐसे रसायन होते हैं, जो खून के जरिए शरीर के अन्य हिस्सों में पहुंच कर उन्हें अलग-अलग कार्यों के लिए एक संदेशवाहक के रूप में निर्देश देते हैं। हार्मोन्स की छोटी सी मात्रा के घटने-बढ़ने भर से ही शरीर की कोशिकाओं का मेटाबॉलिज्म प्रभावित होने लगता है। मानव शरीर में कुल 230 हार्मोन्स होते हैं। कई हार्मोन, दूसरे हार्मोन्स के निर्माण और स्राव को भी काबू रखते हैं। उम्र, तनाव की अधिकता, अस्वस्थ जीवनशैली, स्टेरॉएड दवाओं का अधिक सेवन, ज्यादा वजन या कुछ खास दवाओं के कारण हार्मोन्स के स्तर में गड़बड़ी हो सकती है।

कैसे करें शीर्षासन

शीर्षासन करने के लिए आपको सबसे पहले किसी चद्दर या मेट को सपाट जगह पर बिछाकर वज्रासन में बैठना चाहिए। आप इस तरह से बैठें की आगे की ओर झुकने के लिए आपके पास भरपूर जगह हो। वज्रासन में बैठकर आप दोनों कोहनियों को जमीन पर टिकाकर दोनों हाथों की अंगुलियों को आपस में मिला लें। दोनों हाथों की अंगुलियों को मिलाकर आपकी हथेलियां ऊपर की ओर होनी चाहिए जिससे आप अपने सिर को हथेलियों का सहारा दे सकें। धीरे-धीरे आगे की ओर झुकते हुए अपने सिर को हथेलियों पर रखें और सांस सामान्य रखें। फिर धीरे-धीरे अपने सिर पर शरीर का भार आने दें। इस स्थिति में आकर आपको अपने पैरों को आसमान की ओर उठाना है ठीक इस तरह से जैसे आप सीधें पैरों के बल खड़े होते हैं वैसे ही आप उल्टा सिर के बल खड़े हैं। कुछ देर इसी स्थिती में रहें और फिर सामान्य स्थिति में वापस आ जाएं। शीर्षासन करते हुए ध्यान रखें

ये सावधानियां

- शीर्षासन का अभ्यास पहली बार किसी योग विशेषज्ञ की देखरेख में ही करें।
- अस्वस्थ महसूस करने पर शीर्षासन करने से बचना चाहिए।
- शुरूआत में शीर्षासन का अभ्यास करते समय आप दीवार का सहारा भी ले सकते हैं।
- आपका रक्तचाप बहुत अधिक बढ़ा रहता है तो आपको शीर्षासन बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए।
- आपको सर्वाइकल की समस्या है या फिर गर्दन में दर्द की समस्या है तो आपको शीर्षासन नहीं करना चाहिए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

हम अच्छी फिल्में नहीं बना रहे

पिछले कुछ साल में इस बात पर बहस तेज हो गई है कि डूम स्क्रॉलिंग ने ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कैसे प्रभावित किया है। कई लोगों का मानना है कि अब लोगों में लंबे समय तक चलने वाले मनोरंजन के लिए धैर्य नहीं बचा है। कुछ लोग तो इसे बॉलीवुड के पतन का एक कारण भी बताते हैं, क्योंकि दर्शक फिल्में देखने में कम रुचि दिखा रहे हैं। अब अपनी आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' के प्रमोशन में जुटे अभिनेता शाहिद कपूर ने इस मुद्दे पर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि सिर्फ कम ध्यान केंद्रित करने की क्षमता ही इंडस्ट्री के मौजूदा हालातों के लिए जिम्मेदार नहीं है। एक्टर ने बॉलीवुड में अच्छी फिल्मों की कमी पर भी बात की।

मेकर्स भी अपने काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे

बातचीत में शाहिद कपूर ने कम ध्यान केंद्रित करने के मुद्दे पर कहा देखिए, मोमबत्ती दोनों तरफ से जल रही है। दर्शक अपना धैर्य खो रहे हैं। उनका ध्यान केंद्रित नहीं हो पा रहा है। उन्हें उत्तेजना चाहिए, उन्हें ब्रेक चाहिए, क्योंकि इससे डोपामाइन का स्तर बढ़ता है। मेकर्स भी अपने साथ ऐसा ही कर रहे हैं, इसलिए जब वे ध्यान केंद्रित करके काम करने की कोशिश करते हैं, तो उनकी रचनात्मक क्षमता प्रभावित होती है। ऐसा नहीं है कि दर्शक फिल्में देखना नहीं चाहते; लेकिन हम उतनी अच्छी फिल्में नहीं बना पा रहे हैं जितनी बनानी चाहिए। इसलिए यह एक दोतरफा प्रक्रिया है। शाहिद ने मेन्यूफैक्चर्ड मार्केटिंग पर भी अपनी राय रखते हुए कहा कि लोग समझते नहीं हैं, लेकिन यह जीवन का एक चमत्कार है। जब लोगों से भरा एक कमरा ताली बजाता है, सीटी बजाता है और आपको पहचानता है, आपको अपने से ऊपर दर्जा देता है, तो यह बहुत खूबसूरत होता है। इसीलिए कला खास है। लेकिन जब वह पवित्रता भंग होने लगती है और उसमें बनावटीपन आ जाता है, तो उसका महत्व खत्म हो जाता है। मार्केटिंग तो हर किसी को करनी पड़ती है। लेकिन मार्केटिंग कब सही और गलत की सीमा पार कर जाती है? हद से ज्यादा क्या होता है? यह वास्तव में आपकी अपनी नैतिक समझ पर निर्भर करता है। अगर आप उस समझ के साथ काम करना चुनते हैं, तो बात अलग है। लेकिन अगर आप सिर्फ बिजनेस और आंकड़ों के लिए काम कर रहे हैं, तो वह सिर्फ बिजनेस और आंकड़े ही हैं और वही आपका जीवन का अनुभव है। अगर आप कुछ प्रामाणिक, मानवीय, सहज खोज रहे हैं, तो उसे होने दें। उसे कंट्रोल करने की कोशिश न करें। शाहिद कपूर जल्द ही विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित 'ओ रोमियो' में नजर आएंगे। फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेरी जिंदगी परफेक्ट नहीं, ईश्वर की कृपा है

पंजाबी सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपने अभिनय का परचम लहराने वाली अभिनेत्री सोनम बाजवा अपने पोस्ट के जरिए फैंस दिलों में राज करती हैं। अभिनेत्री ने गुरुवार को फैंस को एक खास संदेश दिया। अभिनेत्री सोनम बाजवा ने इंस्टाग्राम पर कुछ ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शेयर कीं। अभिनेत्री की यह तस्वीरें काफी सादगी भरी और प्रभावशाली लग रही हैं, जो उनकी पर्सनैलिटी को गहराई से दर्शाती हैं, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उन्होंने फैंस को बताया है कि वे जिंदगी को परफेक्ट दिखाने की कोशिश कभी नहीं करतीं, बल्कि वे यह दिखाना चाहती हैं कि ईश्वर की कृपा से गुजर जाती हैं। वहीं, अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, मैं कभी ऐसा न दिखूं कि मेरी जिंदगी बिल्कुल परफेक्ट है, बल्कि हमेशा यह दिखे कि ऊपरवाले ने मुझे अपने अनुग्रह से संभाला है। कमेंट सेक्शन में फैंस अभिनेत्री की तारीफ कर रहे हैं। वे उनकी इस बात को सच्ची और इंस्पायरिंग बता रहे हैं।

फिलहाल अभिनेत्री अपनी आने वाली फिल्मों में व्यस्त हैं। हाल ही में अभिनेत्री की फिल्म बॉर्डर 2 रिलीज हुई। फिल्म को 23 जनवरी को रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों से बेहद प्यार मिल रहा है। 1997 की बॉर्डर की अगली कड़ी में सोनम के अलावा, सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, आन्या, मेधा राणा, मोना सिंह और अहान शेट्टी जैसे सितारे मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 295 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म में कहानी को मजबूत तरीके से दिखाया गया है, जिसकी वजह से यह दर्शकों के दिलों को छू रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म का आखिरी पार्ट देखना लाजवाब है, क्योंकि उसमें 1997 की बॉर्डर के मुख्य कलाकारों को भी दिखाया गया है। बॉर्डर 2 के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं।

मेधा राणा ने बताया कैसे हुई 'बॉर्डर 2' में एंट्री

हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छी कमाई कर रही है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की तारीफ मिल रही है। इस फिल्म से अभिनेत्री मेधा राणा को भी एक अलग पहचान मिली है। वो फिल्म में वरुण धवन के साथ नजर आई हैं। अब अभिनेत्री ने वरुण के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया है।

फिल्म में कास्टिंग के दिन को किया याद

एएनआई से बातचीत के दौरान अपनी कास्टिंग की खबर मिलने के दिन को याद करते हुए मेधा ने कहा कि मैंने कई ऑडिशन दिए, पहले चरण में कम से कम दो या तीन। उसके बाद मुझे जाने-माने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा सर और हमारे निर्देशक अनुराग सर से मिलने के लिए बुलाया गया। उस मुलाकात के दौरान दोनों ने मुझे बधाई दी और बताया कि मेरा चयन फिल्म के लिए हो गया है। मुझे वह दिन आज भी अच्छे से याद है। जब मैं उनसे मिलने गई तो मुझे मुश्किल से ही विश्वास हो रहा था। मैं बहुत भावुक हो गई और उनके सामने रोने लगी क्योंकि यह सब कुछ अवास्तविक लग रहा था।

सेट पर सपोर्टिव थे वरुण धवन

अपने बारे में बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि मैं एक सैन्य परिवार से आती हूं। मेरे परिवार की तीन पीढ़ियां सेना में सेवा कर चुकी हैं। हमारे परिवार के लिए यह बहुत बड़ी बात है कि मुझे इस तरह के प्रोजेक्ट में भूमिका निभाने का मौका मिला। यह फिल्म मेरे लिए बहुत मायने रखती है। यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। मैं हमेशा आभारी रहूंगी। वरुण धवन के साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव के बारे में मेधा राणा ने कहा कि वरुण बहुत ही प्यारे, दयालु और सहयोगी को-स्टार हैं। मुझे याद है जब मैं पहली बार सेट पर गई थी, तो मैं बहुत घबराई हुई और डरी हुई थी। लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि मैं सहज महसूस करूं। उनकी एक खासियत है कि आपको कभी यह महसूस नहीं होगा कि वो एक स्टार हैं क्योंकि वो अपने आस-पास के सभी लोगों को सहज और सामान्य महसूस कराते हैं।

शुभांगी अत्रे ने मनोरंजन जगत का सच बताया

टेलीविजन की मशहूर शुभांगी अत्रे इन दिनों आगामी फिल्म भाबीजी घर पर हैं को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में फ्रेंडशिप को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। शुभांगी अत्रे ने कहा कि इस इंडस्ट्री में कोई भी बेस्ट फ्रेंड नहीं है। अभिनेत्री ने हाल ही में बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉपुलर पॉडकास्ट ऑनेस्टली, व्हाई नॉट? में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शिरकत की थी। इस शो में होस्ट ने अभिनेत्री से मनोरंजन जगत में दोस्ती को लेकर सवाल किए। होस्ट ने पूछा था कि क्या आपने कभी इंटरव्यू में अपने को-स्टार्स के साथ सबसे अच्छे दोस्त होने को लेकर झूठ बोला है? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, देखिए, यहां पर कोई भी बेस्ट फ्रेंड नहीं है, क्योंकि यहां पर लोगों में कॉम्पीटिशन और एक दूसरे को लेकर इंसीक्योरिटी बहुत ज्यादा है। जब एक शो चलता है, तब आप बहुत अच्छे दोस्त होते हैं, लेकिन जैसे ही आप उस शो से निकलते हैं, वो रिश्ते पीछे छूट जाते हैं। फिर आप अपनी जिंदगी की एक नई यात्रा शुरू करते हैं। मुझे लगता है कि एक एक्टर होने की सबसे अच्छी बात ये है कि आप खुद को लगातार खोजते और समझते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, इसलिए यहां बेस्ट फ्रेंड जैसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। हां, इतना जरूर है कि जब तक हम साथ काम करते हैं, तब हम एक परिवार की तरह रहते हैं।

इसके बाद होस्ट ने पूछा, आपके साथ सेट पर कभी ऐसा हुआ है कि सीन करने के बाद आपकी किसी के साथ नोकझोंक या लड़ाई हो गई और फिर से उन्हीं के साथ सीन करना पड़ रहा है और आपको ऐसा लग रहा है कि मुझे करना ही नहीं है? इस सवाल का जवाब शुभांगी अत्रे ने हंसते हुए दिया। उन्होंने कहा कि वे अपने काम को काफी पसंद करती हैं और जब किरदार में रहती हैं तो वे सब भूल जाती हैं। उन्होंने कहा, नोकझोक तो हुई है पर काम ही नहीं करना ये कभी नहीं हुआ है और जब मैं अपने किरदार में रहती हूं तो मुझे कुछ याद नहीं रहता है। मुझे अपना काम बहुत पसंद है और मैं इसे पूरे मन से मजे लेकर करती हूं।

तेलुगु फिल्म श्रीनिवास मंगापुरम में नजर आने वाली हैं राशा थडानी

बॉलीवुड में फिल्म आजाद से डेब्यू कर चुकी अभिनेत्री राशा थडानी अब तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वह फिल्म श्रीनिवास मंगापुरम में नजर आने वाली हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म का मोशन पोस्टर सामने आ चुका है। सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर करते हुए राशा थडानी ने खुशी जाहिर की है। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी है।

इंस्टाग्राम पर राशा थडानी ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने हल्की बैंगनी रंग की ड्रेस पहनी है। उन्होंने अपने बाल खोले हैं। इसके बैकग्राउंड में गुड़हल के फूल लगे हैं। मोशन पोस्टर शेयर करते हुए राशा थडानी ने लिखा है श्रीनिवास मंगापुरम की मंगा से मिलिए। आभार और उम्मीद से भरे दिल के साथ, मैं तेलुगु सिनेमा में अपना पहला कदम रख रही हूं। यह एक ऐसी दुनिया है, जहां जमीन से जुड़ी कहानियां होती हैं। इस सफर ने मुझे अपने ऊपर यकीन करना और सब्र करना सिखाया है। उन लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मुझ पर शुरुआत में भरोसा किया। फिल्म श्रीनिवास मंगापुरम के निर्देशक अजय भूपति हैं। राशा थडानी इस फिल्म में मंगा का किरदार निभाएंगी। यह फिल्म कब रिलीज होगी इसके बारे में जानकारी नहीं है।

रानी मुखर्जी से लेकर प्रियंका चोपड़ा तक, इन अभिनेत्रियों ने निभाया पुलिस का दमदार किरदार

सिनेमाघरों में रानी मुखर्जी की अदाकारी वाली फिल्म मर्दानी 3 रिलीज हो चुकी है। दर्शक फिल्म पर मिलीजुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस फिल्म में रानी मुखर्जी ने पुलिस ऑफिसर का दमदार किरदार निभाया है। फिल्म में वह मानव तस्करी गिरोह का पर्दा फाश करती हैं। आज हम उन अभिनेत्रियों के बारे में बताने वाले हैं जिन्होंने फिल्मों में पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया है।

मर्दानी, मर्दानी 2

मर्दानी फ्रेंचाइजी की सबसे पहली फिल्म मर्दानी (2014) में रानी मुखर्जी ने शिवानी शिवाजी नाम की पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया था। इसमें वह एक लापता लड़की की तलाश करती हैं। केस को हल करते हुए वह चाइल्ड ट्रैफिकिंग की दुनिया में पहुंचती हैं। इसी तरह से मर्दानी 2 (2019) में भी रानी मुखर्जी ने एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया। इसमें वह एक ऐसे व्यक्ति को पकड़ने की कोशिश करती हैं जो मासूम महिलाओं के साथ दुष्कर्म करता है और उनका कत्ल कर देता है। दोनों फिल्मों की कामयाबी के बाद मर्दानी 3 (2026) बनी है।

दृश्यम, दृश्यम 2

फिल्म दृश्यम (2013) में तब्बू ने एक पुलिस ऑफिसर मीरा देशमुख का किरदार निभाया है। इसमें वह अपने बेटे को ढूंढती हैं। उनका बेटा अजय देवगन की बेटी के साथ कुछ गलत करना चाहता है लेकिन धोखे से उसकी मौत हो जाती है। फिल्म में तब्बू का सामना अजय देवगन से होता है। दृश्यम 2 (2022) में यही कहानी आगे बढ़ती है। पुलिस के किरदार में तब्बू अपने बेटे को ढूंढने के लिए अक्षय खन्ना को लेकर आती हैं। इस बार भी वह अजय देवगन से मात खा जाती हैं।

जय गंगाजल

प्रकाश झा के निर्देशन में बनी फिल्म जय गंगाजल (2016) में प्रियंका चोपड़ा ने आभा माथुर नाम की पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया है। फिल्म में वह ताकतवर गुंडों का सामना करती हैं। पुलिस के किरदार में प्रियंका चोपड़ा को खूब सराहा गया।

सोनी

फिल्म सोनी (2018) में गीतिका विद्या ओल्यान ने सोनी नाम की पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया था। फिल्म में दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों से लड़ने की कहानी दिखाई गई है। इसके अलावा फिल्म पुलिस विभाग में पितृसत्तात्मक चुनौतियों को चित्रित करती है। फिल्म में गीतिका के किरदार को पसंद किया गया।

कटहल

फिल्म कटहल (2023) में सान्या मल्होत्रा ने महिमा बोर्से नाम की पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया है। फिल्म में दिखाया गया है कि एक विधायक के घर से दो कीमती कटहल गायब हो जाते हैं। यह केस गरीब माली की लापता बेटी के अपहरण से जुड़ा होता है। फिल्म में सान्या के पुलिस वाले किरदार को खूब पसंद किया गया।